नेशनल प्रेस टाइम्स

नई दिल्ली, शनिवार
01 फरवरी 2025

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

नई दिल्ली। (राष्ट्रीय संस्करण) वर्ष : 10, अंक : 315 www.nationalpresstimes.com पृष्ठ : 10 मूल्य : 05 रुपया RNI No : UPHIN/2015/64579

सीएम योगी का बड़ा फैसला:

अमृत और प्रमुख स्नानों पर वीआईपी मूवमेंट होगा प्रतिबंधित, नहीं रहेगा कोई प्रोटोकॉल

लखनऊ। मौनी अमावस्या में हुई भगदड़ से सबक लेते हुए योगी सरकार ने महाकुंभ में होने वाले अमृत स्नान पर किसी भी तरह का प्रोटोकाल खत्म करने का निर्देश दिया है।

महाकुम्भ-2025 में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के साथ-साथ वीआईपी और वीवीआईपी भी त्रिवेणी संगम में स्नान कर पुण्य लाभ अर्जित करने आ रहे हैं। हालांकि, अमृत स्नान और प्रमुख स्नान पर्वों पर इस तरह के प्रोटोकॉल पर योगी सरकार ने प्रतिबंध लगा दिया है। सीएम योगी की मंशा के अनुसार, अमृत स्नान व प्रमुख स्नान पर्वों पर तथा इसके समीप की तिथियों पर प्रशासन द्वारा किसी प्रकार का वीआईपी प्रोटोकॉल लागू नहीं होगा। योगी सरकार की ओर से मेले की शुरूआत से पहले ही इसकी घोषणा की गई थी। अब इस फैसले को सख्ती से लागू किए जाने की पहल की गई है।

शेष पेज 2 पर

मुख्यमंत्री योगी ने अयोध्या का किया हवाई सर्वेक्षण उमड़ी भीड़ का आसमान से किया आकलन

अयोध्या। महाकुंभ में स्नान के बाद बड़ी संख्या में श्रद्धालु अयोध्या पहुंच रहे हैं। इसे लेकर पुलिस अधिकारी व प्रशासन अलर्ट हो गया है। महाकुंभ के बाद रामनगरी में भी लगातार आस्था का सैलाब उमड़ रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को अयोध्या का हवाई सर्वेक्षण किया। सीएम ने राम जन्मभूमि, हनुमानगढ़ी और सरयू के घाट का हवाई सर्वेक्षण किया। प्रयागराज महाकुंभ में स्नान के पहले और बाद में बड़ी संख्या में श्रद्धालु लगातार अयोध्या पहुंच रहे हैं। श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा देने के लिए ग्राउंड जीरो पर सीएम योगी के अधिकारी उतरे हुए हैं। मुख्यमंत्री की ओर से अयोध्या में पहुंच रहे श्रद्धालुओं की भीड़ की आसमान से निगरानी और आकलन किया गया। महाकुंभ मेले से लौट रहे श्रद्धालुओं की भीड़ से अयोध्या पटी हुई है। शुक्रवार को भी रामनगरी में पांच लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन पूजन कर रहे हैं। इसी बीच सीएम योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या का हवाई सर्वेक्षण कर मेला व्यवस्था की जानकारी ली है। अयोध्या में कमिश्नर गौरव दयाल और आईजी प्रवीण कुमार समेत अन्य आला अधिकारी जमे हुए हैं और क्षेत्र की निगरानी कर रहे हैं। बसंत पंचमी के स्नान के बाद यानी पांच फरवरी तक अयोध्या में श्रद्धालुओं की भीड़ के उमड़ने की संभावना है।

'देश ने देखा कांग्रेस के शाही परिवार का अहंकार, यह आदिवासी भाई-बहनों का अपमान'

राष्ट्रपति पर दिए सोनिया गांधी के बयान पर बोले PM मोदी

नई दिल्ली। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी बिना नाम लिए सोनिया गांधी पर निशाना साधा है। दिल्ली में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस और आपदा दोनों अहंकार की पराकाष्ठा के प्रतीक हैं।

कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने शुक्रवार को संसद के संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के संबोधन पर अपनी प्रतिक्रिया देकर विवाद खड़ा कर दिया है। उन्होंने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, ह्यह्यअंत तक राष्ट्रपति बहुत थक गई थीं...वह मुश्किल से बोल पा रही थीं, बेचारी।ह्लह्ल अब सोनिया के इसी बयान को लेकर भाजपा उनपर हमलावर हो गई है। भाजपा के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सोनिया गांधी की ओर से राष्ट्रपति मुर्मू के लिए की गई एक टिप्पणी को लेकर उनकी कड़ी निंदा की और मांग की कि वह राष्ट्रपति तथा भारत के आदिवासी समुदायों से बिना शर्त माफी मांगें। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी बिना नाम लिए सोनिया गांधी पर निशाना साधा है।

दिल्ली में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस और आपदा दोनों अहंकार की पराकाष्ठा के प्रतीक हैं। ये अअढ-दा वाले खुद को दिल्ली का मालिक बताते हैं। तो वहीं कांग्रेस वाले खुद को देश का मालिक समझते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शाही परिवार का अहंकार आज देश ने फिर देखा है। आज हमारी सम्मानीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी ने संसद को संबोधित किया।

शेष पेज 2 पर

जयशंकर ने ट्रंप को क्यों बताया आउट ऑफ सिलेबस? भारत के दोस्त हैं या दुश्मन आसान भाषा में समझा दिया

नई दिल्ली। जयशंकर ने भारत के बढ़ते वैश्विक प्रभाव और देश के बारे में बदलती धारणाओं के बारे में बात की। उन्होंने कहा, ह्यह्ययहां तक कि अब गैर-भारतीय भी खुद को भारतीय कहते हैं, उन्हें लगता है कि इससे उन्हें विमान में सीट मिलने में मदद मिलेगी। जयशंकर ने शिक्षा क्षेत्र और कूटनीति से राजनीति में आने का उल्लेख करते हुए कहा कि मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं नौकरशाह बनूंगा।

दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज कॉलेज में एक इंटरैक्टिव सत्र को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को अमेरिकी राष्ट्रवादी' बताया और कहा कि भारत को अपने हित में 'पाठ्यक्रम से बाहर' विदेश नीति का संचालन करना होगा।

शेष पेज 2 पर

राष्ट्रपति ने संसद को किया संबोधित

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 पेश किया, जिसमें चालू वित्तीय वर्ष में अर्थव्यवस्था के प्रदर्शन का आधिकारिक आकलन प्रदान किया गया और देश के सामने आने वाली चुनौतियों की सूची दी गई।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण के साथ ही संसद का बजट सत्र शुरू हो गया। बजट सत्र 31 जनवरी से 4 अप्रैल तक दो चरणों में आयोजित किया जाएगा। सत्र का पहला भाग 13 फरवरी को समाप्त होगा और दूसरा चरण 10 मार्च से शुरू होगा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 पेश किया, जिसमें चालू वित्तीय वर्ष में अर्थव्यवस्था के प्रदर्शन का आधिकारिक आकलन प्रदान किया गया और देश के सामने आने वाली चुनौतियों की सूची दी गई।

मुर्मू के अभिभाषण की

मुख्य बातें

- राष्ट्रपति ने प्रयागराज में हुए महाकुंभ हादसे पर दुख जताते हुए जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि दी और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की।

- राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि सरकार के तीसरे कार्यकाल में पिछली सरकारों की तुलना में तीन गुना तेजी से काम हो रहा है।

- सरकार ने तीन करोड़ अतिरिक्त परिवारों को नए घर उपलब्ध कराने के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना का विस्तार करने का निर्णय लिया है।

- आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत 70 वर्ष और उससे अधिक उम्र के छह करोड़ वरिष्ठ नागरिकों को स्वास्थ्य बीमा देने का फैसला हुआ है।

- मुर्मू ने कहा कि मेरी सरकार महिलाओं के नेतृत्व में देश को सशक्त बनाने में विश्वास करती है।

- राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत 91 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों को सशक्त किया जा रहा है।

- राष्ट्रपति ने कहा कि आज हमारे युवा स्टार्ट-अप और खेल से लेकर अंतरिक्ष तक, हर क्षेत्र में देश का नाम रोशन कर रहे हैं।

- मेरी सरकार राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से विद्यार्थियों के लिए आधुनिक शिक्षा प्रणाली तैयार कर रही है।

- मेरी सरकार ने नीतिगत पंगुता को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम किया है।

- राष्ट्रपति ने कहा कि डिजिटल धोखाधड़ी, साइबर अपराध और ह्यडीपफेकह्ल सामाजिक, आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए चुनौती है।

- भारत में आधुनिक और आत्मनिर्भर कृषि व्यवस्था हमारा लक्ष्य है, सरकार किसानों को फसल का उचित दाम दिलाने और उनकी आय बढ़ाने के लिए समर्पित भाव से काम कर रही है।

शेष पेज 2 पर

सोनिया गांधी के बचाव में उतरीं प्रियंका, कहा- राष्ट्रपति का सम्मान करती हैं मेरी मां, बीजेपी पर लगाया बड़ा आरोप

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद ने आगे कहा कि मुझे लगता है कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि मीडिया द्वारा इस तरह की बात को तोड़-मरोड़कर पेश किया जाता है। वे दोनों दो सम्मानित लोग हैं और हमसे उम्र में बड़े हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पर सोनिया गांधी की टिप्पणी को लेकर भाजपा द्वारा माफी मांगे जाने की मांग किये जाने पर प्रियंका गांधी का बयान सामने आया है। प्रियंका गांधी ने भाजपा पर पलटवार करते हुए कहा कि उन्हें पहले देश को बर्बाद करने के लिए माफी मांगनी चाहिए। प्रियंका गांधी ने कहा कि मेरी मां 70-80 साल की बुजुर्ग महिला हैं, उन्होंने बस इतना कहा है कि 'राष्ट्रपति ने इतना लंबा भाषण पढ़ा और वह थक गई होंगी, बेचारी'। वह भारत के राष्ट्रपति का पूरा सम्मान करती हैं।

कांग्रेस सांसद ने आगे कहा कि मुझे लगता है कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि मीडिया द्वारा इस तरह की बात को तोड़-मरोड़कर पेश किया जाता है। वे दोनों दो सम्मानित लोग हैं और हमसे उम्र में बड़े हैं।

शेष पेज 2 पर

क्या व्यापार करने के लिए किया गया महाकुंभ का आयोजन?

योगी सरकार से अखिलेश का सवाल

लखलऊ। अखिलेश ने आगे कहा कि अगर महाकुंभ पर कितना पैसा खर्च हुआ है और सरकार कितना खर्च करेगी, इसकी जानकारी भी भाषण में शामिल थी। यूपी सरकार कह रही है कि महाकुंभ से 2 लाख करोड़ रुपये का राजस्व आएगा।

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने प्रयागराज में महाकुंभ में व्यवस्था को लेकर योगी सरकार पर निशाना साधा है। अखिलेश ने कहा कि राष्ट्रपति के भाषण से ज्यादा अहम है कुंभ में लापता हुए लोगों का मुद्दा। यह सरकार की जिम्मेदारी है कि वह एक नंबर जारी करे जिस पर लोग कॉल करके अपने प्रियजनों के बारे में जानकारी ले सकें। उन्होंने कहा कि कुछ लोग अभी भी वहां सड़कों पर फंसे हुए हैं। कुम्भ में आने वाले लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना भी भारत सरकार की जिम्मेदारी है।

अखिलेश ने आगे कहा कि अगर महाकुंभ पर कितना पैसा खर्च हुआ है और सरकार कितना खर्च करेगी, इसकी जानकारी भी भाषण में शामिल थी।

यूपी सरकार कह रही है कि महाकुंभ से 2 लाख करोड़ रुपये का राजस्व आएगा। उन्होंने सवाल किया कि क्या व्यापार करने के लिए महाकुंभ का आयोजन किया गया है?

शेष पेज 2 पर

खटपट — अनिल विज और सीएम सैनी के बीच क्या है खटपट की वजह...?

100 दिन से चल रही तकरार की कहानी

चंडीगढ़ । अनिल विज और सीएम नायब सैनी के बीच पहले भी इस तरह की तकरारबाजी देखी जा चुकी है। इससे पहले मनोहर लाल हरियाणा के मुख्यमंत्री थे तब भी दोनों के बीच दखलअंदाजी रहती थी।

हरियाणा सरकार के परिवहन मंत्री अनिल विज ने एक बार फिर से अपनी ही सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। अनिल विज ने निशाने पर एक बार फिर से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी हैं। सीएम नायब सैनी और अनिल विज में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। परिवहन मंत्री अनिल विज ने सरकार में उनकी सुनवाई न होने और उनके आदेशों की अनुपालना न होने पर मुख्यमंत्री नायब सैनी को लेकर लगातार दूसरे दिन बयान दिया है। इससे एक दिन पहले विज ने कहा था कि वह किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की तरह आमरण अनशन कर सकते हैं। विज ने कहा था कि वह अब जनता दरबार के बाद ग्रेवियांस कमेटी की मीटिंग में नहीं जाएंगे। वहीं आज उन्होंने सीएम सैनी को कहा कि जब से वे मुख्यमंत्री बने हैं उस दिन से उड़न खटोले पर सवार हैं, नीचे उतरे तो जनता के दुख दर्द को देखें।

यह सब अनिल विज इसलिए कह रहे हैं क्योंकि वह कुछ अधिकारियों को बदलने की मांग कर रहे थे, लेकिन सरकार उनकी मांगों पर गौर नहीं कर रही थी। हालांकि अब सरकार की तरफ से अंबाला के उपायुक्त को बदल दिया गया है।

बता दें कि अनिल विज और सीएम नायब सैनी के बीच पहले भी इस तरह की तकरारबाजी देखी जा चुकी है। इससे पहले मनोहर लाल हरियाणा के मुख्यमंत्री थे तब भी दोनों के बीच दखलअंदाजी रहती थी। 12 मार्च 2024 में जब मनोहर लाल ने कैबिनेट मीटिंग में घोषणा की थी कि वह मुख्यमंत्री का पद छोड़ रहे हैं और कार्यकारी जिम्मेदारी नायब सिंह सैनी को सौंप रहे हैं तब अनिल विज ने नराजगी जाहिर करते हुए बैठक के बीच से उठकर चले गए थे। इसके बाद उन्हें मनाने के लिए खुद नायब सैनी विज के घर पर गए थे।

मंत्रीमंडल में नहीं हुए थे शामिल- नायब सिंह सैनी पहली बार मुख्यमंत्री बने थे तब अनिल विज मंत्रीमंडल में शामिल नहीं किया गया था। तब भी उनकी नाराजगी जग जाहिर थी। शेष पेज 2 पर

विद्याभारती द्वारा आयोजित समुत्कर्ष महाशिविर श्में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो

असमः विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र द्वारा आयोजित समुत्कर्ष महासिविर का तीन दिवसीय भव्य आयोजन 29 जनवरी से 31 जनवरी तक असम के मुख शहर गुवाहाटी के सरुसजाई खेल परिसर में सफलता के साथ संपन्न हुआ। इस महासिविर में पूर्वोत्तर क्षेत्र के 700 से अधिक विद्यालयों के 8000 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया और घोष वादन एवं शारीरिक प्रदर्शन किया। 31 जनवरी को आयोजित समापन सत्र में, पूर्वोत्तर के सात राज्यों से आई 5000 माताओं को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के असम प्रांत के क्षेत्र प्रचारक वशिष्ठ बुजरबरुआ ने संबोधित किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में बताया कि बच्चों को संस्कार माता से ही प्राप्त होते हैं, जो उन्हें ॠनर से नारायणॠ बनने में सहायक बनते हैं। उन्होंने माताओं से आह्वान किया कि आदर्श परिवार निर्माण हेतु जन्म से अंतिम संस्कार तक भारतीय 16 संस्कारों का पालन करें और राष्ट्र के भविष्य व समाज के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। विद्या भारती के अखिल भारतीय सह-संगठन मंत्री

जतीन्द्र शर्मा ने माताओं से लोकमाता अहल्या बाई के आदर्शों का अनुसरण कर राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बालिका शिक्षा के माध्यम से मातृशक्ति को सशक्त बनाना होगा, ताकि वे भविष्य में राष्ट्र को नेतृत्व प्रदान कर सकें। इस अवसर पर असम के मंत्री नंदिता गारलोसा, अरूणाचल प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री दसांगलु फुल, एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। प्रख्यात पूर्व छात्र सम्मेलन सिविर के दौरान आयोजित पूर्व छात्र सम्मेलन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के डॉ. कृष्ण गोपाल शर्मा ने पूर्व छात्रों को संबोधित किया। दोपहर 2 बजे असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। इस दौरान 8000 छात्र-छात्राओं ने 5 अलग-अलग घोष वादन प्रस्तुत किए, जिससे पूरा वातावरण मंत्रमुग्ध हो गया। साथ ही 1000 छात्रों ने बिहू नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। समारोह की अध्यक्षता उद्घाटन समिति के अध्यक्ष सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल राणा प्रताप कलिता ने की। कार्यक्रम के आरंभ में पद्म भूषण से सम्मानित जतीन्द्र गोस्वामी को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल शर्मा ने कहा कि विद्या भारती छात्रों के शैक्षिक उत्थान के माध्यम से भारत की 5000 वर्षों की खोई हुई गौरवशाली परंपरा को पुनः जाग्रत कर, भारत को विश्वगुरु के पद पर स्थापित करने के लिए तत्पर है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि ज्ञान से पवित्र कुछ भी नहीं है। प्राचीन काल में भारत आध्यात्मिकता, विज्ञान और ज्योतिष विद्या का केंद्र था। उन्होंने छात्रों को ज्ञान अर्जन हेतु तपस्या करने की प्रेरणा दी और कहा कि अतीत के गहरे स्रोत से ज्ञान का अमृत लेकर, भविष्य की तकनीक के साथ कदम मिलाकर हमें 2047 तक विकसित भारत का निर्माण करना होगा। उन्होंने कहा कि सेवा, शिक्षा का अनिवार्य अंग है, और छात्रों को जिज्ञासु प्रवृत्ति अपनाकर ज्ञान के अन्वेषण में तत्पर रहना चाहिए। अंत में मुख्यमंत्री ने विद्या भारती परिवार, छात्रों, शिक्षकों, एवं व्यवस्थापकों को इस स्वर्णिम यात्रा का साक्षी बनने के लिए बधाई दी। समारोह का समापन विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के महासचिव डॉ. जगदीन्द्र रायचौधुरी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

उत्तराखंड में आयोजित राष्ट्रीय खेल तैराकी प्रतियोगिता में 800 मीटर फ्री-स्टाइल में रजत पदक जीतकर चमकी शुभ्रांशिनी

असम , 31 जनवरीः उत्तराखंड में आयोजित राष्ट्रीय खेल (ठं३ङ्गल्लं’ ॅँ२) तैराकी प्रतियोगिता में असम की शानदार उपलब्धि। 800 मीटर फ्री-स्टाइल स्पर्धा में शुभ्रांशिनी प्रियदर्शिनी ने 09:28:45 सेकंड में दूरी तय कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया और रजत पदक अपने नाम किया। असम तैराकी संघ के महासचिव भास्कर रंजन दास और प्रचार सचिव मुकुटेश्वर

गोस्वामी ने इसके लिए शुभ्रांशिनी को बधाई देते हुए इस उपलब्धि को असम के खेल जगत के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताया। असम तैराकी टीम के प्रशिक्षक बाबुल गुरुंग और प्रबंधक दीक्षा बोरा ने भी शुभ्रांशिनी को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि उनकी यह सफलता असम के तैराकी क्षेत्र के लिए प्रेरणा बनेगी और आने वाले राष्ट्रीय खेलों में राज्य की टीम और भी बेहतर प्रदर्शन करेगी।

800 मीटर फ्री-स्टाइल में रजत पदक जीतकर चमकी शुभ्रांशिनी प्रियदर्शिनी

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो, असम : उत्तराखंड में आयोजित राष्ट्रीय खेल (ठं३ङ्गल्लं’ ॅँ२) तैराकी प्रतियोगिता में असम की शानदार उपलब्धि। 800 मीटर फ्री-स्टाइल स्पर्धा में शुभ्रांशिनी प्रियदर्शिनी ने 09:28:45 सेकंड में दूरी तय कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया और रजत पदक अपने नाम किया। असम तैराकी संघ के महासचिव भास्कर रंजन दास और प्रचार सचिव मुकुटेश्वर गोस्वामी ने इसके लिए शुभ्रांशिनी को बधाई देते हुए इस उपलब्धि को असम के खेल जगत के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताया। असम तैराकी टीम के प्रशिक्षक बाबुल गुरुंग और प्रबंधक दीक्षा बोरा ने भी शुभ्रांशिनी को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि उनकी यह सफलता असम के तैराकी क्षेत्र के लिए प्रेरणा बनेगी और आने वाले राष्ट्रीय खेलों में राज्य की टीम और भी बेहतर प्रदर्शन करेगी।

पेज एक का शेष...

अमृत और प्रमुख स्नानों पर वीआईपी मूवमेंट होगा प्रतिबंधित, नहीं रहेगा कोई प्रोटोकॉल

उल्लेखनीय है कि महाकुम्भ मेला-2025 के प्रारंभ में ही योगी सरकार ने अमृत स्नान व प्रमुख स्नान पर्वों पर तथा उसके एक दिन पहले व एक दिन बाद की तिथियों पर वीआईपी मूवमेंट रोकने को लेकर एक सर्कुलर जारी किया था।

योगी सरकार की इस पहल के जरिए आम श्रद्धालुओं को स्नान पर्व के अवसर पर यादगार अनुभव उपलब्ध कराया जा सकेगा, जहां वह वीआईपी मूवमेंट के कारण हुई असुविधा, मार्ग परिवर्तन, बाधा और रोक से हटकर चिंतामुक्त होकर स्नान व यात्रा कर सकेंगे। जारी सर्कुलर में इस बात का साफ उल्लेख किया गया है कि अमृत स्नान समेत सभी प्रमुख स्नान पर्वों व उसके आसपास के दिनों में वीआईपी मूवमेंट पर रोक रहेगी। ऐसे में, वसंत पंचमी, माघ पूर्णिमा और महाशिवरात्रि तथा उसके एक दिन पहले व एक दिन बाद तीर्थराज प्रयागराज में मूवमेंट के इच्छुक वीआईपी व वीवीआईपी डेलिगेशन को वीआईपी प्रोटोकॉल नहीं मिल सकेगा।

किसी भी वीआईपी मूवमेंट को एक सप्ताह पहले ही करना होगा सूचित

इतना ही नहीं, योगी सरकार ने सर्कुलर में ये भी स्पष्ट किया है कि वीआईपी व वीवीआपी मूवमेंट को लेकर एक सप्ताह पहले ही सूचना उपलब्ध करानी होगी। इससे, ऐन वक्त पर निर्धारित होने वाले वीवीआईपी व वीआईपी मूवमेंट पर भी नकेल कसने में मदद मिलेगी, जिससे स्नानार्थियों व श्रद्धालुओं को होने वाली असुविधा से बचाने में मदद मिलेगी। इसी के साथ, वसंत पंचमी, माघ पूर्णिमा और महाशिवरात्रि के स्नानों पर श्रद्धालुओं को प्रस्तावित भारी भीड़ के बीच लोगों से धैर्य बनाए रखने की विनती करते हुए इन तिथियों व इसके आसपास लोगों को इन तिथियों पर ऐहतियात बरतने की अपील भी की गई है।

हादसे के बाद सरकार के त्वरित कार्यवाही की संतों ने की सराहना- महाकुम्भ में मौनी अमावस्या के अमृत स्नान के मौके पर हादसे के बाद सरकार के स्तर से की गई त्वरित कार्यवाही पर प्रमुख अखाड़ों व संतों ने संतोष जताया है। सरकारी मशीनरी द्वारा शुरू किए गए राहत व बचाव कार्य के साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा खुद मानिटरिंग की कमान संभालने के फैसले की संतों ने सराहना की है।

स्वामी चिदानंद सरस्वती ने हादसे के बाद पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा मोर्चा संभालने और सीएम योगी के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि सरकार ने व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को व्यवस्थित करने को लेकर जिस तरह से प्रयास शुरू किए हैं वह सराहनीय है। स्वामी चिदानंद सरस्वती ने कहा कि योगी ने महाकुम्भ के सफल आयोजन के लिए पूरी मेहनत से प्रभावी प्रणाली लागू की है और अब भी, किसी भी समस्या को दूर करने के लिए मुख्य सचिव और वरिष्ठ अधिकारियों को तुरंत भेजा है।

उन्होंने यह भी जोर दिया कि प्रशासनिक व्यवस्था हो या श्रद्धालुओं की सुविधा, हर पहलू को सावधानीपूर्वक और गंभीरता से संभाला जा रहा है। वहीं, अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष, रविंद्र पुरी ने कहा कि महाकुम्भ को एक भव्य और सुव्यवस्थित आयोजन के रूप में मुख्यमंत्री द्वारा किए जा रहे कार्य प्रशंसनीय हैं। उन्होंने कहा कि महाकुम्भ को एक भव्य और सुव्यवस्थित आयोजन के रूप में देखा जा रहा था। उन्होंने सरकार, विशेष रूप से मुख्यमंत्री के प्रयासों को रेखांकित किया, जो हर सप्ताह दो बार कुम्भ क्षेत्र का दौरा कर रहे थे और यह आश्वासन दिया था कि यदि किसी भी व्यवस्था में कोई समस्या हो, तो उसे सीधे उनके संज्ञान में लाया जा सकता है। पुरी ने मेला प्रशासन, अधिकारियों और आयोजकों की कड़ी मेहनत की सराहना की, जिन्होंने आयोजन को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए पूरी निष्ठा से प्रयास किए।

महाकुंभ की व्यवस्था में सरकार ने पांच और अनुभवी अधिकारियों को लगाया

प्रयागराज महाकुंभ में दर्दनाक हादसे के बाद सरकार ने एक आईएएस व चार पीसीएस अधिकारियों को और महाकुंभ में लगा दिया है। यह वे अधिकारी हैं, जो पहले प्रयागराज में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। वर्ष 2019 में कुंभ के दौरान प्रयागराज में बतौर मंडलायुक्त सेवाएं देने वाले वरिष्ठ आईएएस अधिकारी आशीष गोयल और भानु चंद्र गोस्वामी पहले ही महाकुंभ में तैनात किए जा चुके हैं। यह अधिकारी 15 फरवरी तक प्रयागराज में उपस्थित रहकर व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने में सहयोग देंगे।

जिन अधिकारियों की बृहस्पतिवार को ड्यूटी महाकुंभ में लगाई गई है, उनमें वर्ष 2016 बैच के आइएएस अधिकारी अतुल सिंह हैं। वह इस समय खाद्य एवं रसद विभाग में विशेष सचिव के पद पर तैनात हैं। इनके अलावा पीसीएस अधिकारियों में युवा कल्याण विभाग में संयुक्त निदेशक अशोक कुमार, कानपुर में अपर जिलाधिकारी (नागरिक आपूर्ति) आशुतोष कुमार दुबे, हरदोई में अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) प्रफुल्ल कुमार त्रिपाठी व बस्ती के अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) प्रतिपाल चौहान शामिल हैं।

'देश ने देखा कांग्रेस के शाही परिवार का अहंकार, यह आदिवासी भाई-बहनों का अपमान'

उन्होंने देशवासियों की उपलब्धियों के बारे में बताया, विकसित भारत के विजन के बारे में बताया।

मोदी ने कहा कि हिंदी उनकी मातृभाषा नहीं है, फिर भी उन्होंने बहुत ही बेहतरीन भाषण दिया, लेकिन कांग्रेस का शाही परिवार उनके अपमान पर उतर आया है। शाही परिवार के एक सदस्य ने कहा कि आदिवासी बेटी ने बोरिंग भाषण दिया। दूसरी सदस्य तो इससे भी एक कदम आगे बढ़ गई। उन्होंने राष्ट्रपति जी को स्र्ङ्कङ्ग१ इॅल्लॅ कहा, गरीब कहा, चीज कहा, थकी हुई कहा। ये देश के आदिवासी भाई-बहनों का अपमान है।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण के बाद सोनिया गांधी द्वारा की गई एक टिप्पणी को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के हमले पर पलटवार करते हुए शुक्रवार को कहा कि उनकी मां राष्ट्रपति का बहुत सम्मान करती हैं तथा उनकी बातों को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया है। उन्होंने कहा कि मेरी मां 78 साल की एक बुजुर्ग महिला हैं। उन्होंने सिर्फ यह कहा कि राष्ट्रपति इतना लंबा भाषण पढ़कर थक गई होंगी। वह महिलाओं का बहुत सम्मान करती हैं। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि मीडिया ने इसे तोड़-मरोड़कर पेश किया।

सोनिया गांधी के बचाव में उतरीं प्रियंका, कहा- राष्ट्रपति का सम्मान करती हैं मेरी मां, बीजेपी पर लगाया बड़ा आरोप

उनका अनादर से कोई मतलब नहीं है। भाजपा को पहले खाई में धकेलने के लिए माफी मांगनी चाहिए। भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने सोनिया गांधी की टिप्पणी की निंदा की और मांग की कि वह राष्ट्रपति और भारत के आदिवासी समुदायों से बिना शर्त माफी मांगें।

लोकसभा में कांग्रेस के उप नेता गौरव गोगोई ने ह्यएक्सह्ण पर पोस्ट किया, ह्यह्यमाननीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी के स्वास्थ्य के प्रति सोनिया गांधी जी की सहानुभूति भाजपा के लोगों को पच नहीं रही है। भारत के प्रत्येक व्यक्ति के मन में राष्ट्रपति के प्रति सम्मान और सहानुभूति है।ह्णह्ण उन्होंने कहा, ह्यह्यक्या भाजपा राष्ट्रपति मुर्मू के प्रति उस अनादर का जवाब देगी, जब उन्हें संसद भवन या अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन में आमंत्रित नहीं किया गया? मैं उन्हें इस प्रश्न का उत्तर देने की चुनौती देता हूं।

100 दिन से चल रही तकरार की कहानी

इसके बाद भी हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान भी अनिल विज ने नायब सैनी को मुख्यमंत्री बनाने की घोषणा का कटाक्ष किया था। इतना ही नहीं अनिल विज ने खुद मुख्यंत्री पद की दावेदारी ठोक दी थी। विज ने कहा था कि वह सात बार के विधायक हैं। अगर उन्हें मुख्मंत्री की जिम्मेदारी दी जाती है तो वह बखूबी निभाएंगे।

मनोहर सरकार में भी खटपट-इससे पहले, अनिल विज और मनोहर लाल खट्टर के बीच भी खटपट की खबरें 2019 से 2024 तक आती रहीं। विज से उस समय सीएम मनोहर लाल खट्टर ने कुछ विभाग वापस ले लिए थे। 2020 में खट्टर ने विज से गृहमंत्री होते हुए भी सीआईडी का चार्ज वापस ले लिया था।

गुटबाजी के चलते अमित शाह को बनाया गया था पर्यवेक्षक-हरियाणा विधानसभा चुनाव 2024 में भाजपा ने प्रंचड जीत हासिल की थी। इसके बाद भाजपा के विधायक दल की बैठक में विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए भाजपा के संसदीय बोर्ड ने पर्यवेक्षक के तौर पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को जिम्मेदारी सौंपी थी। उनके साथ मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव भी पर्यवेक्षक होंगे। ऐसा इसलिए किया गया था क्योंकि विधायक दल का नेता चुने जाने के समय अनिल विज सीएम पद को लेकर अपना दावा ठोक सकते हैं। इसके अलावा, बाहर से केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह भी मुख्यमंत्री पद को लेकर दावा जताते रहे हैं। पार्टी हाईकमान ने इन दोनों के तेवरों को देखते ही अमित शाह को यह जिम्मेदारी सौंपी है, ताकि पार्टी में कोई गुटबाजी न दिखे और सारी प्रक्रिया आराम से पूरी हो सके।

बदला गया अंबाला का डीसी-हालांकि अब सरकार ने उनकी एक मांग को पूरा कर लिया है, जिसमें अंबाला के डीसी को बदल दिया गया है। वहीं अब विज अन्य पुलिस अधिकारियों को भी बदलने के चाह रखते हैं।

राष्ट्रपति ने संसद को किया संबोधित

– सहकारी क्षेत्र के आर्थिक सशक्तीकरण के लिए उठाए गए विभिन्न कदमों से रोजगार के कई अवसर पैदा हो रहे हैं।

– मेरी सरकार ने दलितों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्ग (ओबीसी) को हमारी पहलों और योजनाओं का सबसे बड़ा लाभार्थी सुनिश्चित किया है।

वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ लड़ाई अंतिम चरण में पहुंच गई है, प्रभावित जिलों की संख्या तेजी से घटकर 38 हो गई है।

– आजादी के दशकों बाद भी हमारे जिस जनजातीय एवं आदिवासी समाज की उपेक्षा होती रही, मेरी सरकार ने उसके कल्याण को पहली प्राथमिकता दी है।

इसे भी पढ़ेंः 'अंत तक थक गई थीं', राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बोलीं सोनिया गांधी, राहुल ने बताया बोरिंग

आर्थिक समीक्षा 2024-25 की मुख्य बातें

– भारतीय अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2025-26 में 6.3-6.8 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी, जबकि वित्त वर्ष 2024-25 में इसके 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान।

– भारत की आर्थिक बुनियाद मजबूत है, इसे संतुलित राजकोषीय सशक्तीकरण और स्थिर उपभोग का समर्थन प्राप्त है।

– वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए रणनीतिक, विवेकपूर्ण नीति प्रबंधन और घरेलू बुनियादी सिद्धांतों को सुदृढ़ करने की आवश्यकता होगी।

– वैश्विक राजनीतिक, आर्थिक अनिश्चितताओं के कारण मुद्रास्फीति का जोखिम बना हुआ है।

– उच्च सार्वजनिक पूंजीगत व्यय और बेहतर होती कारोबारी अपेक्षाओं से निवेश गतिविधि में तेजी आने की उम्मीद। – भारत को जमीनी स्तर पर संरचनात्मक सुधारों के माध्यम से अपनी वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार करने की जरूरत है।

– विदेशी मुद्रा भंडार 640.3 अरब डॉलर पर, जो 10.9 महीने के आयात और 90 प्रतिशत बाह्य ऋण को कवर करने के लिए पर्याप्त है।

– भारत को निर्यात बढ़ाने और निवेश आकर्षित करने के लिए अपने प्रयासों को दोगुना करना चाहिए। ऐसा करने का एक तरीका यह है कि हम अपना पैमाना अपने अतीत के बजाय बाकी दुनिया के हिसाब से बनाएं।

– भारत को उच्च वृद्धि के लिए अगले दो दशक में बुनियादी ढांचे में निवेश को निरंतर बढ़ाने की जरूरत है।

– जलवायु-प्रतिरोधी फसल किस्मों को विकसित करने, उपज बढ़ाने और फसल क्षति को कम करने के लिए दलहन, तिलहन, टमाटर, प्याज उत्पादन बढ़ाने के लिए शोध की जरूरत है।

– भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लिए लगभग एक या दो दशक तक औसतन आठ प्रतिशत की दर से वृद्धि करनी होगी।

जयशंकर ने ट्रंप को क्यों बताया आउट ऑफ सिलेबस? भारत के दोस्त हैं या दुश्मन आसान भाषा में समझा दिया

उन्होंने कहा कि जब वह ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए देश की यात्रा कर रहे थे तो अमेरिका ने उनके साथ अच्छा व्यवहार किया। जयशंकर ने कहा कि अमेरिका के साथ भारत के रिश्ते मजबूत हैं और पीएम मोदी के ट्रंप के साथ अच्छे व्यक्तिगत संबंध हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि ट्रम्प की नीतियां वैश्विक मामलों में महत्वपूर्ण बदलाव ला सकती हैं, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि भारत की विदेश नीति राष्ट्रीय हित द्वारा निर्देशित होती रहेगी।

जयशंकर ने भारत के बढ़ते वैश्विक प्रभाव और देश के बारे में बदलती धारणाओं के बारे में बात की। उन्होंने कहा, ह्यह्ययहां तक कि अब गैर-भारतीय भी खुद को भारतीय कहते हैं, उन्हें लगता है कि इससे उन्हें विमान में सीट मिलने में मदद मिलेगी। जयशंकर ने शिक्षा क्षेत्र और कूटनीति से राजनीति में आने का उल्लेख करते हुए कहा कि मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं नौकरशाह बनूंगा। राजनीति में मैं अचानक आ गया, या तो इसे भाग्य कहें, या इसे मोदी कहें। उन्होंने (प्रधानमंत्री मोदी) मुझे इस तरह से आगे बढ़ाया कि कोई भी मना नहीं कर सका। उन्होंने रेखांकित किया कि विदेश में रहने वाले भारतीय अभी भी समर्थन के लिए अपनी मातृभूमि पर निर्भर हैं और कहा कि जो भी देश के बाहर जाते हैं, वे हमारे पास ही आते हैं। बाहर हम ही रखवाले हैं।

एक राजनयिक के रूप में अपने करियर के बारे में विदेश मंत्री ने शिक्षा और कूटनीति से राजनीति में अपने परिवर्तन के बारे में अंतर्दृष्टि साझा की। उन्होंने कहा कि मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं नौकरशाह बनूंगा। राजनीति में मेरा प्रवेश दुर्घटनावश हुआ, या इसे भाग्य कहें, या इसे मोदी कहें। उन्होंने (पीएम मोदी) मुझे इस तरह से आगे बढ़ाया कि कोई भी ना नहीं कह सका। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि विदेशों में रहने वाले भारतीय अभी भी समर्थन के लिए अपनी मातृभूमि पर भरोसा करते हैं और कहा, "जो लोग देश छोड़ते हैं वे केवल हमारे पास आते

क्या व्यापार करने के लिए किया गया महाकुंभ का आयोजन?

महाकुंभ में मौनी अमावस्या स्नान के बाद अपने घरों को लौट रहे श्रद्धालुओं को विभिन्न जगहों पर बैरिकेड लगाए जाने और जाम की वजह से भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने महाकुंभ में भगदड़ के कारण कम से कम 30 श्रद्धालुओं की मौत पर शुक्रवार को दुख जताया और घटना में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने बजट सत्र के पहले दिन संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि महाकुंभ भारत की सांस्कृतिक परंपरा और सामाजिक चेतना का पर्व है। मुर्मू ने कहा, ह्यह्यइस समय महाकुंभ का ऐतिहासिक पर्व चल रहा है। यह भारत की सांस्कृतिक परंपरा और सामाजिक चेतना का पर्व है। करोड़ों लोग स्नान कर चुके है।

उन्होंने कहा, ह्यह्यमौनी अमवस्या के दिन हुए हादसे पर दुख व्यक्त करती हूं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।ह्णह्ण प्रयागराज महाकुंभ में बुधवार को मौनी अमावस्या के स्नान के लिए लाखों लोगों के उमड़ने के बीच मची भगदड़ की घटना में 30 लोगों की मौत हो गई थी तथा 60 अन्य घायल हो गए थे। राष्ट्रपति मुर्मू ने अभिभाषण में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन का भी उल्लेख किया और उन्हें श्रद्धांजलि दी। मनमोहन सिंह का बीते साल 26 दिसंबर को निधन हो गया था।

डिवाइन ग्लोबल एकेडमी में दो दिवसीय खेल महोत्सव का हुआ शुभारम्भ

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

बड़ौत/बागपत-नगर के डिवाइन ग्लोबल एकेडमी में शुक्रवार को दो दिवसीय खेल महोत्सव का शुभारम्भ हुआ। प्रधानाचार्य के के त्यागी और अरविन्द कुमार द्वारा रिबन काटकर खेल महोत्सव की शुरूआत की गयी। इस अवसर पर प्रधानाचार्य के के त्यागी ने बताया की शिक्षा के साथ साथ बच्चो के लिए खेल कूद भी जरूरी है। जंहा शिक्षा बच्चो का मानसिक विकास करती है वही खेलकूद शारीरिक विकास करते है। उन्होंने सभी बच्चो से पूरे उत्साह के साथ सभी स्पर्धाओ में भाग लेने का आह्वान किया।प्रथम दिन नर्सरी से कक्षा पांच तक खेलो का आयोजन किया गया। जिसमे नर्सरी में लेमन रेस में प्रथम शिवानी व द्वितीय देवव्रत, एल के जी में प्रथम रजी व द्वितीय प्राची, युकेजी में अवि प्रथम व जैद द्वितीय, कक्षा एक में शौर्य प्रथम व अभिषेक द्वितीय, कक्षा दो में शिवांग प्रथम व विराट द्वितीय, कक्षा तीन में विपुल प्रथम, आराध्या द्वितीय, कक्षा चार में प्रकृति प्रथम व तेजस द्वितीय, कक्षा पांच में अंश ने प्रथम और उत्कर्ष ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वही बालिका वर्ग में कक्षा पांच में अर्चना प्रथम और अवनि द्वितीय रही। 100 मीटर दौड़ में नर्सरी में कार्तिक प्रथम, रुद्रांस द्वितीय, एल के जी में रजी प्रथम और कुंज द्वितीय, यू के जी में अदिति प्रथम और आदि द्वितीय, कक्षा एक में आर्य प्रथम और आरव द्वितीय, कक्षा दो में आदित्य प्रथम और विराट द्वितीय, कक्षा तीन में शिवा प्रथम और विपुल द्वितीय, कक्षा चार में तेजस प्रथम और अनंतय द्वितीय, कक्षा पांच में देव प्रथम और सक्षम द्वितीय स्थान पर रहा। वही बालिका वर्ग में कक्षा तीन से आराध्या प्रथम व अनु द्वितीय, कक्षा चार में वंशिका प्रथम और प्रकृति द्वितीय तथा कक्षा पांच में अर्चना ने प्रथम तथा काव्या ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। मेंढक दौड़ में नर्सरी में कार्तिक प्रथम और इनाया द्वितीय, एल के जी में रजी प्रथम और रक्षित द्वितीय, यू के जी में अदिति प्रथम और अनन्या द्वितीय, कक्षा एक में शौर्य प्रथम और वरदान द्वितीय, कक्षा दो में विराट प्रथम, कक्षा तीन में विपुल प्रथम और शिवा द्वितीय रहा। वही बालिका वर्ग में कक्षा एक में अनाया प्रथम और माही द्वितीय, कक्षा तीन में वैष्णवी प्रथम, कक्षा पांच में अवनि प्रथम और अक्षिका ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। रस्साखींच में कक्षा एक में राधिका, कक्षा दो में विराट, कक्षा तीन में शिवा, कक्षा चार में शिवा तोमर, कक्षा पांच में देव की टीम ने जीत हासिल की। बालिका वर्ग में कक्षा पांच से काव्या तोमर की टीम ने जीत हासिल की। खो-खो के मुकाबले में कक्षा चार कनक की टीम ने कक्षा पांच की टीम को मात दी।कबड्डी में कक्षा पांच में देव की टीम ने लक्ष्य की टीम को 18 पॉइंट से कराया। कक्षा चार में अनंतया की टीम ने आदित्य की टीम को 10 पॉइंट से हराकर जीत हासिल की।कक्षा तीन में तेजस तोमर की टीम ने विपुल की टीम को 9 पॉइंट से हराकर जीत दर्ज की।वही चेयर गेम में नर्सरी से कार्तिक, एल के जी से रक्षित और यू के जी से अनन्या ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर नीलम तोमर, राखी शर्मा, ऊमा तोमर, बीना पालीवाल, प्रीति शर्मा, सुनीता गर्ग, रिया त्यागी आदि का सहयोग रहा।

केटी स्टेडियम में बागपत कबड्डी लीग सीजन 1 का हुआ भव्य शुभारम्भ

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

बागपत। मुबारिकपुर में स्थित केटी स्टेडियम में त्रिदिवसीय बागपत कबड्डी लीग सीजन 1 का भव्य शुभारम्भ हुआ।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय महासचिव त्रिलोक त्यागी ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम का शुभारम्भ त्रिलोक त्यागी द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया। केटी विंग के संस्थापक कपिल त्यागी ने बताया कि केटी विंग और उत्तर प्रदेश कबड्डी एसोसिएशन के सौजन्य से आयोजित बागपत कबड्डी लीग सीजन 1 में जनपद बागपत के विभिन्न गांवों की लगभग 60 टीमें प्रतिभाग कर रही है। बताया कि विजेता टीम को एक लाख ग्यारह हजार एक सौ ग्यारह रुपए की धनराशि व उपविजेता टीम को पच्चपन हजार पांच सौ पच्चपन रुपए की धनराशि पुरस्कार स्वरूप प्रदान की जायेगी। इसके अलावा अन्य पुरस्कार भी प्रदान किये जायेगें। बताया की टोटल इनाम राशि 4 लाख रुपए है। बागपत कबड्डी लीग सीजन 1 में भाग लेने वाले खिलाड़ियों की एंट्री निशुल्क है और टीमों को भोजन भी केटी विंग की और से निशुल्क प्रदान किया जा रहा है। बागपत कबड्डी लीग को सफल बनाने में केटी विंग के संस्थापक कपिल त्यागी, संयोजक आशीष कंडवाल, हम्बीर सिंह, ऑपरेशन मेनेजर हेमंत, सोशल मीडिया प्रभारी राशिका गुप्ता सहित केटी विंग की समस्त टीम महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रही है। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य व प्रमुख समाजसेवी मनुपाल बंसल, रामपाल धामा, डाक्टर विरेन्द्र बैंसला, पूर्व प्रधानाचार्य ओमवीर तोमर सहित क्षेत्र की अनेक जानी-मानी हस्तियां उपस्थित रही।

शेरपुर लुहारा के मंदिर में महिलाओं ने की भगवान श्री राम की पूजा अर्चना

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

बागपत। गांव शेरपुर लुहारा में आस्था और श्रद्धा के प्रतीक मंदिर में हमारे देश की नारी शक्ति एनआरएलएम विभाग की समूह की महिलाओं ने एकता शक्ति से मिलकर गांव के मंदिर में भगवान श्रीराम की पूजा अर्चना की। इस दौरान पंडितों की टीम द्वारा रामायण का पाठ कराया गया।

पाठ के समापन पर हवन और प्रसाद का वितरण किया गया, जिसमें गांव के विकास प्रधान और बिजेन्द्र दरोगा ने सहयोग किया। इस प्रोग्राम में समूह की महिलाओ ने अपने सीएलएफ की प्रबंधक कुसुम चौहान को मुख्य अतिथि के रूप में बुलाया और उनका स्वागत व सम्मान किया। इस भारत भूमि में महिलाओं की भूमिका इतिहास से ही महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक रही है, जिसे शेरपुर लुहारा की महिलाओं ने ताजा कर दिखाया है। मुख्य भूमिका निभाने में सीएलएफ की उपाध्यक्ष पूनम दीदी विद्युत सखी गीता दीदी समूह सखी आरती शर्मा समूह सखी बालेश आरती दीदी मंजू देवी अंशु दीदी आदि समूह की महिलाओं ने आपसी सहयोग की मिसाल देते हुए बहुत ही सराहनीय ढंग से पूजा सम्पन्न कराई।

गर्मी में बिजली उपभोक्ताओं को झेलना पड़ सकता है बिजली संकट

एनपीटी ब्यूरो

बरेली। नगर निकाय, बिजनेस प्लान और अन्य योजनाओं के तहत कराए जा रहे काम अब तक पूरे नहीं हुए हैं। ऐसे में लोगों को गर्मी में बिजली संकट झेलना पड़ सकता है। ठेकेदार स्टोर में सामान पूरा नहीं होने पर काम अधूरा होने की बात कह रहे हैं।

सर्दी में शटडाउन लेकर अधूरे काम कराए जा रहे हैं लेकिन काम अधूरे हैं। बिजली विभाग के ठेकेदारों का कहना है कि स्टोर में पोल नहीं होने से बिजनेस प्लान के काम रुके हैं। कई बार अधिकारियों को पत्र लिखकर दिए हैं, लेकिन पोल समय से नहीं मिल पा रहे हैं। सामान की कमी से जो काम बाकी रह गए हैं, वह मार्च से पहले पूरे नहीं होने पर गर्मियों में बिजली का संकट होगा।

शहरी क्षेत्र के अधीक्षण अभियंता ब्रह्मपाल ने बताया कि नगर निकाय के तहत ट्रांसफार्मर की क्षमता बढ़ाने और नए ट्रांसफार्मर लगाने के काम लगभग पूरे हो चुके हैं। बिजनेस प्लान के बचे हुए कामों को भी फरवरी में पूरा करा लिया जाएगा। इस बार गर्मी में बेहतर बिजली आपूर्ति दी जाएगी।

सुभाषनगर में ट्रांसमिशन तैयार, लेकिन केबल का काम अधूरा

किला और सुभाषनगर सबस्टेशन पर परसाखेड़ा से बिजली की 33 केवी की लाइन आती है। जिससे फाल्ट होने पर ठीक करने में समय लगता है। सुभाषनगर में 220 केवी का ट्रांसमिशन बनकर तैयार हो गया है। इस ट्रांसमिशन से किला, सुभाषनगर सबस्टेशन पर बिजली आपूर्ति दी जाएगी लेकिन सुभाषनगर और किला सबस्टेशन तक भूमिगत लाइन नहीं डाली जा सकी है।

एएसपी ने विवेचकों को त्वरित निस्तारण हेतु दिए एंड्रॉइड मोबाइल फोन

बहराइच। शुक्रवार दोपहर बहराइच पुलिस लाइन में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण दुर्गा प्रसाद तिवारी द्वारा भारतीय न्याय संहिता एवं अन्य विधिक प्रावधानों के अंतर्गत लंबित प्रकरणों के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण हेतु जनपद के सभी विवेचको, उपनिरीक्षकों को एक-एक एंड्रॉइड मोबाइल प्रदान किए गए। जिसका उद्देश्य विवेचना कार्य को अधिक तकनीकी रूप से सक्षम बनाना एवं डिजिटल संसाधनों का उपयोग करते हुए न्याय प्रक्रिया को गति प्रदान करना है। मोबाइल डिवाइस से विवेचकों को आवश्यक सूचनाओं तक शीघ्र पहुँच मिलेगी, जिससे मामलों के निस्तारण में पारदर्शिता एवं दक्षता बढ़ेगी। साथ ही पुलिसिंग प्रणाली को स्मार्ट और डिजिटल बनाने में सहायता प्राप्त होगी। अपर पुलिस अधीक्षक दुर्गा प्रसाद तिवारी ने बताया कि सभी को त्वरित न्याय दिलाना हमारी प्राथमिकता है।

: बोस्टन पब्लिक स्कूल आगरा में राज्य स्तरीय रोल बॉल प्रतियोगिता का समापन

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

आगरा। शुक्रवार को बोस्टन पब्लिक स्कूल पश्चिम पुरी आगरा में आयोजित तीन दिवसीय 16वीं उत्तर प्रदेश राज्य स्तरीय रोल बॉल प्रतियोगिता का समापन हुआ। प्रतियोगिता के अंतिम दिन हुए सेमीफाइनल मुकाबलों में पुरुष वर्ग में मुरादाबाद ने गौतम बुद्ध नगर को 6 - 1 से हरा दिया। जबकि आगरा ने लखनऊ को 7-1 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मुकाबले में आगरा ने मुरादाबाद को 6 - 1 से हरा कर स्वर्ण पदक जीता। गौतम बुद्ध नगर व लखनऊ को कांस्य पदक मिला। महिला वर्ग में हुए फाइनल मुकाबला में मेरठ ने वाराणसी को 3-2 से कड़े संघर्ष में हराकर स्वर्ण पदक जीता। आगरा व गाजियाबाद को कांस्य पदक मिला।

समारोह के मुख्य अतिथि पायलट राकेश कुमार त्यागी अध्यक्ष उत्तर प्रदेश रोल बाल संघ, पृथ्वीराज सिंह चाहर निदेशक बोस्टन पब्लिक स्कूल, विशिष्ट अतिथि नवी राज सिंह व प्रदेश महासचिव संतोष कुमार श्रीवास्तव ने सभी विजेता टीमों को मेडल व ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। इस प्रतियोगिता में चंद्रवीर सिंह, देव मोदी, पीयूष, इरफान अली, सौरभ गुप्ता आदि ने निर्णायक की भूमिका निभाई। कार्यक्रम के आयोजन सचिव सुमित पाराशर को उत्तर प्रदेश रोल बॉल टीम का कोच चुना गया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में आगरा रोल बॉल संघ के सचिव अजय सैनी, रविंद्र कपिल, मनोज पाठक, दिग्विजय पचौरी, राजेश बघेल, पिंटू सिंह, राजेश शर्मा आदि ने कार्यक्रम में मुख्य भूमिका निभाई। प्रदेश सचिव संतोष श्रीवास्तव ने बताया कि शीघ्र ही उत्तर प्रदेश की टीम की घोषणा की जाएगी जो कि आगामी फरवरी 20 से 25 को तिरुचिरापल्ली तमिलनाडु में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेगी।

नहीं लगा शुक्र बाजार, ग्राहक दिखे परेशान

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

साहिबाबाद। थाना शालीमार गार्डन क्षेत्र में सालों से लगने वाला अस्सी फुटा रोड पर लगने वाला साप्ताहिक बाजार शुक्रवार को नहीं लगा। थाना प्रभारी बृजेश कुमार ने बताया कि अधिकारियों के आदेश पर बाजार नहीं लगने दिया गया। थाना शालीमार गार्डन से भारी पुलिस बल की मुस्तैदी के चलते पटरी लगाने वाले टिक नहीं पाये। बाजार न लगने की वजह से स्थानीय निवासी सब्जी फल रोजमर्रा का सामान नहीं खरीद पाएं।

लोगों का कहना है कि सप्ताह में एक बार हम अपनी जरूरत का सामान ले जाते है लेकिन अब खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। रेहड़ी लगाने वाले दुकानदार काफी मायूस नजर आये। शौकीन नामक दुकानदार ने बताया कि सुबह जल्दी उठकर बाजार जाकर सब्जियां लेकर आया था लेकिन बाजार न लगने कि वजह से नुकसान होगा।

जिले की रैंकिंग प्रभावित होने पर

दण्डित होंगे जिम्मेदार अधिकारीः डीएम

बहराइच। सीएम डेश बोर्ड एवं जनसुनवाई पोर्टल की समीक्षा हेतु गुरूवार की देर शाम कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक के दौरान शिकायत निस्तारण की आख्या गुणवत्तापूर्ण न होने तथा छात्रवृत्ति की धनराशि के प्रेषण में विलम्ब व पेंशन लाभार्थियों की केवाईसी पूर्ण न होने पर जिलाधिकारी मोनिका रानी ने कड़ी नाराजगी जताते हुए जिला समाज कल्याण अधिकारी के विरूद्ध कार्रवाई हेतु मुख्य विकास अधिकारी को निर्देश दिया। इसी प्रकार बैठक से अनुपस्थित होने पर सहायक श्रमायुक्त का अग्रिम आदेशों तक वेतन बाधित करने तथा आख्या गुणवत्तापूर्ण न होने पर एडीओ पंचायत बलहा को विशेष प्रतिकूल प्रविष्टि से दण्डित किये जाने का निर्देश दिया। जबकि जल निगम से प्राप्त होने वाली आख्या संतोषजनक न होने तथा मौके की फोटो प्रेषित न किये जाने पर डीएम ने विभागीय अधिकारियों एवं लिपकीय संवर्ग को वेतन रोके जाने के निर्देश दिये। डीएम ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रकरणों का निस्तारण नवीन शासनादेश के अनुसार करें। स्पेशल क्लोज से सम्बन्धित प्रकरणों में पूरी जांच पड़ताल कर शिकायतकर्ता से वार्ता के पश्चात संतोषजनक/संतुष्ट फीड प्राप्त करने के बाद ही स्पेशल क्लोज करें। डीएम ने पंचायत राज, आपूर्ति, विद्युत एवं आईसीडीएस विभागों को निर्देश दिया कि आख्या पर विशेष ध्यान दें जिससे जिले की रैंकिंग प्रभावित न हाने पाये। समाज कल्याण विभाग को निर्देश दिया गया कि पेंशन से सम्बन्धित शिकायतों में अधिकारी कर्मचारी मौके पर जाकर जियो टैग फोटो व गवाह का साक्ष्य जरूर लगायें। बैठक के दौरान डीएम ने बताया कि नवीन व्यवस्था के अनुसार एल-1 स्तर के अधिकारी द्वारा शिकायतकर्ता से टेलीफोन पर बात करने पर रैंकिंग तय होगी। डीएम ने एल-1 स्तर के अधिकारियों को निर्देश दिया कि अनिवार्य रूप से शत-प्रतिशत शिकायतकर्ता से दूरभाष पर जरूर वार्ता करें। इसके लिए 10 नम्बर आवंटित किये जायेगें। एल-3 स्तर के अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि कम से कम 10 शिकायतकर्ता से अवश्य वार्ता करें। डीएम ने कहा कि बार-बार असंतुष्ट फीड बैक देने वाले शिकायतकर्ता को कार्यालय में बुलाकर उनकी समस्या का समाधान करने के पश्चात ही फीड बैक लगायें। बैठक के दौरान डीएम मोनिका रानी ने फैमिली आईडी, विद्युत, विकास, पर्यटन, आपरेशन कायाकल्प, मध्यान्ह भोजन, पशुपालन, पिछड़ा वर्ग, मत्स्य पालन, आईसीडीएस, सभी प्रकार की पेंशन, आधार सीडिंग, कन्या सुमंगला, श्रम विभाग, ओडीओपी, सहकारिता, आबकारी, मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना योजना, गन्ना मूल्य भुगतान, पीएम आवास, खनन इत्यादि विभागों की समीक्षा करते हुए आपूर्ति विभाग को निर्देश दिया कि उज्ज्वला योजना में लाभार्थियों के अतिरिक्त अन्य किसी को गैस सिलेण्डर देने सम्बन्धी प्रकरणों का समयबद्धता के साथ निस्तारण करें। समाज कल्याण विभाग को निर्देश दिया गया कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना अन्तर्गत अधिक से अधिक सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन कर पात्र बेटियों की शादी करायें तथा राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना अन्तर्गत प्राप्त होने वाले प्रार्थना-पत्रों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण कराया जाय। डीएम ने निर्देश दिया कि सेतु निगम व रेलवे की समन्वय बैठक कराकर ओवर ब्रिज निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा कराया जाय। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चन्द्र, अपर जिलाधिकारी गौरव रंजन श्रीवास्तव, मुख्य राजस्व अधिकारी देवेन्द्र पाल सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक नगर रामानंद कुशवाहा, नगर मजिस्ट्रेट शालिनी प्रभाकर, सीएमओ डॉ. संजय कुमार सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी, उप जिलाधिकारी व खण्ड विकास अधिकारी मौजूद रहे।

एक भारत श्रेष्ठ भारत तथा विकसित भारत ल्की संकल्पना हेतु विचार गोष्ठी

एनपीटी ब्यूरो

बरेली। महात्मा ज्योतिबा फुले, रूहेलखंड विश्वविद्यालय परिसर की एनएसएस इकाई की तरफ सेश्एक भारत श्रेष्ठ भारत तथा विकसित भारतश्कार्यक्रम को लेकर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया तथा नए स्वयंसेवकों का ओरियंटेशन कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर पवन कुमार सिंह जी द्वारा बच्चों को राष्ट्र सेवा व राष्ट्र निर्माण के भावों को मन में लेकर समाज सेवा करने की प्रेरणा दी। तथा सभी स्वयंसेवकों को शपथ दिलाकर जागरूकता के बारे में विचार रखें। स्वयंसेवक मोहित शर्मा जी द्वारा बच्चों को जागरूक किया तथा अन्य आवश्यक जानकारियां दी गई।

स्वयंसेवक दीपांशु दीप और अभिषेक कुमार द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजनाओं के विषय मे विस्तार से बताया गया। इसमें दीपांशु दीप, श्रुति, स्नेहा, निखिल चौधरी, वासुदेव ,रजनीशआदि उपस्थित रहे।

अंत में कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर पवन कुमार सिंह जी ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

संपादकीय

वक्त के अनुरूप शिक्षित हों छात्र

निर्विवाद रूप से आम लोगों की धारणा सरकारी स्कूलों के प्रति अच्छी नहीं रहती। थोड़ी आर्थिक स्थिति सुधरते ही लोग अपने बच्चों को महंगे निजी स्कूलों में भेजने को आतुर हो जाते हैं। कोरोना संकट ने बताया था कि जब तमाम लोगों की आर्थिक स्थिति खराब हुई और नौकरियां गई, तो सरकारी स्कूलों ने उनके बच्चों को सहारा दिया। आंकड़े बताते हैं कि कोरोना संकट के दौरान व बाद में सरकारी स्कूलों में बच्चों के दाखिलों में खासी तेजी आई थी। लेकिन यह सवाल नीति-नियंताओं के लिये विचारणीय है कि बेहतर संरचनात्मक सुविधाओं व ऊंचे वेतनमान वाले शिक्षकों के बावजूद सरकारी स्कूल जनमानस की आकांक्षाओं की कसौटी पर खरे क्यों नहीं उतरते। समाज के संपन्न तबके व अधिकारियों के बच्चे सरकारी स्कूलों में जाने से गुरेज क्यों करते हैं? बहरहाल, एनुअल स्टेटस ऑफ एजुकेशन रिपोर्ट यानी असर 2024 के जो निष्कर्ष बीते मंगलवार को दिल्ली में जारी किए गए, वे नई उम्मीद जगाते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों को लेकर किए गए अध्ययन वाली असर की रिपोर्ट बताती है कि देश में छह से चौदह वर्ष के बच्चों के पढ़ने की क्षमता और गणितीय कौशल में कोरोना संकट के बाद सुधार देखा गया है। सरकारी स्कूलों में तीसरी कक्षा के बच्चों के पढ़ने की बुनियादी क्षमता में पहले से सुधार हुआ है। जो पिछले दो दशकों में सर्वोत्तम स्तर पर है। अच्छी बात यह है कि सरकारी व निजी दोनों स्तर पर स्कूलों में विद्यार्थियों के बुनियादी गणितीय कौशल में सुधार देखा गया। जो पिछले एक दशक में बेहतर है। अब कक्षा तीन के छात्र घटाव के प्रश्न हल करने में सक्षम हैं। वहीं कक्षा पांच के बच्चे भाग के प्रश्न हल कर सकते हैं। अच्छी बात यह भी कि देशभर के स्कूलों में सीखने के स्तर में भी सुधार आया है। यह स्तर 2010 तक स्थिर था, फिर इसमें गिरावट का ट्रेंड देखा गया था।

दरअसल,कोरोना काल में बच्चों के सीखने की क्षमता में गिरावट देखी गई। महामारी के चलते स्कूल बंद होने के बाद बच्चे पढ़ नहीं पाए। अधिकांश बच्चों के पास स्मार्टफोन नहीं थे। वहीं घर में माता पिता के कम पढ़े-लिखे होने या अनपढ़ होने से बच्चों का सीखने का मूलभूत कौशल प्रभावित हुआ था। बच्चे पहले का सीखा भूल गए और बड़ी संख्या में बच्चों को स्कूल भी छोड़ना पड़ा। असर की रिपोर्ट बताती है कि जहां नामांकन प्रतिशत में वृद्धि हुई है,वहीं डिजिटल साक्षरता की दर में भी वृद्धि देखी गई है। सुखद है कि कोरोना काल के बाद स्कूलों में पढ़ाई को लेकर गंभीरता देखी गई है। जागरूकता अभिभावकों के स्तर पर भी देखी गई है। हालांकि, बीते वर्ष के मुकाबले छह से चौदह वर्ष तक के बच्चों के दाखिलों में कमी देखी गई है। जिसकी वजह है कि कोरोना संकट के चलते रोजगार प्रभावित होने से जो बच्चे सरकारी स्कूलों की तरफ आए थे, वे फिर आय बढ़ने पर निजी स्कूलों की ओर रुख करने लगे हैं। दरअसल, सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर भरोसा कायम करने की जरूरत है। वैसे सरकारी स्कूलों में भी स्मार्टफोन इस्तेमाल करने वाले बच्चों की संख्या बढ़ी है। वहीं दूसरी असर की रिपोर्ट में पंजाब को लेकर कहा गया है कि स्कूली बच्चे पंजाबी पढ़ने को लेकर निराशाजनक प्रदर्शन कर रहे हैं। पंजाब सरकार के स्कूलों में कक्षा तीन के केवल 34 फीसदी छात्र ही दूसरी कक्षा की पाठ्य पुस्तकें पढ़ सकते हैं। हालांकि, पढ़ने की क्षमता और अंकगणित की समस्याओं के हल करने के मामले में सरकारी स्कूलों ने निजी स्कूलों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया । लेकिन चौंकाने वाली बात यह कि सरकारी व निजी स्कूलों के तीसरी कक्षा के 15 फीसदी से अधिक छात्र ही गुरुमुखी लिपि के अक्षर पढ़ सकते हैं, शब्द नहीं। वहीं 4.6 फीसदी छात्र पंजाबी के अक्षर भी नहीं पढ़ सकते। हालांकि, बुनियादी ढांचे के मोर्चे पर पंजाब राष्ट्रीय औसत से बेहतर स्थिति में रहा है। राष्ट्रीय स्तर से बेहतर 97.4 स्कूलों मे मध्याह्न भोजन परोसा गया। वहीं राष्ट्रीय औसत 11.1 के मुकाबले 32.7 फीसदी स्कूलों में छात्र कंप्यूटर का उपयोग करते हैं। लेकिन अभी सुधार की बहुत गुंजाइश है।

अमेरिकी वर्चस्व को डीपसीक की चुनौती

मिसाल के तौर पर अमेरिकी कंपनी ओपन एआई ने चैटजीपीटी को जिस लागत में बनाया था, डीपसीक के निर्माण की लागत उससे दस गुना कम (60 लाख डॉलर यानी करीब 52 करोड़ रुपये) आई है। इस चीनी कंपनी ने साबित कर दिया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता वाले वही काम बेहद सस्ते में और कई मामलों में मुफ्त में हो सकते हैं जिनके लिए अमेरिकी कंपनियां दसियों गुना ज्यादा पैसा ले रही हैं। हालांकि, कुछ का कहना है कि यह दावा करना कि एआई का कोई बेहद शानदार प्रबंध बहुत कम पैसे में हो गया है- एक भू-रणनीतिक योजना का हिस्सा हो सकता है। ऐसा कहने के पीछे अमेरिका के खिलाफ आर्थिक युद्ध छेड़ने की मंशा काम कर रही होगी। दरअसल, कृत्रिम रूप से कम लागत का दावा करने का अर्थ यह साबित करना है कि अमेरिकी कंपनियां छद्म रूप से लागत और कीमतें कई गुना बढ़ाकर बताती हैं।

कहां तो अमेरिका इस कोशिश में था कि चीन एआई के मामले में उसका पिछलग्गू बना रहे, लेकिन लागत और तेजी में डीपसीक उससे आगे निकल गया। डीपसीक आर-1 के आर्थिक फायदे-नुकसान की एक तस्वीर तो दुनिया देख ही चुकी है। जैसे ही अमेरिका में डीपसीक के पहुंचने की खबरें आईं, उसके शेयर बाजारों में तबाही का आलम पैदा हो गया। इसकी वजह एआई के क्षेत्र में अमेरिकी कंपनियों के दबदबे को चुनौती मिलना है।

अमेरिकी सत्ता पर दोबारा काबिज होने के पहले ही दिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक चीनी एप टिकटॉक पर अपने देश में लगी पाबंदी हटाने का ऐलान किया, तो उन्हें अहसास नहीं रहा होगा कि एक अन्य चीनी क्रांति उनकी नींद हराम करने के लिए पैदा हो गई है। यह क्रांति कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उस दायरे में हुई है, जिसमें ओपन एआई, गूगल और फेसबुक आदि इंटरनेट कंपनियों के चैटजीपीटी, जेमनाई (बार्ड), को-पायलट और मेटा एआई जैसे अमेरिकी टूल या सॉफ्टवेयर पूरी दुनिया पर कब्जा किए हुए बैठे हैं। बात डीपसीक आर-1 नामक उस चीनी चैटबॉट की है, जिसके आगमन ने एआई बरतने वालों में यह कौतूहल जगा दिया है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता वाले अमेरिकी टूल्स या सॉफ्टवेयर के मुकाबले ग्राहकों को इस चीनी इंतजाम की सुविधाएं मुफ्त हासिल होंगी और ज्यादा तेजी से मिलेंगी। डीपसीक इसकी सबसे ताजा मिसाल है कि तकनीक के क्षेत्र में किसी एक देश, इलाके या कंपनी का एकछत्र साम्राज्य या एकाधिकार कितनी तेजी से ध्वस्त हो सकता है। इससे भरोसा जगा है कि अगर कोई गरीब या विकासशील मुल्क मामूली संसाधनों के बल पर विकसित देशों के बराबर पहुंचना चाहे, तो दृढ़ इच्छाशक्ति और मेहनत के बल पर आज वह ऐसा आसानी से कर सकता है।

याद कीजिए, जब 1980 के दशक के आखिर में अमेरिका ने भारत को क्रे नामक सुपर कम्प्यूटर देने से इनकार कर दिया था। वह

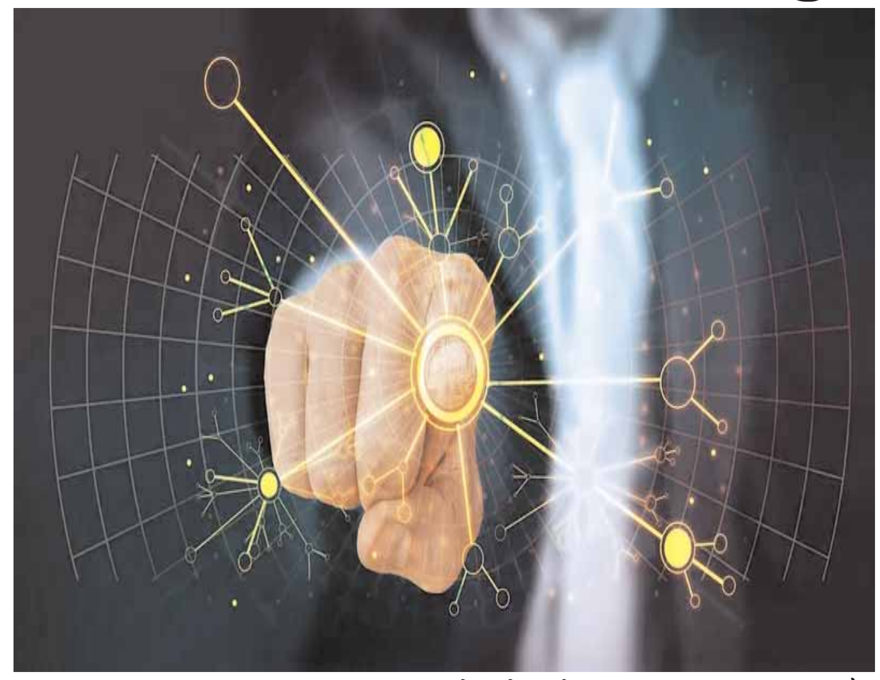

आशंकित था कि भारत इसका इस्तेमाल अपने परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम में कर सकता है। कालांतर में भारत के सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (सी-डैक) ने परम-8000 नामक सुपर कंप्यूटर बना लिया। दिखा दिया कि तकनीकी क्रांति में किसी की बपौती नहीं चल सकती। आज वही हालात आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के मामले में बन गए हैं। चीन एआई में बराबरी में आने के बारे में भी न सोच सके, इसका प्रबंध बाइडेन सरकार ने डच कंपनी द्वारा बनाई जाने वाली लिथोग्राफी मशीनों की चीन को बिक्री पर रोक लगाने के रूप में किया था। ये मशीनें बेहद एडवांस माइक्रोचिप्स बना सकती हैं। इनका इस्तेमाल एआई के टूल्स और सॉफ्टवेयर में होता है। हालांकि, डीपसीक के निमार्ता अमेरिकी कंपनी एनवीडिया से खास किस्म के माइक्रोचिप्स (ए-100 और एच-800) पहले ही खरीद चुके थे, लिहाजा उनका अत्यधिक किफायत से इस्तेमाल कर चैटबॉट डीपसीक बना डाला गया।

कहां तो अमेरिका इस कोशिश में था कि चीन एआई के मामले में उसका पिछलग्गू बना रहे, लेकिन लागत और तेजी में डीपसीक उससे आगे निकल गया। डीपसीक आर-1 के आर्थिक फायदे-नुकसान की एक तस्वीर तो दुनिया देख ही चुकी है। जैसे ही अमेरिका में डीपसीक के पहुंचने की खबरें आईं, उसके शेयर बाजारों में तबाही का आलम पैदा हो गया। इसकी वजह एआई के क्षेत्र में अमेरिकी कंपनियों के दबदबे को चुनौती मिलना है।

डीपसीक आर-1 चूंकि एक मुफ्त (ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर) एआई टूल या कहें कि चैटबॉट है, जिसे बनाने में अमेरिका की महंगी तकनीक और माइक्रो चिप्स की बजाय उनके सस्ते संस्करण इस्तेमाल किए गए हैं, लिहाजा माना गया कि तकनीक के आविष्कार और उसे आजमाने की जो लागत और कीमत अमेरिकी कंपनियां बताती रही हैं, वे बढ़ा-चढ़ाकर बताई गई हैं।

मिसाल के तौर पर अमेरिकी कंपनी ओपन एआई ने चैटजीपीटी को जिस लागत में बनाया था, डीपसीक के निर्माण की लागत उससे दस गुना कम (60 लाख डॉलर यानी करीब 52 करोड़ रुपये) आई है। इस चीनी कंपनी ने साबित कर दिया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता वाले वही काम बेहद सस्ते में और कई मामलों में मुफ्त में हो सकते हैं जिनके लिए अमेरिकी कंपनियां दसियों गुना ज्यादा पैसा ले रही हैं। हालांकि, कुछ का कहना है कि यह दावा करना कि एआई का कोई बेहद शानदार प्रबंध बहुत कम पैसे में हो गया है- एक भू-रणनीतिक योजना का हिस्सा हो सकता है। ऐसा कहने के पीछे अमेरिका के खिलाफ आर्थिक युद्ध छेड़ने की मंशा काम कर रही होगी।

दरअसल, कृत्रिम रूप से कम लागत का दावा करने का अर्थ यह साबित करना है कि अमेरिकी कंपनियां छद्म रूप से लागत और कीमतें कई गुना बढ़ाकर बताती हैं। लेकिन यदि वही काम दस-बीस गुना कम कीमत में हो सकता है, तो प्रतिस्पर्धा में आने वाली कंपनी या तो अपने उत्पाद की कीमत उसकी बराबरी में लाने को मजबूर हो जाएगी या फिर घाटा उठाने अथवा कामकाज बंद करने को मजबूर हो जाएगी। लेकिन क्या मुफ्त होने के साथ-साथ डीपसीक आर-1 चैटजीपीटी या गूगल के जेमनाई की तरह ही सक्षम है और उनकी बराबरी कर सकता है।

अभी दो चीजों को लेकर डीपसीक की घेराबंदी शुरू हो गई है। पहली चीज है पूर्वाग्रह-प्रेरित जवाब देना या जवाब देने से इनकार कर देना। जैसे, जब डीपसीक पर सवाल पूछा गया कि चार जून, 1989 को तियानमेन चौराहे पर द टैंकमैन नामक मशहूर घटना का विवरण क्या है, तो डीपसीक जवाब देने से कन्नी काट गया। सवाल दोहराते रहने पर भी यही जवाब मिला कि वह तो एक एआई अस्सिटेंट है, जिसे कोई नुकसान पहुंचाने वाले जवाबों से परहेज बरतने के लिए डिजाइन किया गया है। दूसरा एतराज डीपसीक को लेकर यह है कि यदि आप इस पर पंजीकरण (साइन-अप) करते हैं, तो यह आपकी सारी निजी जानकारियां चीन तक पहुंचा देगा। भारत में चीन के सोशल मीडिया एप- टिकटॉक पर प्रतिबंध लगाने और अमेरिका में चीनी कंपनी हुवावे का कारोबार रोकने के पीछे यही तर्क दिया जाता रहा है कि ये चीनी उपकरण और स्मार्ट मशीनें जासूसी करती हैं।

दावा यह भी कि डीपसीक असल में चीन का एक नया जासूस या एजेंट है। ऐसा तर्क देने वालों के मुताबिक डीपसीक की निजता संबंधी नीति (प्राइवेसी पॉलिसी) को मंजूर करने का मतलब है कि आपने यह शर्त मान ली है कि डीपसीक आपकी जानकारी को देश के बाहर सर्वर पर स्टोर कर सकता है। कहने का अभिप्राय यह है कि डीपसीक को जब आप अपने फोन से तमाम निजी जानकारियां संग्रह करने की अनुमति देते हैं, तो यह चैटबॉट आपसे ली गई समस्त जानकारियां पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के सर्वर पर पहुंचाकर जमा कर सकता है। डीपसीक अपने उपयोगकर्ता की जन्मतिथि, टेलीफोन नंबर और यूजर नेम पासवर्ड और टेक्स्ट और ऑडियो इनपुट और चैट हिस्ट्री को स्टोर करता है। भारत में भी चीन की जमीन पर बने स्मार्टफोन की बिक्री रोकने और टिकटॉक एप को प्रतिबंधित करने के पीछे यह तर्क दिया गया था कि इनके जरिए चीनी सरकार भारतीय नागरिकों की निजी जानकारियां बटोर रही है।

बहरहाल, एआई के सस्ते-महंगे होने और इनके उपकरणों आदि से जासूसी कराने अथवा निजी जानकारियां समेटने के जितने भी आरोप-प्रत्यारोप हैं- वे सब एक दिन बेमानी हो जाएंगे।

ऐसा तब होगा, जब एआई की बादशाहत की जंग अमेरिका-चीन से आगे बढ़कर भारत आदि दूसरों मुल्कों में पहुंच जाएगी। आशय यह है कि जब कुछ और देश चीन-अमेरिका जैसी समान महारत वाले कारनामे एआई में करने लगेंगे, तो बराबरी का एक मैदान तैयार हो जाएगा। हम ऐसा मान सकते हैं कि इसमें अगली ईंट भारत लगा सकता है। ठीक उसी तरह, जैसे अंतरिक्ष अनुसंधान की जंग में इसरो ने अमेरिका, चीन, रूस आदि को कड़ी चुनौती दी है। एआई में भी कोई भारतीय कंपनी खम ठोक मैदान में उतर सकती है और पूरा नजारा बदल सकती है।

एआई की दुनिया में तहलका मचाने वाले वेनफेंग, चर्चा में चेहरा

लियांग वेनफेंग ने अपनी मेधा और तकनीकी कौशल से डीपसीक एआई मॉडल बना कर दुनिया की सबसे बड़ी एआई कंपनियों को चुनौती दी। उनका यह काम अमेरिका के लिए एक बड़ा झटका बन गया, क्योंकि उन्होंने महंगी सेवाओं को मुफ्त में उपलब्ध कराकर पूरी एआई इंडस्ट्री को हिला दिया।

सहज विश्वास नहीं होता पर एक गुमनाम-से व्यक्ति ने अपनी मेधा, सीमित संसाधनों व तकनीकी कौशल से दुनिया की सुपर पावर कहे जाने वाले अमेरिका को एक ही दिन में हिलाकर रख दिया। चीनी एप डीपसीक की दस्तक सही मायनों में एआई की दुनिया में एक क्रांति जैसी ही है। दरअसल, डीपसीक आर-1 एक एआई मॉडल है, जो अपनी समस्त एआई सेवाएं मुफ्त उपलब्ध करा रहा है, जिसके लिए अमेरिका की नामी कंपनियां अब तक मोटा पैसा वसूलती रही हैं। निश्चित रूप से डीपसीक को बनाने वाले चीन के लियांग वेनफेंग ने तीसरी दुनिया के तमाम विकासशील देशों को संबल भी दिया है कि तकनीकी कौशल सिर्फ अमेरिका की बपौती मात्र नहीं है। बीते सोमवार को अमेरिका की एआई कंपनियों के शेयर भूचाल जैसी स्थिति में जैसे धराशायी हुए उसने अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति और आईटी दिग्गजों को हिलाकर रख दिया। पूरी दुनिया को बेतुकी धमकियों और अमेरिका फर्स्ट के बयानों से विचलित करने वाले डोनाल्ड ट्रंप चीन के इस ट्रंप-कार्ड से शिकस्त खा गए। उन्होंने इसे अमेरिका एआई उद्योग के लिये खतरे की घंटी बताया।

अमेरिकी बादशाहत वाली दिग्गज एआई कंपनियों चैटजीपीटी, ओपन एआई और गूगल जेमिनी के नये सस्ते विकल्प के रूप में उभरी डीपसीक का दबदबा इतनी जल्दी अमेरिका व उसके शेयर बाजार को हिला गया कि एआई सर्विस उपलब्ध कराने वाली कंपनियां सकते में आ गईं। इसकी वजह यह है कि डीपसीक महंगी सेवाएं मुफ्त में उपलब्ध करा रही है। यही वजह रही कि ये प्ले स्टोर पर एक ही दिन में सबसे ज्यादा डाउनलोड होने वाला एप बन गया। कल तक गुमनामी में साधना में जुटा लियांग वेनफेंग आज एआई की दुनिया का बेताज बादशाह है।

दरअसल, लियांग को यह शिखर की सफलता रातो-रात नहीं मिली। इसके पीछे उसके लंबे समय से किए जा रहे अथक प्रयास भी हैं। दरअसल, लियांग वेनफेंग ने बीस माह पहले एक स्टार्टअप शुरू किया था, जिसका नाम डीपसीक था। डीपसीक के संस्थापक और सीओ लियांग वेनफेंग बीते साल सार्वजनिक रूप से कह चुके थे कि अमेरिकी एआई प्लेटफार्म अंतिम

सत्य नहीं है, इनके विकल्प भविष्य में सामने आ सकते हैं। जिसे उन्होंने अब हकीकत बना दिया है।

चीन के झानजियांग में एक साधारण परिवार में जन्म लेने वाले लियांग वेनफेंग का जीवन आम चीनी नागरिकों जैसा ही था। उनके पिता एक प्राइमरी स्कूल में शिक्षक रहे। बचपन से लियांग वेनफेंग एक मेधावी छात्र रहे हैं। यद्यपि उनकी प्रारंभिक पढ़ाई सामान्य स्कूलों में हुई लेकिन उनमें कुछ विशिष्ट गुण उनके शिक्षकों ने देखे। वे शुरूआत से ही जटिल गुत्थियों को सुलझाने में रुचि दिखाते थे। कालांतर में उन्होंने इंजीनियरिंग की राह पकड़ी तो कृत्रिम बुद्धिमत्ता उनका प्रिय विषय बन गया। बताते हैं कि वर्ष 2019 में भी उन्होंने हाई-फ्लायर एआई प्लेटफॉर्म लॉन्च किया। यह अरबों युआन की संपत्ति का प्रबंधन करने वाला उपक्रम था। लेकिन वे चीन में सुर्खियों में तब आए जब वर्ष 2023 में उन्होंने एआई उपक्रम डीपसीक की स्थापना की। आज वे चीन ही नहीं, पूरी दुनिया के हीरो हैं। आज चालीस वर्षीय लियांग वेनफेंग की कुल संपत्ति 28 हजार करोड़ बतायी जाती है। जाहिर उनके एआई प्लेटफॉर्म की अप्रत्याशित कामयाबी के बाद आने वाले दिनों में उनकी संपत्ति कुलांचें भरने लगे तो कोई अतिशयोक्ति न होगी।

दरअसल, अमेरिकी टेक कंपनियों में खलबली मचाने वाली लियांग वेनफेंग की एआई संचालित चैटबॉट डीपसीक की लागत अमेरिकी कंपनियों से दस गुना कम बतायी जा रही है। कंपनी द्वारा मुफ्त में सेवा उपलब्ध कराने से मिली अपार ख्याति ने ही अमेरिकी वॉल स्ट्रीट में भूचाल ला दिया। जिस चिप बनाने वाली कंपनी एनवीडिया से लियांग वेनफेंग ने चिप खरीदकर इस उपक्रम की शुरूआत की थी, उसकी मार्केट वैल्यू डीपसीक के जलवे के चलते एक ही दिन में छह सौ अरब डॉलर घट गई। यही वजह है कि दुनिया को अपने धमाल से हिलाने वाले डोनाल्ड ट्रंप को भी कहना पड़ा कि अमेरिकी उद्यमियों के लिये यह सतर्क हो जाने वाला वक्त है। हालांकि, सिलकॉन वैली के कुछ दिग्गज इस उपलब्धि को दुनिया के लिये प्रभावी बता रहे हैं। जो अमेरिकी एआई कंपनियों के अरबों डॉलर के खर्च के मुकाबले कुछ लाख डॉलर में तैयार हुई है। जिसके लिये लियांग वेनफेंग ने निवेशकों से धन जुटाकर इस अभियान की शुरूआत की

वैसे सूचना और इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियर लियांग वेनफेंग की इस कामयाबी की राह इतनी आसान भी नहीं थी। शुरूआती दौर में उन्होंने अमेरिकी कंपनी एनवीडिया से ए100 चिप्स खरीदे थे। अमेरिकी अधिकारियों को चीन के मंसूबों का खतरा तो था ही, यही वजह है कि उन्होंने बाद में इन चिप्स के चीन को निर्यात पर रोक लगा दी। जानकार बताते हैं कि अमेरिकी प्रतिबंध के बाद उन्होंने करीब पचास हजार चिप्स जुटाकर डीपसीक एप को तैयार किया। साथ ही अन्य देशों से सस्ती चिप्स जुटाकर इसके साथ इस्तेमाल कर-के दुनिया में धमाल मचा दिया। वहीं कुछ जानकारों का मानना है कि लियांग वेनफेंग की इस अप्रत्याशित कामयाबी में चीन सरकार की महत्वाकांक्षी सामरिक नीतियों की भूमिका भी हो सकती है, जिसके जरिये अमेरिका को झटका देकर विश्व में सामरिक लक्ष्य हासिल किए जा सकें। बहरहाल, लियांग वेनफेंग की कामयाबी भारत जैसे देशों के लिये प्रेरणा व चुनौती भी है कि दृढ़ संकल्पों से अमेरिका जैसी महाशक्ति को भी पीछे छोड़ा जा सकता है।

नगर निगम में महिलाओं का हल्ला बोल सड़क निर्माण को लेकर हंगामा

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

मथुरा। मथुरा नगर निगम में रास्ता निर्माण को लेकर वार्ड नंबर 38 और वार्ड नंबर 28 की महिलाएं ट्रैक्टर ट्राली में भरकर कार्यालय जा पहुंचीं। यहां उन्होंने रास्ते के निर्माण को लेकर अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार से मुलाकात की। नगर निगम पहुंचीं महिलाओं का कहना है कि वार्ड नंबर 28 के पार्षद कहते हैं कि यह क्षेत्र उनके वार्ड में नहीं है और वार्ड नंबर 38 के पार्षद कहते हैं के क्षेत्र उनके वार्ड में नहीं है। इस चक्कर में मार्ग का पूर्ण रूप से निर्माण नहीं हो पा रहा है। परेशान होकर महिलाएं नगर निगम में अधिकारियों के पास अपनी फरियाद लेकर आई हैं। महिलाओं का कहना है कि रास्ता इतना खराब है कि आए दिन कोई ना कोई उसमें गिरकर चुटैल और घायल हो जाता है। कभी किसी का हाथ टूटता है तो कभी किसी का पैर टूटता है। बच्चों को स्कूल आने-जाने में परेशानी हो रही है। अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार ने मार्ग निर्माण को तीन माह में करने का आश्वासन दिया।

दाऊजी में बसंत पंचमी को गड़ेगा होली का डांढ़ा

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

मथुरा। बलदेव में बसंत पंचमी 2 फरवरी से ब्रज में 45 दिवसीय होली महोत्सव का शुभारंभ हो जाएगा। श्रीदाऊजी महाराज की नगरी में बसंत पंचमी पर होली का डांढ़ा गाड़ा जाएगा। इसी के साथ रोजाना मंदिर में सुबह-शाम समाज गायन शुरू हो जाएगा। ठाकुर श्री दाऊजी महाराज को प्रतिदिन गुलाल लगाने के बाद आकर्षक श्रृंगार धारण कराया जाएगा। ठाकुरजी को गुलाल लगाने के बाद श्रद्धालुओं पर उसकी वर्षा की जाएगी। गुलाल की वर्षा भक्तों को आनंदित करने वाली होगी। मंदिर के पुजारी रामनिवास शर्मा और बंटी ने बताया 15 मार्च को दाऊजी का हुरंगा होगा। इसे देखने के लिए जन समुदाय उमड़ेगा।

बाथरूम में नहाते हुए 15 वर्षीय छात्रा हुई बेहोश, अस्पताल में तोड़ा दम

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

मथुरा के थाना जैंत क्षेत्र में नहाने के दौरान संदिग्ध हालत में छात्रा बेहोश हो गई। परिजन उसे लेकर अस्पताल पहुंचे। यहां उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजन को सौंप दिया है। थाना प्रभारी जैंत अश्वनी कुमार ने बताया कि आंबेडकर नगर के थाना वैभाना स्थित रामपुर सकरवारी निवासी डॉ. ब्रजेश कुमार वर्मा संस्कृति विवि में पुस्तकालय विभाग में अध्यक्ष हैं। बुधवार की सुबह उनकी पुत्री उन्नति उर्फ रितू (15 वर्ष) बाथरूम में नहा रही थी। अचानक उसकी तबीयत बिगड़ी और वह बेहोश होकर गिर गई। परिजन उसे केडी अस्पताल लेकर गए। यहां चिकित्सकों ने उसे भर्ती कर लिया और उपचार शुरू कर दिया। कुछ देर के उपचार के बाद छात्रा ने दम तोड़ दिया। पोस्टमार्टम हाउस पर छात्रा के पिता डॉ. ब्रजेश कुमार ने बताया कि उनकी बेटी डीपीएस में कक्षा नौ की छात्रा थी। प्रथम दृष्टया चिकित्सक हृदयगति रुकने के कारण मौत बता रहे हैं। बेटी की मौत किस कारण से हुई यह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा।

गृहक्लेश में विवाहिता ने विषाक्त पदार्थ खाकर दी जान

मथुरा। अलीगढ़ के थाना इगलास क्षेत्र की रहने वाली विवाहिता ने गृहक्लेश से तंग आकर विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। बृहस्पतिवार की तड़के उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजन को सौंप दिया।

छाता थाना प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार त्यागी ने बताया कि इगलास के गांव चिंता का बांस निवासी लता सारस्वत (40) ने बुधवार शाम गृहक्लेश से तंग आकर विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। परिजन को जानकारी हुई तो वह विवाहिता को लेकर छाता के केडी अस्पताल पहुंचे। यहां उपचार के दौरान विवाहिता ने दम तोड़ दिया। पोस्टमार्टम हाउस पर विवाहिता के पिता हाथरस के थाना सादाबाद के गांव मई निवासी श्याम बाबू ने बताया कि उन्होंने अपनी बेटी लता का 20 साल पहले मनोज सारस्वत के साथ विवाह किया था। जब विवाह किया था उस समय मनोज पढ़ाई करता था। वर्तमान में वह कोई काम धंधा नहीं कर रहा था। इस बात को लेकर घर में क्लेश होता था। विवाह के बाद उनके दो बच्चे भी हुए। बेटी ने किस बात से नाराज होकर विषाक्त पदार्थ खाया इसकी जानकारी उन्हें नहीं है। मौत की जानकारी होने के बाद भी पति पोस्टमार्टम हाउस पर नहीं आया है। इस मामले में पुलिस को अभी कोई तहरीर नहीं मिली है।

दूरदर्शन और आकाशवाणी के सहायक केन्द्र निदेशक प्रवीण कुमार सिंह की सम्मान जनक सेवा निवृत्ति हुई

एनपीटी ब्यूरो

बरेली,दूरदर्शन और आकाशवाणी के सहायक केन्द्र निदेशक प्रवीण कुमार सिंह का अविस्मरणीय सेवाकाल 30 वर्ष 11 माह 05 दिन के कार्यकाल पूर्ण करने के पश्चात सेवा निवृत्त हुई।आकाशवाणी मथुरा में 24 फरवरी 1994 को प्रसारण अधिकारी के रूप में आपने अपना सेवाकाल आरम्भ किया।आकाशवाणी बरेली,रामपुर,नजीबाबाद के सफल कार्यकाल के बाद आप जून 2018 में वापस बरेली आये।प्रवीण जी 15 अप्रैल 2025 को दूरदर्शन और आकाशवाणी में सहायक केन्द्र निदेशक के रूप में पदोन्नति पाकर आप तब से लेकर अब तक स्थानीय केन्द्र में निष्कलंक सेवा प्रदान करते रहे।स्थानीय श्रोताओं के बीच आप अपनी साफगोई के कारण लोकप्रिय रहे।प्रवीण कुमार ने समस्त स्टाफ और श्रोताओं का आभार व्यक्त किया।इस अवसर पर केंद्राध्यक्ष अजय कुमार अवस्थी,डॉ.विनय वर्मा,गौरव सक्सेना,सर्वेश सक्सेना,आर.के.सिंह,सुधीर विलसन,रजनीश गुप्ता,परितोष,देवेन्द्र रावत,संजय मठ,प्रदीप मिश्रा,हरीश मौर्य,मोहम्मद परवेज, रविन्द्र मिश्रा,गीता प्रवीण आदि उपस्थित रहे।

मेरठ उद्यमी फाउंडेशन द्वारा युवाओं को उद्यमिता और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

मेरठ। मेरठ उद्यमी फाउंडेशन द्वारा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान पर एक विशेष सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य युवाओं को उद्यमिता के अवसरों, सरकारी योजनाओं और वित्तीय सहायता से अवगत कराना था। कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने नवोदित उद्यमियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभों के बारे में जानकारी दी और उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में डिप्टी कमिश्नर, इंडस्ट्रीज दीपेंद्र कुमार ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना, वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) और ओडीओपी क्रेडिट स्कीम जैसी सरकारी पहलों पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करना और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है।

नाबार्ड की भूमिका और उद्यमिता के अवसर सेमिनार में नाबार्ड - राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक की जिला विकास प्रबंधक भावना जैन मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने नाबार्ड द्वारा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के विकास में निभाई जा रही महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि नाबार्ड न केवल स्टार्टअप्स और ग्रामीण व्यवसायों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराता है, बल्कि उन्हें प्रशिक्षण और संसाधनों से भी सशक्त बनाता है।

भावना जैन ने विशेष रूप से नवोदित उद्यमियों को इन योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया और बताया कि कैसे वे अपने आसपास की समस्याओं को पहचानकर नवाचार के माध्यम से उन्हें हल कर सकते हैं। उन्होंने छोटे व्यवसायों को समर्थन देने की विभिन्न पहलों के बारे में भी विस्तार से बताया।

कार्यक्रम में मेरठ उद्यमी फाउंडेशन की सीईओ डॉ. माधुरी गुप्ता, एमआईटी के निदेशक प्रो. डॉ. केएलए खान और इनक्यूबेशन मैनेजर अदनान की सक्रिय भूमिका रही। इसके अलावा, कार्यक्रम के समन्वय में ई-सेल, एमआईटी के सदस्य राधिका कसाना, आदर्श शुक्ला और अमित कुमार का विशेष योगदान रहा।

मेरठ उद्यमी फाउंडेशन ने भविष्य में भी इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन कर युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उत्तर प्रदेश के स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

इस आयोजन के माध्यम से यह स्पष्ट हुआ कि युवाओं के लिए सरकारी योजनाओं की सही जानकारी और सही मार्गदर्शन उपलब्ध कराना बेहद आवश्यक है। इस तरह के सेमिनार न केवल स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देते हैं, बल्कि नवोदित उद्यमियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनने की दिशा में भी प्रेरित करते हैं।

सास-बहू के रिश्ते की अनोखी मिसाल -सास ने बहू को अपनी किडनी देकर बचाई जान, यशोदा कौशांबी में हुआ सफल इलाज

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

मेरठ की रहने वाली 60 वर्षीय पुष्पा देवी ने इस धारणा को पूरी तरह बदल दिया की सास बहू के लिए बुरी नहीं हो सकती , उन्होंने अपनी 32 वर्षीय बहू रीना को किडनी दान कर यह साबित कर दिया कि यह रिश्ता सिर्फ तकरार का नहीं, बल्कि त्याग , करुणा और प्यार का भी हो सकता है। अपने परिवार की जिम्मेदारियों के बीच खुद की जिंदगी भूल गई रीना, मेरठ के वालिद पुर गांव की रहने वाली रीना दो बच्चों की मां हैं। मई 2024 से वह एंड स्टेज किडनी डिजीज (एरफ़) से जूझ रही थीं और तभी से डायलिसिस पर थीं। रीना की व्यस्त दिनचर्या और परिवार की जिम्मेदारियों के कारण उनकी बीमारी का पता देरी से चला। रीना का केस काफी जटिल था, लेकिन उनकी सास के निःस्वार्थ प्रेम और मेडिकल टीम की मेहनत से यह ट्रांसप्लांट सफल हो सका।पिछले 10 साल में ही है पहला मामला है जिसे सास ने अपनी बहू की जान बचाने के लिए अपनी जिंदगी दांव पर लगा दी आज दोनों सास बहू खुश हैं और डॉक्टर की देखरेख में अपनी निजी जिंदगी में धीरे-धीरे वापस लौट रही है।

पशुधन मंत्री जी की अध्यक्षता में निराश्रित गोवंश संरक्षण के सम्बन्ध में बैठक हुई सम्पन्न

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

बरेली, पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह जी की अध्यक्षता में आज निराश्रित गोवंश संरक्षण के सम्बन्ध में बैठक आंवला स्थित इफको गेस्ट हाउस में सम्पन्न हुई।

बैठक में आंवला स्थित इफको प्लांट में ह्यगौशालाह्य चलाने के लिए, एक आत्मनिर्भर मॉडल विकसित करने पर जोर दिया गया और इसे प्राकृतिक खेती, गौमूत्र, गोबर पेंट आदि से जोड़ने का आह्वान किया गया ताकि इसे वित्तीय रूप से सुरक्षित बनाया जा सके। इफको में 5,000 गौवंशों को रखने की क्षमता वाले गौ आश्रय (वृहद गौशाला) के निर्माण पर भी चर्चा की गयी।

संस्कार भारती के उपाध्यक्ष इलेक्ट्रॉनिक व प्रिंट मीडिया के पत्रकार श्री कृष्णकांत सोनी नेशनल प्रेस टाइम्स के ब्यूरो चीफ श्री अरविंद संज्ञा, ललित सुझाव संपादक श्रीमती पुष्पा झा आदि द्वारा भी अपने विचार व्यक्त किए गए। कार्यक्रम का संचालन संस्कार भारती के अध्यक्ष पंडित बृजमोहन संज्ञा द्वारा किया गया तथा उपस्थित अतिथियों का आभार महामंत्री श्री के के पाठक द्वारा ज्ञापित किया गया। इस अवसर पर संस्कार भारती के, संरक्षक श्री गोविंद नारायण व्यास श्री मनोज चौबे,उपाध्यक्ष पंडित लक्ष्मी नारायण शर्मा, राजा ओंकार सिंह तोमर, बुंदेलखंड विकास सेना से राजकुमार कुशवाहा अमर सिंह बुंदेला , श्री मुन्ना महाराज त्यागी, खुशाल बरार, श्री शिव शंकर पाठक , मास्टर शिवा झा आदि के अलावा भारी संख्या में श्रोतागण उपस्थित रहे

पीडबल्यूडी चुनाव में अध्यक्ष जितेन्द्र पाठक, जिला मंत्री विकास सक्सेना निर्वाचित

एनपीटी ब्यूरो

बरेली। मिनिस्टीरियल एसोसिएशन लोक निर्माण विभाग बरेली जनपद शाखा का द्विवार्षिक चुनाव आज शुक्रवार सम्पन्न हुआ। सभी पद पर चुनाव निर्विरोध रहा। किसी भी पद पर किसी ने भी दावेदारी नहीं की। इस बार भी अध्यक्ष पर जितेन्द्र कुमार पाठक व जिला मंत्री विकास सक्सेना निर्वाचित रहे।

जनपद शाखा बरेली के चुनाव में जिला अध्यक्ष जितेन्द्र कुमार पाठक, वरिष्ठ उपाध्यक्ष नदीम खान, उपाध्यक्ष प्रथम अतुल जौहरी, उपाध्यक्ष द्वितीय राम किशोर, जिला मंत्री विकास सक्सेना, वित्तीय मंत्री मयंक सुनील, सम्प्रेक्षक विनोद पाल, वरिष्ठ संयुक्त मंत्री अतुल कश्यप, संयुक्त मंत्री धीरज सक्सेना, वरिष्ठ संगठन मंत्री युसुफ अली खान, संगठन मंत्री विनोद, प्रचार मंत्री नसीम खान निर्विरोध निर्वाचित रहे।

इस मौके पर मिनिस्ट्रियल एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष पद्मनाभ त्रिवेदी, श्रीमती ममता राना प्रान्तीय संगठन मंत्री (परिवेक्षक), जितेन्द्र कुमार क्षेत्रीय अध्यक्ष, प्रमोद कुमार शाक्य मुख्य चुनाव अधिकारी, हेम सिंह चुनाव अधिकारी के अलावा श्री प्रशांत शर्मा, प्रांतीय संगठन मंत्री, जिला अध्यक्ष शाहजहांपुर श्री तरुण सोनी, जिला मंत्री शाहजहांपुर राम बाबू, जिला अध्यक्ष पीलीभीत पंकज शर्मा, श्री राजेश कुमार अवर अभियंता एवं श्री उस्मान रजा खान कॉन्ट्रैक्टर मौजूद रहे।

पड़ताल | महसी के पंचायत भवनों में लटक रहा ताला, ब्लाक का चक्कर काटने को मजबूर ग्रामीण

महसी के मासाडीह चांदपारा और सधुवापुर के पंचायत भवन की पड़ताल

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

महसी (बहराइच)।महसी विकासखंड क्षेत्र में ग्रामीणों की परेशानियों को दूर करने व एक छत के निचे सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए बनाए गए पंचायत भवनों में कहीं ताला लटक रहा है तो कहीं लड़के कंचे खेलते मिले कहीं भी कोई अधिकारी कर्मचारी नहीं मिला बैठा। जिसके कारण ग्रामीणों को अपने छोटे छोटे कामों के लिए ब्लॉक, तहसील व जिला मुख्यालय के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। आलम ये है कि पंचायत भवनों में बड़ी-बड़ी झाड़ियां तक उग आई हैं। चारों तरफ गंदगी का अंबार लगा हुआ है। जिम्मेदार की उपेक्षा के चलते सरकार की मंशा पूरी नहीं हो पा रही है।

सीन 1- शुक्रवार को 11 बजे विकासखंड महसी के पंचायत भवन मासाडीह पर जाकर देखा गया तो प्रधान व सचिव कक्ष में ताला लटका मिला। कोई भी अधिकारी कर्मचारी मौके पर मौजूद नहीं मिला। पंचायत भवन परिसर में बच्चे कंचे खेलते मिले। पूरे परिसर में गंदगी ही गंदगी देखने को मिली। मासाडीह गांव निवासी संदीप वर्मा, राकेश कुमार, रामनरेश गुप्ता आदि ने बताया कि यहां पर पंचायत सचिव, प्रधान, पंचायत सहायक, पंचायत मित्र में से कभी कोई नहीं आता यहां तक कि हम में से किसी ने पंचायत सचिव को कभी नहीं देखा गांव आते जब कोई काम होता है तो हम लोग खुद ब्लॉक मुख्यालय जाकर अपना काम करवाते हैं नहीं तो जहां बताते हैं वहां जाते हैं और सफाई कर्मी तो कभी गांव आता ही नहीं है।

सीन-2 शुक्रवार को 11:30 बजे विकासखंड महसी के पंचायत भवन चांदपारा पर जाकर देखा गया तो पंचायत भवन का मुख्य गेट तो खुला मिला पर अन्दर बने कक्षों में ताला लगा मिला। कोई भी अधिकारी कर्मचारी मौके पर मौजूद नहीं मिला। गांव निवासी राजाराम, सुशील आदि से पूछा गया तो उन्होंने बताया कि यहां पर कोई भी कर्मचारी नहीं आता है कोई भी कार्य करवाना हो तो ब्लॉक और तहसील के चक्कर लगाना पड़ता है।

सीन-3 शुक्रवार को 12 बजे विकासखंड महसी के पंचायत भवन सधुवापुर पर जाकर देखा गया तो पंचायत भवन बन्द मिला। मा मौजूद रामचंद्र लल्लन रामकुमार ने बताया कि यहां पर कभी भी कोई कर्मचारी नहीं आता ना तो कभी प्रधान बैठते हैं ना ही पंचायत सचिव, पंचायत सहायक व पंचायत मित्र में से भी कभी कोई नहीं बैठता अगर कोई जरूरत हो तो उनके घर जाना पड़ता है या फिर ब्लॉक मुख्यालय जाना पड़ता है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि इस ग्राम पंचायत के पंचायत सचिव प्रवीण श्रीवास्तव के पास एडीओ पंचायत का भी प्रभारी है उनका यहां आना तो दूर कभी फोन भी नहीं उठाता अगर फोन किया जाए।

खंड विकास अधिकारी महसी हेमंत यादव ने बताया कि जांच करवाकर उचित कार्यवाई की जायेगी।

चित्र परिचय -महसी के पंचायत भवनों में फैली लतायें, लगा गंदगी का अंबार... पंचायत भवन परिसर में कंचे खेलते लड़के

महरौनी महोत्सव में चल रहा नन्हे पैरो की थिरकन का जाद

स्थानीय विद्यालयों के बच्चों ने दी लोकनृत्यो की शानदार प्रस्तुति

एनपीटी ब्यूरो ललितपुर

ललितपुर महरौनी नगर पंचायत के तत्वाधान में आयोजित महरौनी महोत्सव मेला में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रंखला में चौथे दिवस सद्भावना मंच पर लोकनृत्य निशा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में स्थानीय विद्यालयों के छात्र छात्राओं ने सराहनीय फोक डांस किये और उपस्थित जनसमूह की खूब वाहवाही लूटी।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां शारदा की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलन के साथ हुआ। तत्पश्चात मुख्य अतिथि प्रतिष्ठित व्यवसाई विजय साहू कंजी वाले ने विधिवत फीता काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। यूपीएससी नैनवारा के बच्चों ने सरस्वती वंदना की प्रस्तुति के साथ कार्यक्रम का आगाज किया।

तत्पश्चात यूरो किड्स , न्यू ऐरा एकेडमी, विद्यासागर एकेडमी, विक्रम पब्लिक स्कूल, सेंट लारेंस स्कूल, शीतल बडोनिया इंटर कालेज, स्व. रविन्द्रानंद बडोनिया महाविद्यालय, स्वामी विवेकानंद स्कूल , सरस्वती विद्या मंदिर, राजकीय बालिका इंटर कालेज आदि विद्यालय के बच्चों ने अलग अलग प्रदेशों में प्रचलित लोकनृत्यों की प्रस्तुति दी, जिनमे कत्थक, राजस्थानी,गुजराती, हरियाणवी, बुन्देली राई , बधाई , कठपुतली नृत्य की प्रस्तुति ने दर्शकों का मन मोहा। कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागियों को पुरुस्कार वितरण किया गया।

कार्यक्रम का मंच संचालन माही त्रिपाठी ने किया और आभार महोत्सव प्रमुख दुष्यंत बडौनियां ने सभी का आभार जताया ।

कार्यक्रम को सफल बनाने में नगर पंचायत अध्यक्ष नीलम बडौनियां, अधिशाषी अधिकारी साक्षी साहू, संजय पांडेय भारत, कुलदीप खरे एडवोकेट, हृदयेश गोस्वामी, सूर्यकांत त्रिपाठी, रवि खरे, दिनेश श्रीवास्तव, पूरन पाटकार, अभय दुबे टिंकू, नितिन जैन शास्त्री ,जितेन्द्र पालीबाल, छोटू राय,मुकेश नायक, आनंद त्रिपाठी, अमित नायक, पार्षद अनूप अहिरवार, नीलेश श्रीवास्तव, अनिल शर्मा, पवन बजाज, प्रेमनारायण साहू, उदयभान सिंह, जाकिर अली, रवि अहिरवार सौरभ लखपति, सुरेश अहिरवार आदि का सराहनीय सहयोग रहा।

श्री धनुषधारी जी महाराज गहोई सेवा समिति तालाबपुरा में हेल्पिंग हैण्डस सेवा संस्थान की बैठक हुई संपन्न

हेल्पिंग हैण्डस सेवा संस्थान के जनपद ललितपुर के जिला अध्यक्ष बनाए गए अरविंद कुमार संज्ञा

एनपीटी ब्यूरो ललितपुर

ललितपुर आज श्री श्री 1008 श्री धनुषधारी जी महाराज गहोई सेवा समिति तालाबपुरा में हेल्पिंग हैण्डस सेवा संस्थान की बैठक सत्येंद्र कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में की गई सर्वप्रथम श्री धनुषधारी मंदिर में पहुंचकर श्री धनुषधारी जी महाराज के दर्शन कर कर भगवान का आशीर्वाद लिया और वक्ताओं ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये इसके बाद हेल्पिंग हैण्डस सेवा संस्थान झांसी अध्यक्ष सत्येंद्र कुमार श्रीवास्तव ने ललितपुर जिले का अध्यक्ष अरविंद कुमार संज्ञा जी को घोषित किया।

इस खुशी में मंदिर परिसर में उपस्थित पदाधिकारी ने अरविंद कुमार संज्ञा जी को फूल माला पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर बधाई दी।

कार्यक्रम में उपस्थित बद्री पाठक पूर्व पार्षद अशोक गुप्ता मनोज गिरी गोस्वामी संतोष कुमार सोनी नंदकिशोर तिवारी जगदीश पाठक शास्त्री अमित राठौर पत्रकार महंत नितिन गिरी अनिल गिरी मनोज कुमार प्रजापति प्रजापति लक्ष्मण सिंह बुंदेला नरेंद्र पाठक संतोष कुमार सोनी रंजन चौबे परमानंद विश्वकर्मा रामस्वरूप यादव जितेंद्र साहू पंकज कुमार रायकवार आदि।

संक्षिप्त समाचार

एक बेटी के पिता ने पुलिस अधीक्षक से लगाई न्याय की गुहार,

एनपीटी ब्यूरो ललितपुर महरौनी महरौनी सर्किल अंतर्गत थाना सोजना निवासी एक बेटी के पिता ने पुलिस अधीक्षक ललितपुर को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की लगाई गुहार ।

पीड़ित ने एक पत्र के माध्यम से अवगत कराया कि कि पीड़ित ग्राम सौजना का निवासी है कि 10 जनवरी को पीड़ित की पुत्री उम्र करीब 16 वर्ष को गांव के ही कुछ लोग द्वारा बहला कुसलाकर अपने साथ ले गये, जिसकी सूचना प्रार्थी ने थाना सौजना में नामदर्ज कराई थी, जिस पर थाना सौजना में विपक्षीगण के विरुद्ध अपराध संख्या 04 सन 2025 एफआईआर पंजीकृत कर ली थी, किंतु अभी भी पीड़ित की पुत्री की थाना पुलिस सोजना द्वारा कोई खोजबीन नहीं की जा रही है, पीड़ित काफी परेशान है उसको आशंका है कि पीड़ित की पुत्री के साथ कोई अनहोनी घटना घटित न हो जाये ऐसी स्थिति में प्रार्थी की पुत्री को जल्द से जल्द खोजकर पीड़ित के सुपुर्द किया जाए एवम उपरोक्त अभियुक्त गणों के विरुद्ध कठोर दण्डात्मक कार्यवाही करने की मांग की।

एक बेटी के पिता ने पुलिस अधीक्षक से लगाई न्याय की गुहार,

एनपीटी ब्यूरो ललितपुर

ललितपुर महरौनी महरौनी सर्किल अंतर्गत थाना सोजना निवासी एक बेटी के पिता ने पुलिस अधीक्षक ललितपुर को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की लगाई गुहार ।

पीड़ित ने एक पत्र के माध्यम से अवगत कराया कि कि पीड़ित ग्राम सौजना का निवासी है कि 10 जनवरी को पीड़ित की पुत्री उम्र करीब 16 वर्ष को गांव के ही कुछ लोग द्वारा बहला कुसलाकर अपने साथ ले गये, जिसकी सूचना प्रार्थी ने थाना सौजना में नामदर्ज कराई थी, जिस पर थाना सौजना में विपक्षीगण के विरुद्ध अपराध संख्या 04 सन 2025 एफआईआर पंजीकृत कर ली थी, किंतु अभी भी पीड़ित की पुत्री की थाना पुलिस सोजना द्वारा कोई खोजबीन नहीं की जा रही है, पीड़ित काफी परेशान है उसको आशंका है कि पीड़ित की पुत्री के साथ कोई अनहोनी घटना घटित न हो जाये ऐसी स्थिति में प्रार्थी की पुत्री को जल्द से जल्द खोजकर पीड़ित के सुपुर्द किया जाए एवम उपरोक्त अभियुक्त गणों के विरुद्ध कठोर दण्डात्मक कार्यवाही करने की मांग की।

उमाकांत मालवीय बाल साहित्य सम्मान से अनिल को किया गया पुरस्कृत

चित्रकूटः जनपद के खुटहा ग्राम निवासी शिक्षक अनिल कुमार निलय को उमाकांत मालवीय युवा बाल साहित्य सम्मान से पुरस्कृत किया गया। उनके सम्मान मिलने पर जनपदवासियों ने उन्हें बधाई दी है।

उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान के तत्वावधान में निराला सभागार हिन्दी भवन लखनऊ में आयोजित किए गए अभिनन्दन पर्व समारोह में चित्रकूट के खुटहा गांव के मूलनिवासी एवं राजकीय हाईस्कूल सराय आनादेव के विज्ञान शिक्षक व युवा बाल साहित्यकार अनिल कुमार निलय को उमाकांत मालवीय युवा बाल साहित्य सम्मान से पुरस्कृत किया गया। जिसमें उन्हें उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान के निदेशक राज बहादुर ने 51,000 रुपए की धनराशि व प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन प्रधान संपादक डॉ अमिता दुबे ने किया। अनिल कुमार निलय की इस उपलब्धि पर जनपदवासियों ने खुशी जाहिर करते हुए उन्हें बधाई दी है।

घर से नकारात्मक शक्तियों को दूर करता है रामायण पाठ- पं नारायण दत्त त्रिपाठी

\चित्रकूट ब्यूरोः जिला मुख्यालय स्थित बल्दाऊ मंदिर में आयोजित प्राण प्रतिष्ठा समारोह में प्रख्यात ज्योतिषाचार्य पंडित नारायणदत्त त्रिपाठी की मौजूदगी में पंचमुखी श्रीहनुमत मूर्ति प्रतिष्ठा कराई गई। इस दौरान मंडप प्रवेश और जलधिवास के बाद श्रद्धालुओं ने नगर भ्रमण किया। समारोह में शुक्रवार को अखंड रामायण पाठ का शुभारम्भ किया गया। इस दौरान प्रख्यात ज्योतिषाचार्य पंडित नारायणदत्त त्रिपाठी अखंड रामायण पाठ से व्यक्ति की जीवन शैली सुधरती है। साथ ही व्यक्ति को ज्ञान और अनुभव मिलता है। लगातार 24 घंटे तक चलने वाले इस पाठ को पंडितों के सहयोग से पूर्ण किया जाता है। इससे भगवान श्रीराम और बजरंगबली का आशीर्वाद मिलता है।

आर्थिक तंगी के चलते समुचित इलाज न मिल पाने से ग्रामीण की मौत

कम्प्यूटर दुकान से बनवाया था आयुष्मान कार्ड, कार्ड निकला फर्जी।

एनपीटी ब्यूरो ललितपुर

ललितपुर महरौनी विकासखंड महरौनी अंतर्गत ग्राम पड़वा के निवासी जागेश्वर पुत्र स्व 0मथुरा प्रसाद झा उम्र लगभग 29वर्ष लम्बे समय से अस्वस्थ चल रहे थे, जिसका बुधवार की रात इलाज के लिए भोपाल जाते समय रास्ते मे उसकी मौत हो गयी।

जागेश्वर दो भाईओ मे बड़ा था, पिता इन बच्चों को छोटी उम्र मे ही छोड़कर चल बसा था, गरीब माँ ने किसी तरह मजदूरी करके बच्चों को पाला किन्तु बुढ़ापे मे माँ का सहारा बनने से पहले ही बड़े बेटे की मौत हो गयी जिससे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा।

हाल ही मे एक भाई का अग्निवीर आर्मी मे चयनित हुआ है जो विभाग के सख्त नियमों व अनुशासन के कारण

भाई के इलाज के लिए पर्याप्त समय देने की बजाह जम्मू कश्मीर की सीमा पर सेवाएं दे रहा है, भाई के इलाज के लिए निर्धारित अवकाश लेकर वह महंगा इलाज कराकर छुट्टी की सीमा खत्म होने के बाद विवश होकर ड्यूटी पर चला गया था।

इधर जागेश्वर की हालात कुछ दिनों से बिगड़ी तो परिजन जगह जगह इलाज कराते रहे किन्तु उसकी हालात मे सुधार नहीं हुआ तब आनन फानन मे भोपाल इलाज के लिए निकले तभी कुछ दूर चलते ही रास्ते मे उसकी मौत हो गयी, परिजनों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महरोनी मे देर रात परीक्षण कराया तो चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।

बताया गया की मृतक का किसी कम्प्यूटर दुकान मालिक ने पैसा लेकर आयुष्मान कार्ड बनाया था, किन्तु वह चेक कराने पर फर्जी निकला, जिससे उसके इलाज मे कोई आर्थिक सरकारी राहत नहीं मिल पायी, परिजनों ने जिलाधिकारी कार्यालय मे भी मुख्यमंत्री आर्थिक मदद हेतु गुहार लगाई थी किन्तु समय रहते आर्थिक मदद स्वीकृत नहीं हो पायी। रिस्तेदारो ने सामूहिक मदद से इलाज कराने की योजना बनाई किंतु अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसने दम तोड़ दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार उसके हृदय वाल्व खराब हो गए थे, पीलिया से शरीर पीला पड़ गया था जिससे दिनोदिन उसकी स्थिति बिगड़ती गयी और उसकी मौत हो गयी।

मृतक के दो बच्चे है बच्ची खुशी की उम्र करीब दस बर्ष और मधुर उम्र करीब छै बर्ष है, मासूम बच्चे पिता की मौत के बाद अनाथ से हो गए, मृतक की पत्नि गांव के ही सरकारी विद्यालय रसोइया है जो अब अपने अल्प मानदेय पर इनका पालन पोषण करेगी, यह क्षति उस परिवार के लिए असहनीय पीड़ा बन गयी है। परिजन सरकार से मदद की गुहार लगा रहे है।

श्रद्धालुओं की भीड़ के दृष्टिगत डीएम-एसपी ने किया मेला क्षेत्र का भ्रमण

चित्रकूट ब्यूरोः मौनी अमावस्या मेले में धर्मनगरी में दर्शन के लिए प्रयागराज महाकुंभ मेले से आए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को प्रबंधित करने के दृष्टिगत जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक सहित पुलिस-प्रशासनिक अधिकारी लगातार मेला क्षेत्र का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

मेले में प्रयागराज महाकुंभ से धर्मनगरी आए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के दृष्टिगत जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन, पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व उमेश चंद्र निगम व अपर पुलिस अधीक्षक चक्रपाणि त्रिपाठी सहित पुलिस प्रशासनिक अधिकारियों ने लगातार रामघाट, बेडी पुलिया, बरहा के हनुमान मंदिर सहित मेला क्षेत्र के महत्वपूर्ण स्थानों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लेते रहे। रामघाट में निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि जो दुकानदार दुकान के बाहर कढाई रखकर समोसे-जलेबी आदि बना रहे हैं, उन्हें तत्काल अंदर कराए। साथ ही रामघाट पर रखी चैकियो को भी तत्काल हटाने के निर्देश दिए। कहा कि नाव का किराया जो 50 रुपये निर्धारित किया गया है, इसके अतिरिक्त कोई पैसा न वसूलने पाए। उन्होंने अधिशासी अधिकारी कर्वी को निर्देशित किया कि रामघाट व मेला क्षेत्र के आसपास साफ सफाई बनी रहनी चाहिए। इस अवसर पर उप जिला अधिकारी कर्वी पूजा साहू सहित संबंधित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

धर्मनगरी आए श्रद्धालुओं को सेवा भाव से खिलाई' खिचड़ी

चित्रकूट ब्यूरोः प्रयागराज महाकुंभ से जनपद आए श्रद्धालुओं को समाजसेवियों ने जलपान कराकर सेवा की।

चित्रकूटधाम रेलवे स्टेशन के बाहर प्रख्यात चिकित्सक डॉ सुरेन्द्र अग्रवाल एंव श्री जी इंटरनेशनल स्कूल के प्रबंधक स्वपनिल अग्रवाल द्वारा महाकुंभ से लौटे श्रद्धालुओं के बीच खिचड़ी का वितरण किया गया। स्टेशन में उमड़े जन सैलाब के बीच सबेरे से खिचड़ी वितरण कार्यक्रम शुरू किया गया, जो देर शाम तक जारी रहा। इस दौरान प्रबंधक स्वपनिल अग्रवाल ने कहा कि धर्मनगरी आने वाले श्रद्धालुओं के रुकने, ठहरने और भोजन की व्यवस्था के लिए उन्होंने अपने विद्यालय के द्वार खोल दिए है। विद्यालय में श्रद्धालुओं के सुरक्षित ठहरने और उन्हें तहरी खिलाने की व्यवस्था की

गई है। इस मौके पर समाजसेवी गणेश मिश्रा ने कहा कि धर्मनगरी आने वाले श्रद्धालुओं की परेशानियों को देखते हुए वह लोग पूरी टीम के साथ सेवाभाव से जुटे हुए हैं।

इसी क्रम में शीतल सेवा संस्थान द्वारा सीतापुर में श्रद्धालुओं को निःशुल्क चाय, बिस्किट एवं हलवे का वितरण किया गया। जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने जलपान किया। संस्थान के अध्यक्ष राममिलन मिश्र ने बताया कि मेला क्षेत्र में प्रयागराज महाकुंभ से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए संस्थान द्वारा जलपान के लिए यह कार्य किया जा रहा है। इस मौके पर संस्थान के सचिव डॉ सतीश कुमार मिश्र, संयोजक बिजेन्द्र कुमार मिश्र, शांति शरण मिश्र, चंद्रभान मिश्र, धीरेंद्र सिंह, आशीष गुप्ता, उमेश द्विवेदी, रेवती मिश्र आदि मौजूद रहे।

डीएम ने फरियादियों की समस्याओं को सुनकर सम्बन्धितों को दिए निस्तारण के निर्देश

चित्रकूट ब्यूरोः जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने शुक्रवार को कलेक्टरेट कार्यालय में जनसुनवाई कार्यक्रम के तहत आए हुए फरियादियों की समस्याएं सुनी। इस दौरान डीएम ने फरियादियों की समस्याओं को सुनकर सम्बन्धित अधिकारियों को निस्तारण के निर्देश दिए।

जनसुनवाई कार्यक्रम में जिलाधिकारी शिवशणप्पा जीएन ने आए हुए फरियादियों की शिकायतों को एक-एक कर सुना तथा सम्बन्धित अधिकारियों को शासन की मंशानुरुप, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि जमीन से सम्बन्धित समस्याओं को पुलिस व राजस्व विभाग की संयुक्त टीम तत्काल मौके पर जाकर निस्तारण कराएं। कहा कि निस्तारण से समस्याग्रस्त व्यक्ति को संतुष्टि भी मिलनी चाहिए, इसका भी ध्यान रखा जाए। कहा कि जन सुनवाई के दौरान जो भी समस्याएं आ रही है, उनका निस्तारण गुणवत्तापूर्ण ससमय सुनिश्चित कराएं। इस मौके पर उपजिलाधिकारी राकेश कुमार पाठक सहित सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

ईर्ष्या-द्वेष से दूर रहकर भगवान की भक्ति में हों लीन- सत्यानंद महराज

बरगढ़, चित्रकूटः मऊ तहसील के कनियाढ़ में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के अंतिम दिन शुक्रवार को कथा व्यास डॉ सत्यानंद महराज ने भागवत कथा का महत्व बताया। कहा कि सभी प्राणियों को एक बार कथा का रसपान अवश्य करना चाहिए।

श्रीमद्भागवत कथा के अंतिम कथा व्यास डॉ सत्यानंद महाराज ने कथा की महिमा बताते हुए कहा कि श्रीमद्भागवत कथा के श्रवण से जीवन में भक्ति, ज्ञान व वैराग्य का आगमन होता है। कथा सुनने का मुख्य उद्देश्य मानव को कभी भी किसी से ईर्ष्या-द्वेष नहीं करने का संदेश देना है। कहा कि मानव को कभी किसी की निंदा नहीं करना चाहिए। कहा कि श्रीमद्भागवत कथा व्यक्ति को जीवन जीने की कला सिखाती है। इस मौके पर यजमान सुरेन्द्र बहादुर सिंह, जैन बहादुर, रणधीर, मुन्ना, पप्पू, जितेन्द्र, दिवाकर, पुष्पेन्द्र, आलोक सहित अन्य श्रोतागण मौजूद रहे।

पीडीए को गांव गांव में मिल रहा अपार जन समर्थन

सपा ने पूराकलां सेक्टर में लगाई पीडीए जन चौपाल, सपा मुखिया के संदेश को पहुंचाया जन जन तक

एनपीटी ब्यूरो ललितपुर

ललितपुर। समाजवादी पार्टी के मुखिया एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर जिलाध्यक्ष नेपाल सिंह यादव की अध्यक्षता में पीडीए जन चौपाल का आयोजन जारी है। जहां क्षेत्रवासियों द्वारा पीडीए अभियान को अपार समर्थन मिल रहा है।

बुधवार को सदर विधानसभा के सेक्टर नंबर 2 पूराकलां में उनके द्वारा चौपाल लगाई गई। जहां पीडीए के जन नायक अखिलेश यादव के विचारों को जन जन तक पहुंचाया गया। चौपाल को संबोधित करते हुए सपा जिलाध्यक्ष नेपाल सिंह यादव ने कहा कि लोकसभा चुनाव में पीडीए की एकजुटता से सपा ने भाजपा को करारी शिकस्त दी थी। यही कारवां आगामी विधानसभा चुनाव में जारी रखना है। तब जाकर प्रदेश से इस जन विरोधी सरकार को उखाड़ फेंकेगें, और प्रदेश में सपा की सरकार बनेगी। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा सरकार दलितों, पिछड़ों, शोषित एवं वंचितों के महापुरूषों का अपमान कर रही है। आज किसानों, युवाओं की कोई सुनने वाला नहीं है। मंहगाई आसमान छू रही है। जिससे हर कोई हलकान है। भ्रष्टाचार के नये नये आयाम इस सरकार में स्थापित हो रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि गांव गांव पीडीए चौपाल लगाकर लोगों को इस अभियान से जोड़ते हुए इस बार प्रदेश में सपा सरकार बनाई जाएगी। इस दौरान इस दौरान अनुसूचित प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष मोहन घायल, जिला उपाध्यक्ष भजनलाल कुशवाहा, जिला सचिव राजेश यादव, बाबा साहब अम्बेडकर वाहिनी जिलाध्यक्ष तुलसीराम अहिरवार, युवजन सभा जिलाध्यक्ष अरशद मंसूरी, हरी सिंह यादव जिजयावन, पिछड़ा प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष नरेंद्र सिंह राजपूत, सांस्कृतिक प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष खिलान सिंह सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बूंदी प्रधान प्रेम बाई मीणा के निरीक्षण में अनुपस्थित मिला माटूंदा ग्राम विकास अधिकारी

15 दिनों से ड्यूटी से गायब ग्राम विकास अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश

ब्यरो -एनपीटी

बूंदी 31 जनवरी। जिला मुख्यालय के निकट माटूंदा ग्राम पंचायत का ग्राम विकास अधिकारी करीब 15 दिनों से गायब है। वह बिना बताए ड्यूटी से गायब है इस बात का खुलासा शुक्रवार को तब हुआ। जब ग्रामीणों की शिकायत पर बूंदी पंचायत समिति प्रधान प्रेम बाई मीणा ग्राम पंचायत का निरीक्षण करने पहुंची तो ग्राम विकास अधिकारी मुजीबुर्रहमान अनुपस्थित मिले। प्रधान ने जब उपस्थिति रजिस्टर की जांच की तो उसमें भी 15 दिनों से मुजीबुर्रहमान के हस्ताक्षर नहीं मिले। प्रधान प्रेम बाई मीणा ने बताया कि 15 जनवरी को बूंदी पंचायत समिति विकास अधिकारी द्वारा ग्राम विकास अधिकारी मुजीबुर्रहमान का नमाना पंचायत से

माटूंदा पंचायत ग्राम विकास अधिकारी के पद पर तबादला किया गया था। परंतु ग्राम विकास अधिकारी मुजीबुर्रहमान द्वारा अब तक ग्राम पंचायत माटूंदा में उपस्थिति नहीं देना सरासर गलत है। प्रधान ने कहा कि ग्राम विकास अधिकारी के इस लापरवाही पूर्ण आचरण के चलते सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वन पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। वहीं पंचायत के विकास कार्यों के साथ ही ग्रामीणों के कई नियमित कार्य भी ठप पड़े हैं। माटूंदा ग्राम पंचायत की निवर्तमान सरपंच एवं प्रशासक बबलेश वर्मा तथा स्थानीय ग्रामीणों के अनुरोध पर प्रधान प्रेम बाई मीणा ने पंचायत समिति विकास अधिकारी को ग्राम विकास अधिकारी मुजीबुर्रहमान के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश भी दिए हैं।

ग्रामीणों ने प्रधान को सौंपा ज्ञापन, अपशब्दों के प्रयोग का आरोप

ग्राम पंचायत माटूंदा का निरीक्षण करने पहुंची बूंदी प्रधान प्रेम बाई मीणा को माटूंदा पंचायत की प्रशासक बबलेश वर्मा एवं स्थानीय ग्राम वासियों ने ज्ञापन सौंप कर ग्राम विकास अधिकारी की अनुपस्थिति के चलते आ रही समस्याओं से अवगत करवाया। ग्रामीणों ने ज्ञापन में बताया कि छोटे-मोटे कामों के लिए भी ग्राम पंचायत के चक्कर काटने को मजबूर हो रहे हैं। मगर ग्राम विकास अधिकारी के नहीं होने के कारण ग्रामीणों के कई काम रुके हुए हैं। ग्रामीणों ने ग्राम विकास अधिकारी पर मोबाइल पर अपशब्दों का प्रयोग करने का भी आरोप लगाया।

मैनपुरा में निशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

संवाददाता चंवरा। क्षेत्र के ग्राम पंचायत मैनपुरा में बराला ज्वेलर्स की ओर से शुक्रवार को निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। बराला ज्वेलर्स के संचालक मनदीप बराला ने बताया कि शिविर में स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ शिल्पा, फिजिशियन डॉ सुनील, दंत रोग विशेषज्ञ डॉ कुलदीप महला, हड्डी जोड़ प्रत्यारोपण एवं स्पाइन सर्जन डॉ दीपक झाझड़िया ने तकरीबन 170 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण व बीपी और शुगर की जांच कर निशुल्क दवाइयां दी। कौशिक आई हॉस्पिटल के डॉ जिनेश गहलोत ने तकरीबन 100 मरीजों की आंखों की जांच कर निशुल्क दवाइयां दी। इस दौरान राजेंद्र बराला, विजय पाल बांगड़वा, सुरेन्द्र बराला, गोकुल सुबेदार, रामसिंह बराला, महेंद्र पंच, रामजीलाल मीणा, नरेश बोचार, सागरमल बोचार, गोविंद राम, श्रीचंद बराला, रतीराम मीणा, कुरड़ाराम दर्जी, श्रीचंद ढेबाणियां, हवलदार जगदेव, रोहिताश बराला, ख्याली राम, हवलदार चंदगीराम, भोपाला राम, किशोर सैन, शीशराम बराला, रामावतार बराला, पूर्व सरपंच गोकुल चंद बराला सहित काफी लोग मौजूद रहे।

नवपदस्थापित साक्षरता ब्लॉक समन्वयक लड्डूलाल मीणा का शिक्षक संघ राष्ट्रीय नैनवा ने किया स्वागत

ब्यरो -एनपीटी

बूँदी ।शिक्षक संघ राष्ट्रीय नैनवा शाखा प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में नवपदस्थापित साक्षरता ब्लॉक समन्वयक लड्डूलाल मीणा को माला और संघटन का उपरना पहनाकर स्वागत सत्कार किया गया।ब्लॉक कॉर्डिनेटर लड्डूलाल ने कहा कि प्रत्येक शिक्षक को नई ऊर्जा के साथ संबलन प्रदान करना व प्रत्येक विद्यालय को सहयोग प्रदान करना उनकी प्राथमिकता रहेगी।इस दौरान जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुगनचंद मीणा,अध्यक्ष पंकज जैन,शिक्षको के प्रधान रामपाल मीणा, उप सभाअध्यक्ष दुगार्शंकर मीणा,हनुमान माहुरआदि मौजूद रहे।

मनीष मीणा हत्याकांड को लेकर अब तेज होगा आंदोलन

न्याय नहीं मिला तो 6 फरवरी से आमरण अनशन,कलेक्टर से मिला प्रतिनिमण्डल

ब्यरो -एनपीटी

बूंदी 31 जनवरी। मनीष मीणा हत्याकांड में न्याय की मांग को लेकर 24 दिन तक धरने के बाद भी कोई सकारात्मक कार्यवाही नहीं होने पर अब आंदोलन तेज किया जायेगा।बूंदी जिला मीणा समाज के संरक्षक आंनदीलाल मीणा के नेतृत्व में शुक्रवार को प्रतिनिधिमंडल ने जिला कलेक्टर अक्षय गोदारा को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व जिला कलेक्टर के नाम ज्ञापन देकर 24 दिन के धरने के बावजूद कार्यवाही नही होने पर रोष व्यक्त किया।वहीं

गुरुवार को 24 वे दिन सिंती के ग्रामीणों की ओर जिला कलेक्ट्रेट पर धरना दिया गया।

1फरवरी से क्रमिक 6 से आमरण अनशन-जिला कलक्टर अक्षय गोदारा को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और जिला कलेक्टर के नाम दो अलग अलग ज्ञापन देते हुये सूचित किया गया कि 24 दिन तक कोई कार्यवाही नहीं होने से विवश होकर शनिवार 1 फरवरी से 5 फरवरी तक मनीष मीणा के पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग को लेकर अखिल भारतीय श्री मीणा विकास समिति के तत्वावधान में सर्व समाज के सहयोग से क्रमिक अनशन किया जायेगा।5 फरवरी तक कोई कार्यवाही नहीं हुयी तो विवश होकर 6 फरवरी से जिला जिला कलेक्ट्रेट पर अनिश्चित कालीन आमरण अनशन प्रारंभ किया जायेगा।जिसकी समस्त जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी प्रतिनिधि मंडल में राजस्थान बीज निगम के पूर्व निदेशक चर्मेश शर्मा,एडवोकेट हेमराज मीणा, नयागांव उपसरपंच मदनलाल गुर्जर पन्नालाल मीणा,रामेश्वर मीणा सिंती,ग्रामीण छात्र संगठन के जिलाध्यक्ष लोकेश मीणा शामिल रहे।

धरने पर ये हुये शामिल- गुरुवार को अखिल भारतीय मीणा समाज संरक्षक आनंदीलाल मीणा, एडवोकेट हेमराज मीणा,पीसीसी सदस्य चर्मेश शर्मा,सत्येश शर्मा,ग्रामीण छात्र संगठन अध्यक्ष लोकेश मीणा, एडवोकेट देवराज मीणा, पुजारी मांगीलाल मीणा, जीतमल मीणा, पन्नालाल मीणा का करजूना ,किशनलाल मीणा, एडवोकेट महादेव मीणा बजरंगलाल मीणा,सूरजमल मीणा ,प्रकाश मीणा, रामदयाल मीणा, लटूर मीणा,हुकुमचंद मीणा , सोजी मीणा,बाबूलाल मीणा, सोहनलाल मीणा , लेखराज मीणा, नीरज मीणा,राकेश मीणा, मुरलीधर मीणा ,धनराज मीणा, परसराम मीणा,राजेश मीणा, सुरेश मीणा, उप सरपंच मंदन गुजर, रामेश्वर मीणा, शंभू दयाल मेहरा, गोपाललाल मेघवाल,छात्रसंघ अध्यक्ष मयंक मीणा, संजय मीणा ,प्रभु लाल मीणा, किसनलाल मीणा आदि सम्मिलित हुये।

भिवाड़ी पुलिस ने साइबर अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 19 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। एसपी ज्येष्ठा मैत्रेयी के निर्देशन में चलाए गए ऑपरेशन साइबर शील्ड के तहत पुलिस ने करीब 25 लाख रुपए कीमत के 102 चोरी और गुम हुए मोबाइल फोन बरामद किए हैं। शुक्रवार को एसपी कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में सभी बरामद मोबाइल फोन उनके वास्तविक मालिकों को सौंप दिए गए।

एसपी ज्येष्ठा मैत्रेयी ने बताया कि साइबर सेल की टीम ने राजस्थान के अलावा हरियाणा, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और एनसीआर क्षेत्र से मोबाइल बरामद किए। पुलिस ने 460 फर्जी सिम और 294 आईएमईआई को भी बंद करवाया है। अपराधियों से 25 मोबाइल फोन और 29 सिम कार्ड जब्त किए गए हैं।

जिला कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने आरएएस भर्ती परीक्षा केन्द्रों का किया निरीक्षण

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

खैरथल-तिजारा, 31 जनवरी। आगामी राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आरएएस) प्रारंभिक भर्ती परीक्षा के मद्देनजर जिला कलेक्टर किशोर कुमार और पुलिस अधीक्षक ज्येष्ठा मैत्रेयी ने शुक्रवार को टपूकड़ा एवं तिजारा के विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान परीक्षा व्यवस्थाओं का गहन अवलोकन किया गया और अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान उन्होंने टपूकड़ा के परीक्षा केंद्र राजकीय गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल टपूकड़ा तथा तिजारा के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय तिजारा, पीएम श्री राजकीय गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर किशोर कुमार ने परीक्षा केन्द्रों में सुरक्षा, स्वच्छता, और मूलभूत सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि अभ्यर्थियों को परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने बताया कि परीक्षा को सुचारू एवं पारदर्शी तरीके से आयोजित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए गए हैं।पुलिस अधीक्षक ने केन्द्रों की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए पुलिसकर्मियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए। उन्होंने परीक्षा केन्द्रों के आसपास कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष प्रबंध करने पर जोर दिया।

निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर अश्विन के पंवार, उपखंड अधिकारी संजीव वर्मा, डिप्टी एसपी तिजारा शिवराज सिंह, तहसीलदार शैतान सिंह एवं तहसीलदार कृष्ण कुमार सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

मिलन समारोह

अभिभाषक परिषद बूंदी का खेल सप्ताह समापन व

नव वर्ष स्नेह मिलन समारोह संपन्न

ब्यरो -एनपीटी

बून्दी 31 जनवरी। अभिभाषक परिषद बूंदी द्वारा आयोजित खेल सप्ताह व नव वर्ष 2025 स्नेह मिलन समारोह कल गुरूवार शाम चित्तौड़ रोड गणगौर रिसोर्ट में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला जज अजय शुक्ला, विशिष्ट अतिथि सभापति सरोज अग्रवाल व कार्यक्रम की अध्यक्षता अभिभाषक परिषद अध्यक्ष चंद्रशेखर शर्मा ने की। जिला सत्र एवं सेशन न्यायाधीश अजय शुक्ला ने कहा कि प्रतिभाओं को बढ़चढ़ कर खेलों में भाग लेने का आव्हान किया। खेल खेलना आए या नहीं मगर जीवन में खेल जरूर खेलना चाहिए उन्होंने कहा कि खेल हमें स्वस्थ रखने के साथ हमें जोड़ते भी हैं। प्रतिभाओं को मौका मिला है। अभिभाषक परिषद के अध्यक्ष चंद्रशेखर शर्मा समारोह की अध्यक्षता करते हुए कहा कि खेलों में अब भारत का वर्चस्व बढ़ रहा है, आने वाले समय में खिलाड़ी देश का मस्तक और ऊंचा करेंगे. उन्होंने कहा कि खिलाड़ी सामर्थ्यवान होंगे, तो देश खेलों में और आगे बढ़ेगा। हर वर्ष अधिवक्ताओं के नाना प्रकार के

खेलों में ऐसे आयोजनों से अधिवक्ताओं की प्रतिभाओं को एक मंच मिला है। विशिष्ट अतिथि सभापति सरोज अग्रवाल सभी अधिवक्ताओं को विश्वास दिलाया जो सम्मान दिया है उसे पर खड़ी रहूंगी मेरी जरूरत हो वहां मैं आपकी मदद करूगी। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती माता की तस्वीर पर अतिथियों ने माल्यार्पण करके किया।इसके पश्चात अध्यक्ष चंद्रशेखर शर्मा ने खेल सप्ताह का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया और उपस्थित सभी अधिकारियों व अधिवक्ताओं को नववर्ष की शुभकामनाएं दी। मुख्य अतिथि जिला जज ने अपने उद्बोधन में खेल सप्ताह व अभिभाषक परिषद बूंदी द्वारा इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करने पर भूरि भूरि प्रशंसा की और सभी को नववर्ष की शुभकामनाएं दी। विशिष्ट अतिथि सभापति सरोज अग्रवाल ने उपस्थित अधिकारियों व अधिवक्ताओं को नववर्ष की शुभकामनाएं दी व कार्यक्रम में बुलाने के लिए आभार जताया व नगर परिषद की ओर से सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया। इसके पश्चात कार्यक्रम में खेलों क्रिकेट, बैडमिंटन, लूडो, शतरंज, ब्रिज, टेबिल टेनिस,कैरम के विजेता व उपविजेताओं को प्रमाण पत्र व शील्ड देकर सम्मानित किया व सभी भाग लेने वाले अधिवक्ता व अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र अतिथियों द्वारा प्रदान किया गया। जिला जज द्वारा सभी खेलों में सक्रिय भाग लेने के कारण मैन ऑफ द टूनार्मेंट से सम्मानित किया गया। गणगौर रिसोर्ट निशुल्क उपलब्ध कराने पर पूर्व विधायक ओम प्रकाश शर्मा को सम्मानित किया गया। क्रिकेट में कमेंट्री व नाश्ते की व्यवस्था करने पर वहीद अहमद शेख को सम्मानित किया गया, शील्ड प्रायोजित करने पर एडवोकेट एजाज रिजवी को सम्मानित किया गया,सभी खेल प्रभारियों को प्रशस्ति पत्र व शील्ड देकर सम्मानित किया गया। ह्य

कार्यक्रम में अधिवक्ता फिरोज खान, कौशल किशोर शर्मा व अध्यक्ष चंद्रशेखर शर्मा ने मधुर गीतों की प्रस्तुतियां देकर खूब तालियां बटोरी। कार्यक्रम में पारिवारिक न्यायाधीश सुमन गुप्ता,एमएसीटी जज अर्चना मिश्रा, पोक्सो न्यायाधीश सलीम बदर व बालकृष्ण मिश्र, एडीजे डॉ विवेक शर्मा व मीनाक्षी मीणा,सचिव विधिक सेवा प्राधिकरण सरिता मीणा, एसीजेएम कमल कुमार, न्यायिक मजिस्ट्रेट सिद्धांत सक्सेना व वृष्टि विज उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सचिव संजय कुमार जैन ने किया।कार्यकारिणी उपाध्यक्ष नारायण सिंह गौड़, सहसचिव कविता कहार, कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार लाठी, सदस्य शाहिस्ता परवीन,अजय कुमार मीणा, उमाशंकर नागर,नईम हुसैन, जितेंद्र कुमार जैन तथा वरिष्ठ अधिवक्ता प्रकाश चंद भंडारी,दिनेश कुमार पारीक दिनेश कुमार शर्मा, कैलाश चंद गुप्ता, अशोक कुमार शर्मा बाबा,पीपी भूपेंद्र सहाय सक्सेना, विशिष्ट लोक अभियोजक शिव तोषनीवाल, नवेद केसर,अनुराग शर्मा, रवि कुमार शर्मा, अंचल राठौर, संजय शर्मा, मनीष जैन श्रीमाल, मनोज दाधीच, राकेश ठाकोर , आनंद सिंह नरूका, अरविंद सिंह, चंद्र प्रकाश जैन, किशन वर्मा, गीतेश पंचोली, रंजना जोशी, मुकेश शर्मा, शिवराज नागर,पदम कासलीवाल, नफीसुरहमान, हैदर अली, अनिल शर्मा आदि उपस्थित रहे मीडिया को यह जानकारी मीडिया प्रभारी एडवोकेट अंचल राठौर, अनुराग शर्मा ने दी।

पीएम सूर्य घर योजना के तहत सोलर पैनल की स्थापना के लिए आमजन को प्रेरित - जिला कलेक्टर

ब्यरो -एनपीटी

बूंदी, 31 जनवरी। जिला कलेक्टर अक्षय गोदारा की अध्यक्षता में शुक्रवार को हिंडोली पंचायत समिति के सभागार में ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में जिला कलेक्टर ने उपखण्ड क्षेत्र में पेयजल व्यवस्था, विद्युत आपूर्ति, निर्माण कार्यों की प्रगति जानी और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

बैठक में जिला कलेक्टर ने निर्देश दिए कि आमजन को निर्बाध बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए । उन्होंने निर्देश दिए कि पीएम सूर्य घर योजना के तहत सोलर पैनल की स्थापना के लिए शिविर लगाकर अधिकाधिक आवेदन प्राप्त किए जाए। साथ ही गांवों में राजकीय सेवा में कार्यरत कार्मिकों को भी उनके घरों पर सोलर पैनल लगवाने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि पेयजल और शौचालय की सुविधा से वंचित राजकीय विद्यालयों, सीएचसी व पीएचसी में प्राथमिकता से इन सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जावे।

उन्होंने निर्देश दिए कि सीईओ जल जल मिशन के तहत बडानयागाव, गुढा, काछोला, खेरखटा, मांगली, मेंडी, नेगढ, ओवण, पगारा, पेच की बावडी, विजयगढ़ के जनप्रतिनिधियों से समझाइश कर स्वीकृत कार्यों का शुरू करवाया जाए। अधिकारी क्षेत्र में संचालित जल जीवन मिशन के तहत दौरान रोड कटिंग के बाद सड़क मरम्मत के कार्य गुणवत्ता के साथ करवाया जाना सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि ब्लॉक स्तरीय अधिकारी अपने क्षेत्र में आपदा प्रबंधन के तहत हुए कार्यों के बिल शीघ्र भिजवाए ताकि जल्द से जल्द उनका भुगतान किया जा सके। हिंडोली में बनाए जा रहे खेल मैदान के संबंध में खेल अधिकारी व सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारी कार्यों की गुणवत्ता के लिए निर्धारित मापदंडों का सत्यापन कराना सुनिश्चित करें।

उन्होंने निर्देश दिए कि आंगनबाड़ी, सीएचसी, स?कूलों में एसडीआरएफ तथा अन्य निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की मॉनिटरिंग संबंधित उपखंड अधिकारियों द्वारा की जाए। साथ बिल भुगतान हेतु प्रस्तुत करते समय संबंधित संस्थान के प्रभारी के हस्ताक्षर कर भिजवाए जाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि बडे विद्यालय जहां अतिरिक्त शौचालय की जरूरत है, उसकी मांग भिजवाई जाए। साथ ही आयुर्वेद भवन, ग्राम पंचायत भवन, आंगन बाडी, चिकित?सा संस?थान शौचालय से वंचित नहीं रहे। इसके लिए विकास अधिकारी और संबंधित अधिकारी बैठक लेकर इसकी मॉनिटरिंग करें।

भीड़ के पीछे-पीछे चलने के बजाय नई राह बनाकर उस पर चलने का जोखिम लेने वाले ही अपनी अलग पहचान बनाने में कामयाब होते हैं। देश के अलग-अलग इलाकों के विद्यार्थियों में एक जैसी छटपटाहट दिखती है। वह यह कि 11वीं, 12वीं या ग्रेजुएशन में पढ़ते हुए वे अपने भविष्य के करियर को लेकर दुविधा में हैं। उन्हें समझ नहीं आता कि आगे वे क्या करें। इस तरह की व्याकुलता ऐसे अभिभावकों में भी देखी जाती है, जिनके बच्चे अभी छोटी कक्षाओं में पढ़ रहे हैं लेकिन वे अभी से जानना चाहते हैं कि वे अपने बच्चों के बेहतर करियर के लिए क्या करें।

पहचान बनाने के लिए करें बाकियों से कुछ अलग

आपमें से कइयों को लगता होगा कि आप कुछ नही जानते, आपको कुछ नहीं आता। ऐसे में जो हीन भावना आपके मन में भर जाती है, उसी के कारण आपको अक्सर ऐसा लगता होगा कि आपकी आगे की राह पूरी तरह अंधकारमय है। इससे निकलने का रास्ता आपको नहीं सूझता। मगर इसका हल आपके पास ही है। जरा सोचें, आप अपनी अलग पहचान बनाना चाहते हैं, इसीलिए तो परेशान हैं। पहचान बनाने की यह व्याकुलता ही आपकी शक्ति है। आप इसी के सहारे आगे बढ़ सकते हैं क्योंकि इसी में असली ताकत है।

अपनी छिपी प्रतिभा पहचानें

आप अपने मन से यह बात पूरी तरह निकाल दें कि आपको कुछ नहीं आता। ध्यान रखें कि हर व्यक्ति में कोई-न-कोई गुण होता है। यह बात अलग है कि हममें से तमाम को अपने भीतर छिपे इन गुणों के बारे में पता ही नहीं होता। जिस दिन आपको अपनी छिपी प्रतिभा का पता चल जाएगा, उस दिन से आपकी सोच सकारात्मक हो जाएगी। इसलिए सबसे पहले अपनी इस खासियत को ढूंढें। जरूरी नहीं कि एक दिन में यह तलाश पूरी हो जाए। कुछ देर से ही सही, आपको अपनी खासियत का पता चल ही जाएगा।

अब इसे निखारें

जब आपको अपने गुण/ गुणों के बारे में पता चल जाए, तो उस पर आत्ममुग्ध होने के बजाय उसे तराशने की योजना बनाकर आगे बढ़ें। अगर इसके लिए आज के वक्त के हिसाब से कोई अपडेटेड कोर्स करने की जरूरत हो, तो उससे भी पीछे न हटें। इससे आपको अपनी खासियत निखारने-चमकाने का अवसर मिलेगा। अगर कोर्स करने की जरूरत न हो, तो स्वाध्याय या सेल्फ-ट्रेनिंग से भी खुद को तराश सकते हैं।

प्रेक्टिकल पर जोर

कोर्स जॉइन कर लेने के बाद बारीकियों को अच्छी तरह से जानने के लिए थ्योरी तो जरूर पढ़ें, पर प्रेक्टिकल नॉलेज पर ज्यादा जोर दें। इससे आपको व्यवहारिक बातें सीखने को मिलेंगी, जो सिर्फ किताबें पढ़ने से नहीं सीखी जा सकती। अगर तकनीकी कोर्स कर रहे हैं, तब तो प्रेक्टिकल ट्रेनिंग और भी जरूरी है।

जिज्ञासा जरूरी

अपनी पहचान बनाने के लिए अपने स्वभाव में ही चीज सीखने की उत्सुकता शामिल करनी होगी। जानने की जिज्ञासा को अपनी दिनचर्या में शुमार करके ही आप अपने ज्ञान में लगातार इजाफा कर सकते हैं। आज के प्रतिस्पर्धी समय में इस तरह की जिज्ञासा बेहद आवश्यक है। इससे आप उस फील्ड से संबंधित नई-नई बातों और टेक्नोलॉजी को समझकर उसे अपने काम में शुमार करके अपनी काबिलियत बढ़ा सकते हैं। इससे आपके काम का परिणाम और सटीक तथा प्रभावशाली हो सकता है।

विनम्रता न छोड़ें

आप किसी भी फील्ड से जुड़े हों, नौकरी कर रहे हों या फिर स्वरोजगार, क्लाइंट के सामने हों या फिर मालिक के या अपने सहयोगियों के साथ मीटिंग में हों, विनम्र बने रहकर आप अपनी अहमियत बढ़ा सकते हैं। ज्ञान, पद, पैसा, पहचान आदि हासिल करने के दौरान अहंकार से तनने के बजाय खुद को अधिक से अधिक विनम्र बनाए रखने का प्रयास करें। दूसरों की मदद को तत्पर रहें। आप देखेंगे कि समय आने पर दूसरे लोग भी आपकी मदद को तैयार रहेंगे।

हार में जीत

जीत आपको ज्यादा कुछ नही सिखाती। जीत की खुशी में आप बहुत कुछ भूल जाते हैं। मगर हार आपको बहुत कुछ सिखा सकती है। इसलिए कभी भी नाकामी या हार से हताश न हों। इस हार में कोई-न-कोई सीख जरूर होगी, जो आपकी जीत की सीढ़ी बन सकती है। अपनी कमी को तलाशें और उसे दूर करने की कोशिश करें। अगर कई बार असफलता मिलती है, तो भी परेशान न हों। उससे भी सबक लें। अगर आप सच्चे मन से सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, तो एक-न-एक दिन कामयाबी जरूर मिलेगी।

दूसरों के साथ-साथ अपना भविष्य करें इंश्योर

बीमा बीमाकर्त्ता व बीमित व्यक्ति के बीच एक सहमति है, जहां बीमित व्यक्ति प्रीमियम के रूप में एक निश्चित मासिक अथवा वार्षिक धनराशि बीमाकर्त्ता के पास जमा कराता है। इसके बदले में बीमाकर्त्ता बीमित व्यक्ति को किसी दुर्घटना की स्थिति में प्रीमियम से अधिक राशि अदा करता है। आज लगभग हर परिस्थिति से निपटने के लिए बीमा कंपनियों के पास पॉलिसी है। जीवन बीमा, यात्रा बीमा, वाहन बीमा, स्वास्थ्य बीमा तथा गृह बीमा इनमें सबसे ज्यादा प्रचलित हैं। सरकारी कंपनियों के अलावा कई निजी कंपनियां भी इस क्षेत्र में कार्यरत हैं। विद्यार्थी स्नातक के उपरांत इस क्षेत्र में करियर बना सकते हैं। हालांकि कुछ विद्यार्थी बारहवीं के बाद से ही बीमा क्षेत्र से जुड़ जाना पसंद करते हैं। आजकल कई कंपनियां स्नातक विद्यार्थियों को पार्ट-टाईम जॉब का ऑफर भी देती हैं। फिर भी विषय का पूरा ज्ञान लेने के लिए कॉलेज के पश्चात बीमा प्रबंधन में मास्टर्स डिग्री लेना श्रेयस्कर रहता है।

क्या यह मेरे लिए सही करियर है?

यदि आपमें सेलिंग स्किल तथा पीपल स्किल हैं और आप लोगों की परेशानियों को समझते, तो बीमा क्षेत्र आपके लिए उत्तम है। मगर यदि आप इसे पैसे कमाने का जरिया भर मानते हैं, तो इसे करियर के रूप में न चुनें। यदि आपने अपने विद्यार्थी जीवन के दौरान स्कूल में या उसके बाद कभी भी यह महसूस किया है कि आपके पास अच्छी पीपल व सेलिंग स्किल्स हैं, तो इंश्योरेंस विषय आपके लिए उचित रहेगा। आप किसी प्रसिद्ध इंश्योरेंस कंपनी के इंश्योरेंस एजेंट या सेल्स एग्जीक्यूटिव- इंश्योरेंस के रूप में करियर शुरू कर सकते हैं। इसके लिए आपको इरडा (भारतीय बीमा नियामक प्राधिकरण) द्वारा संचालित एजेंट परीक्षा पास करनी होगी। कुछ वर्ष इस तरह काम करने के बाद आप इंश्योरेंस मैनेजर भी बन सकते हैं। बीमा को करियर बनाने के लिए दो प्रकार के कौशल की आवश्यकता होती है : पहला, लोगों को आसानी से मित्र बनाना और दूसरा, उनकी परेशानी को सही ढंग से पहचानकर उन्हें बीमा के महत्व को समझाना। आप उन्हें समझा सकते हैं कि भविष्य में होने वाली किसी दुर्घटना से बीमा कैसे सुरक्षा प्रदान करता है।

रोजगार के अवसर

इंश्योरेंस प्रोफेशनल्स के लिए रोजगार की संभावनाएं दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही हैं। आप एक बीमा अभिकर्त्ता (इंश्योरेंस एजेंट) के रूप में करियर शुरू कर सकते हैं, जहां आपको लोगों को बीमा पॉलिसी बेचनी होती है। इसके लिए आपको निश्चित टार्गेट दिया जाता है, जिसे आपको प्रीमियम के रूप में कंपनी के लिए कमाकर पूरा करना होता है। इसके बदले में आपको कमीशन दिया जाता है। इसके अलावा सेल्स मैनेजर- इंश्योरेंस का पद भी महत्वपूर्ण होता है, जहां आपको बीमा अभिकर्त्ताओं की एक टीम को संभालना होता है। आप इंश्योरेंस अंडरराईटर के रूप में भी अपने करियर की शुरूआत कर सकते हैं।

मांग एवं आपूर्ति

आज भी दुनिया की आबादी का बहुत बड़ा हिस्सा ऐसा है, जिसने किसी तरह का कोई बीमा नहीं कराया है। अत: बीमा अभिकर्त्ताओं की आपूर्ति की तुलना में मांग बहुत ज्यादा है। आज इस क्षेत्र को लगनशील व व्यापारिक दृष्टि रखने वाले लोगों की आवश्यकता है। चूंकि अक्सर कहा जाता है कि 'बीमा आग्रह का विषय है', अत: सही पॉलिसी व एक साफ-सुथरे तंत्र के द्वारा अच्छी आय प्राप्त की जा सकती है।

जॉब पाने के लिए सुझाव

आप बीमा में स्नातक या स्नातकोत्तर डिग्री लेने के पश्चात इन सुझावों की सहायता से नौकरी पा सकते हैं :

अच्छी कंपनियों की वेबसाइट को नियमित तौर पर चेक करना तथा जॉब ओपनिंग पर उसके लिए एप्लाई करना।

अपने मित्रों व पहचान वालों का दायरा बढ़ाना, जिन्हें आप भविष्य में अपनी इंश्योरेंस डील में उपयोग में ला सकें।

व्यापारिक तौर-तरीके, संवाद एवं सेलिंग स्किल बढ़ाने के लिए किताब पढ़ें।

वैश्विक बीमा परिदृश्य एवं उन नई रणनीतियों पर नजर रखें, जो अभी देश में नहीं लॉन्च की गई हैं।

बीमा से जुड़े कानूनों व नियमों तथा उनमें होने वाले संशोधनों के बारे में जानकारी रखें।

बड़ी फाइनेंस कंपनियों एवं स्टॉक मार्केट में उनकी स्थिति पर नज़र रखें ताकि आप अपनी सौदेबाजी व सेलिंग को प्लान कर सकें।

सकारात्मक पहलू

बीमा उद्योग विकास के पथ पर अग्रसर है। अच्छी स्किल्स रखने वाले लोगों के लिए यहां दिन-प्रतिदिन संभावनाएं बढ़ती जा रही हैं। अगले कुछ वर्षों में बीमा क्षेत्र नई ऊंचाइयों को छुएगा, जिसका फायदा अंतत: इस क्षेत्र में करियर बनाने वाले विद्यार्थियों को पहुंचेगा। कई अच्छे संस्थान इस क्षेत्र में कार्यरत हैं, जैसे पुणे का एनआईए, जो बीमा क्षेत्र में उत्कृष्ट पाठ्यक्रम संचालित करता है। इसके अतिरिक्त बिरला इंस्टीटयूट एवं आईसीएफएआई जैसे संस्थान इस विषय में रेगुलर व दूरस्थ शिक्षा दोनों माध्यम से कोर्स संचालित करते हैं।

नकारात्मक पहलू

विद्यार्थियों या इंश्योरेंस प्रोफेशनल्स में लोगों को पॉलिसी के बारे में समझाने तथा उन्हें वह खरीदने के लिए मनाने की उच्च क्षमता होनी चाहिए, जो कि कभी-कभी लोगों द्वारा नापसंद की जा सकती है।

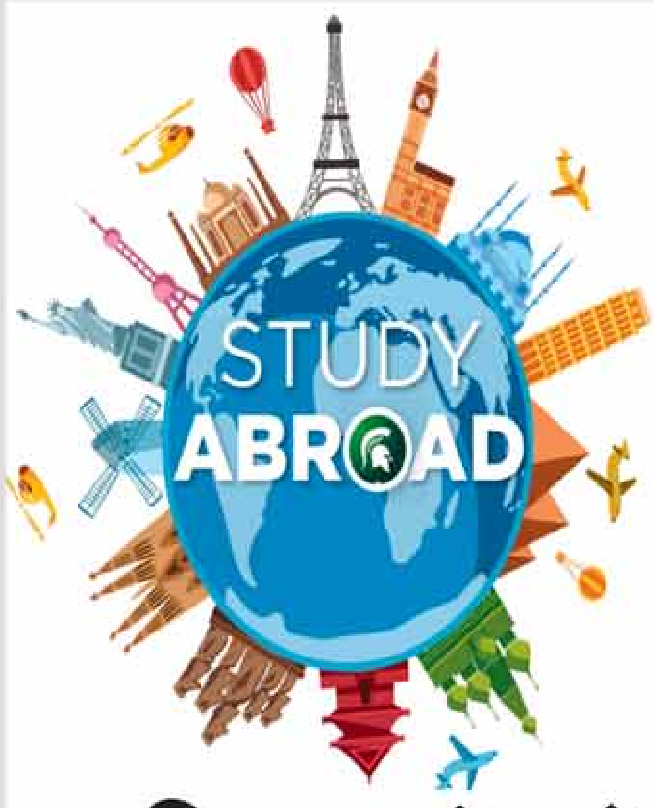

आखिर क्यों करें विदेश में पढ़ाई?

हर साल बड़ी संख्या में भारतीय युवा पढ़ने के लिए विदेश जाते हैं। ऐसा करने के पीछे कई कारण होते हैं।

अमेरिका के बिजनेस स्कूलों में पढ़ने के लिए यंगस्टर्स 30 से 35 लाख रुपए खर्च कर देते हैं। अगर कहीं स्कॉलरशिप नहीं मिली, तो खर्च और बढ़ जाता है। फिर भी विदेश में पढ़ने का क्रेज बरकरार है। मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन में इंजीनियरिंग करने वाले विवेक राज ने एचपी, आईबीएम, एचसीएल जैसी कई कंपनीज में काम किया है। लेकिन जब उन्होंने एमबीए करने का फैसला किया, तो आईआईएम के बजाए ब्रिटेन की क्रैमफील्ड यूनिवर्सिटी का चयन किया। विवेक कहते हैं, 'बाहर जाने से एक्सपोजर मिलता है। विदेशी यूनिवर्सिटीज में लीडरशिप पर अधिक फोकस होता है। टेक्निकल नॉलेज, नेटर्किंग स्किल्स पर ध्यान दिया जाता है। स्टूडेंट्स का एक अलग पर्सपेक्टिव डेवलप होता है। वहां अनुभव आधारित शिक्षा दी जाती है। केस स्टडी, असल जीवन के उदाहरण बताए जाते हैं। अलग-अलग देशों के साथी क्लासमेट्स से भी बहुत कुछ सीखने को मिलता है जबकि भारत में थ्योरिटिकल बेस्ड पढ़ाई होती है। अतीत के उदाहरण दिए जाते हैं, बुक्स फॉलो करने को कहा जाता है, जिससे कि परीक्षा में अच्छे मार्क्स आ सकें।'

प्रैक्टिकल अप्रोच के साथ होती पढ़ाई

एनएचएसआरसी में सीनियर कंसल्टेंट संध्या आहूजा के बेटे विक्रम आहूजा ने मैट एग्जाम में अच्छा स्कोर किया था, लेकिन अच्छे कॉलेज में एडमिशन और फिर प्लेसमेंट को लेकर असमंजस होने के कारण उन्होंने उसे ऑस्ट्रेलिया भेजने का फैसला लिया। वे कहती हैं, कॉलेज मिलने के इंतजार में हम बच्चे का टाइम बर्बाद नही होने देना चाहते थे। इसलिए ऑस्ट्रेलिया की ग्रिफिथ यूनिवर्सिटी में एमबीए के लिए अप्लाई कराया। उसका सिलेक्शन हो गया। एडमिशन के समय हमें पैसे का इंतजाम जरूर करना पड़ा लेकिन फिर बेटे ने पार्ट-टाइम जॉब करते हुए पढ़ाई का पूरा खर्च निकाल लिया। आज वह सिडनी के एक कॉरपोरेट हाउस में पोर्टफोलियो मैनेजर है। मेरा मानना है कि भारत में किताबी ज्ञान पर अधिक जोर होता है, जबकि विदेश में एविडेंस, प्रोजेक्ट और प्रैक्टिकल अप्रोच के साथ शिक्षा दी जाती है। वहां जाकर बच्चे रिसर्च करते हैं और अपने अनुभवों से ही बहुत कुछ सीख जाते हैं।

विदेश जाकर पढ़ना स्टूडेंट्स की च्वॉइस

एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में चीफ ह्यूमन रिसोर्स ऑफिसर रचना बनर्जी के अनुसार, हमारे यहां दोनों तरह के स्टूडेंट्स हैं। वे यहां भी पढ़ना चाहते हैं और बाहर जाकर भी पढ़ना चाहते हैं। मगर हमारे यहां इतने आईआईटी और आईआईएम नहीं हैं कि सारे स्टूडेंट्स यहीं एडजस्ट हो जाएं, इसलिए उन्हें बाहर जाना पड़ता है। जितने भी स्टूडेंट्स हैं, वे भारत के टॉपमोस्ट इंस्टीट्यूट्स में एडमिशन लेना चाहते हैं। जिन्हें नहीं मिल पाता, वे सेकंड टियर के इंस्टीट्यूट्स के बजाए फॉरेन इंस्टीट्यूट्स ज्यादा पसंद करते हैं। स्टूडेंट्स विदेश जाकर इसलिए पढ़ना चाहते हैं, क्योंकि आगे चलकर उन्हें ग्लोबल ऑर्गेनाइजेशन मैनेज करने का मौका मिलता है, जिससे ग्लोबल एक्सपोजर मिलता है। भारत में भी ऐसे कॉलेज और इंस्टीट्यूट्स हैं, जहां बाहर से फैकल्टीज को बुलाकर स्टूडेंट्स को ग्लोबल एक्सपोजर उपलब्ध कराया जाता है। मेरे हिसाब से यह मामला स्टूडेंट्स की च्वॉइस का है। मैं ऐसे कई बच्चों से भी मिली हूं, जो बाहर नहीं जाना चाहते। वहीं कई ऐसे भी हैं, जो बाहर जाकर ग्लोबल एक्सपीरियंस लेना चाहते हैं।

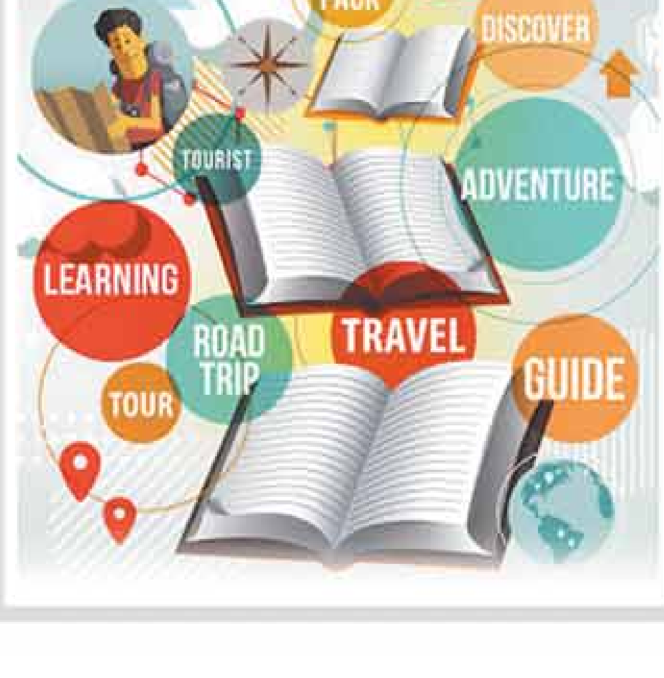

पाकुड़ बीपीआरओ समेत तीन पंचायत सचिव भी हुए

सेवानिवृत्त, सुकुमार ठाकुर बने प्रभारी बीपीआरओ

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़ प्रखण्ड के पंचायत राज पदाधिकारी ओम प्रकाश सिंह ने 31 जनवरी 2025 शुक्रवार को सेवा निवृत्ति हो गये। इसके अलावे पाकुड़ प्रखण्ड क्षेत्रान्तर्गत ग्राम पंचायत पृथ्वीनगर के पंचायत सचिव किशोर कुमार यादव, ग्राम पंचायत मानिकापाड़ा के पंचायत सचिव कर्नेल मुर्मू व ग्राम पंचायत इलामी-तारानगर के पंचायत सचिव उमेश साहा भी 31 जनवरी 2025 को ही सेवानिवृत्त हो गये। बीपीआरओ व पंचायत सचिवों के सेवानिवृत्त को ले पाकुड़ प्रखण्ड सभागार में फेयरवेल

का आयोजन किया गया। जहां बीडीओ समीर अल्फ्रेड मुर्मू व सीओ भागीरथ महतो समेत प्रखण्ड - अंचल कार्यालय के अन्य कर्मी सहित विभिन्न पंचायत के मुखिया अन्य व झामुमो के पूर्व जिलाध्यक्ष श्याम यादव ने भी अपनी भागीदारी सुनिश्चित किया। इस दौरान सभी ने अपनी - अपनी प्रतिक्रिया साझा करते हुए सेवानिवृत्त हुए बीपीआरओ व पंचायत सचिवों की तारीफ की। वही बीपीआरओ ओमप्रकाश सिंह के सेवानिवृत्त होने के पश्चात ग्राम पंचायत चेंगाडांगा के पंचायत सचिव सुकुमार ठाकुर को पाकुड़ प्रखण्ड का प्रभारी पंचायत राज पदाधिकारी का प्रभार सौंपा गया है। साथ ही पंचायत सचिव सुकुमार ठाकुर के द्वारा प्रभारी बीपीआरओ, पाकुड़ का पदभार भी ग्रहण कर लिया गया है।

हिरणपुर थाना पुलिस परिसर में शान्ति समिति की हुई बैठक

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़ (झा०खं०), सरस्वती पूजा को ले बीते शुक्रवार को हिरणपुर थाना परिसर में शान्ति समिति की बैठक की गई। बैठक में थाना क्षेत्र के अधिकांश पूजा कमिटियों ने अपनी भागीदारी सुनिश्चित किया। बैठक के दौरान अंचलाधिकारी मनोज कुमार ने उपस्थित लोगों निर्देश देते हुए कहा कि सभी पूजा मंडपो में डीजे बजाना पूरी तरह निषेध है। साथ ही रात 10 बजे तक ही माइक बजाया जा सकता। पूजा मंडपो में अश्लील व भड़काव गाना बजाने पर पूरी तरह पाबंदी रहीगी। इसके अलावे

सुरक्षा के ध्यानार्थ पूजा के दौरान उपद्रवी तत्वों पर कड़ी नजर रहेगी। किसी भी प्रकार के अशान्ति फैलाने पर विधिवत कारवाई की जायेगी। वही थाना प्रभारी रंजन कुमार सिंह ने निर्देश देते हुए कहा कि पांच फरवरी को सभी प्रतिमाओं का विसर्जन होना आवश्यक है। पूजा को शान्तिपूर्ण माहौल में आपसी भाईचारे कायम रखते हुए मनाये। इस अवसर पर एसआई गोपाल महतो , सुकुमार सेन , दीपक साहा आदि समेत पूजा कमिटियों के सदस्य मौजूद रहे।

तनवीर आलम ने की पाकुड़ का दौरा, कार्यकताओं से हुए रूबरू

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़ (झा०खं०), बीते शुक्रवार 31 जनवरी 2025 को कांग्रेस के झारखण्ड प्रदेश महासचिव तनवीर आलम ने जिला कांग्रेस कार्यालय में कांग्रेस कार्यकताओं के साथ बारी-बारी से भेंट मुलाकात किया। कांग्रेस कार्यकताओं ने अपना- अपना समस्याओं को साझा किया। इस दौरान सार्वजनिक कार्य पीसीसी सड़क निर्माण, डीप बोरिंग सह- पाइपलाइन, बंद पड़े पुराने चापाकल को नियमित रूप से चालू करने अन्य अवयवों को प्रदेश महासचिव तनवीर आलम के समक्ष पेश किया। वही युवा नेता व कांग्रेस के झारखण्ड प्रदेश महासचिव तनवीर आलम ने हर एक समस्याओं पर विचार - विमर्श किया और बहुत जल्द सभी समस्याओं का समाधान करने का आश्वासन दिया। मौके पर जिला अध्यक्ष श्रीकुमार सरकार, प्रखण्ड अध्यक्ष मानसारुल हक, विधायक प्रतिनिधि गुलाम अहमद उर्फ बकुल, प्रवक्ता मुख्तार हुसैन, समिनुल इस्लाम, पप्पू गंगवानी, अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष शाहीन परवेज, ओबीसी जिला अध्यक्ष अमीर हमजा, रामविलास महतो, देबू विश्वास, प्रखण्ड उपाध्यक्ष अब्दुल बसिर, बेलाल शेख, नसीम आलम, नगर अध्यक्ष बंसराज गोप, कृष्णा यादव, युवा उपाध्यक्ष बिलाल सेख,डॉ एनुल हक,जहीरुल इस्लाम मिजार्हान विश्वास, मोजीबूर रहमान, समाद शेख,आतिउर रहमान, शहनाज बेगम, बुजी सिंह, मनिका सिंह सहित कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

विधायक निशात आलम ने महिला बाल विकास समिति की बैठक में की भागीदारी

एनपीटी ब्यूरो

रांची, गांडेय विधायक कल्पना सोरेन ने महिला बाल विकास समिति की बैठक कर समाज कल्याण विभाग में चल रहे विभिन्न योजनाओं की जानकारी ली। बैठक में महिला सशक्तिकरण और कल्याण की दिशा में उठाए जा रहे कदमों पर समिति के सदस्यों और विभागीय अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा हुई। बैठक के दौरान कल्पना सोरेन ने कहा कि बच्चों के पोषण से लेकर महिला सशक्तिकरण तक, आंगनबाड़ी में शुरूवाती शिक्षा

से लेकर सामाजिक सुरक्षा तक, समाज कल्याण विभाग की जिम्मेदारी व्यापक है। अबुआ सरकार की प्राथमिकता है कि हर नारी को सम्मान, हर बच्चे को उज्जवल भविष्य और हर जरूरतमंद को सहयोग मिले। महिला एवं बाल विकास समिति अपने ज़िम्मेदारियों का निर्वाहन करते हुए झारखण्ड के उज्ज्वल भविष्य के लिए कार्य करेगी। बैठक में पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक निशात आलम ने भी अपनी भागीदारी सुनिश्चित किया।

विधायक ने सदस्यता अभियान का किया आगाज

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़िया, महेशपुर विधानसभा क्षेत्र से हैट्रिक लगाये विधायक प्रो. स्टीफन मरांडी ने झामुमो प्रखण्ड कार्यालय पाकुड़िया में सदस्यता अभियान के तहत अपने हाथ से सदस्यता रशीद काटकर अभियान की शुरूआत किया। सबसे पहले रशीद कटवाने वाले सूरज रविदास को विधायक ने गमछा ओढ़ाकर स्वागत किया। विधायक प्रो. स्टीफन मरांडी ने कहा कि कार्यकर्ता पार्टी के रीढ़ होते है, आप सभी कार्यकर्ता दूर- दराज के क्षेत्र के लोगों को सदस्यता अभियान के तहत पार्टी में जोड़ने का काम करे। सदस्यता अभियान चलाकर ज्यादातर युवाओं व महिलाओं को भी पार्टी में जोड़ने का काम करे। साथ ही राज्य के लोकप्रिय मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के सरकार द्वारा चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार- प्रसार करते हुए दूर- दराज के ग्रामीणों को इसका लाभ दिलाने का काम करे। विधायक ने सम्बोधन में पार्टी को मजबूत बनाते हुए संगठन को धारदार बनाने का निर्देश दिया। मौके पर संयोजक मंडली सदस्य मोतीलाल हांसदा, मैनुद्दीन अंसारी, निवारण मरांडी,अब्दुल बनीज, कालिदास टुडू ,विश्वाजीत दास,मोईन आलम, विस्वनाथ मुर्मू, सुकलाल मिर्धा,अनिसूर रहमान, प्रश्नजीत दास,दिनेश सहित अन्य कार्यकर्त्ता मौजूद थे।

पशु एम्बुलेंस पूरी तरह फैल- राहुल सिंह

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़, राज्य में पशु पालन विभाग द्वारा संचालित पशु एंबुलेंस जो विभाग के द्वारा जिले के सभी प्रखण्डों में उपलब्ध कराया गया है तथा विभाग द्वारा टोल फ्री नंबर 1962 जारी किया गया है, जिसपर प्रखण्ड अन्तर्गत कहीं भी अगर कोई पशु बीमार या एक्सीडेंट में घायल हो जाते हैं तो उक्त टोल फ्री नंबर पर फोन कर एंबुलेंस को बुलाकर पशु का इलाज उसी जगह करवाने की सम्पूर्ण व्यवस्था सरकार द्वारा दी गई है, लेकिन इस व्यवस्था पर सवाल उठने लगी है। शुक्रवार को राष्ट्रीय संगठन राम भक्त सेवादल के प्रदेश अध्यक्ष राहुल सिंह ने इस व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए मीडिया को बताते हुए कहा कि विगत गुरुवार को संगठन को प्राप्त सूचना के आधार पर एक बीमार एक्सीडेंटल गौ माता का इलाज संगठन के द्वारा करवाया जा रहा है। जिसके तहत शुक्रवार को बलियादंगा स्थित एक मकान में उक्त गौ माता का हालत नाजुक बन गया था, इसके बाद राहुल सिंह ने टोल

फ्री नंबर 1962 पर कॉल कर पूरी जानकारी दिया तथा उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा की जानकारी पूरी देने के बाद कर्मी ने यह कहकर मामला को टाल दिया कि पाकुड़ प्रखण्ड में जो एंबुलेंस है, वह कहीं दूसरे जगह पर गया हुआ है, जिसमें समय लगेगा। इसके बाद राहुल सिंह के द्वारा उक्त पशु को टोटो के सहारे पशु चिकित्सालय लाया गया, जहां उक्त एंबुलेंस खड़ा दिखा। जिस पर उन्होंने चिकित्सालय में मौजूद कर्मियों से पूछा तो कर्मियों ने कहा कि यह एंबुलेंस सुबह से यही खड़ी है। मतलब साफ है की टोल फ्री में जो कॉल किया गया था, उसमें पूरी तरह से झूठ बोला गया और ऐसी व्यवस्था पर उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि जिन वादों को लेकर सरकार कार्य कर रही है, अगर वह वादा धरातल पर सही रूप से क्रियान्वयन ना हो सके तो ऐसी व्यवस्था देने की गारंटी सरकार ना करे। ज्ञात हो पशुपालन विभाग द्वारा एंबुलेंस सेवा कुछ महीने पहले एक विशेष योजना के तहत पूरे राज्य में चालू किया गया है। लेकिन विभागीय सूत्रों की माने तो यह एंबुलेंस सेवा सुबह 9:00 बजे से लेकर शाम 5:00 बजे तक ही उपलब्ध है। लेकिन इस समय सीमा में भी अगर फोन कर एंबुलेंस को बुलाया जाए तो बहाना बना कर एंबुलेंस नहीं आता है। मतलब साफ है कि सरकार की महत्वाकांक्षी योजना पशुओं को लेकर पूरी तरह से विफल है, जिस पर जिला प्रशासन के साथ-साथ राज्य सरकार एवं पशुपालन विभाग को गंभीरता से लेकर पहल करने की जरूरत है।

उपायुक्त ने की कुष्ठ जागरूकता अभियान व फाइलेरिया उन्मूलन एवं कालाजार को लेकर बैठक

एनपीटी ब्यूरो, पाकुड़ (झा०खं०), उपायुक्त मनीष कुमार ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक किया। जिसमें 30 जनवरी से 14 फरवरी तक चलाए जाने वाले स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान सह कुष्ठ रोग खोज अभियान को लेकर उपायुक्त ने स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारियों को 8 फरवरी तक अभियान को पूर्ण करने का निर्देश दिया। साथ ही साथ कालाजार के एक्टिव केस का सर्वे साथ साथ करने का निर्देश दिया। फाइलेरिया उन्मूलन* कार्यक्रम के तहत फाइलेरिया बीमारी को दूर भगाने के लिए 10 फरवरी से 25 फरवरी तक विशेष अभियान के रूप में लोगों को दवाइयां खिलाई जाएगी। जिसके आलोक में डीसी ने सभी कार्य योजना को समय से पूर्ण करते हुए इस अभियान को जिले में सफल बनाने की बात कही।

थाना प्रभारी की अध्यक्षता में हुई शान्ति समिति की बैठक

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़िया, 31 जनवरी 2025 शुक्रवार को पाकुड़िया थाना प्रांगण में सरस्वती पूजा को ले थाना प्रभारी अमित कुमार सिंह की अध्यक्षता में शान्ति समिति की बैठक की गई। जिसमें पाकुड़िया प्रखण्ड भर के लोग उपस्थित हुए। बैठक करने का उद्देश्य है कि लोगों में किसी प्रकार की अशान्ति न फैले, आपस मे शान्ति और भाईचारे के साथ सरस्वती पूजा मनाये। थाना प्रभारी अमित कुमार सिंह के द्वारा लोगों को सख्त निर्देश देते हुए कहा गया कि पूजा में किसी तरह का डीजे बजाना सख्त मना है, इस निर्देश का पालन करना अनिवार्य है। निर्देश नहीं मानने वाले लोगों पर कानूनी कार्यवाही की जायेगी। प्रभारी ने कहा कि मूर्ति का विसर्जन समय और रुट चाट के अनुसार विसर्जन किया जायेगा। मौके पर उपस्थित कांग्रेस प्रखण्ड अध्यक्ष इसलाम अंसारी, झामुमों प्रखण्ड अध्यक्ष मोतीलाल हासदा, दीपक साहा, मोहन चौबे, लाल मोहम्मद अन्य मौजद थे।

आउटरीच सह- विधिक जागरूकता कार्यक्रम के तहत की गई जागरूक

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़ (झा०खं०), झालसा रांची के निदेर्शानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ के तत्वाधान में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह-अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ शेष नाथ सिंह के निर्देश पर सचिव अजय कुमार गुड़िया के मार्गदर्शन में आयोजित हो रहे नब्बे दिवसीय आउटरीच सह- विधिक जागरूकता कार्यक्रम पाकुड़ जिले के सभी प्रखण्डों में चलाया गया। इस दौरान पाकुड़ के तारानगर पंचायत के ग्रामीण क्षेत्रों में पीएलवी याकूब अली, सायेम अली, मैनुल शेख ने संयुक्त रूप से बाल विवाह, बाल श्रम, डायन प्रथा, घरेलू हिंसा समेत सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं पर विस्तृत जानकारी दी। वही उत्क्रमित उच्च विद्यालय गोपीनाथपुर पाकुड़ में पीएलवी अमूल्य रत्न रविदास, एजारूल शेख ने जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ से मिलने वाली निशुल्क कानूनी सहायता के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए जागरूक पर्ची वितरण की। साथ ही छात्र छात्राओं को शिक्षा का अधिकार, मौलिक अधिकार मौलिक कर्तव्यों के बारे में कानूनी जानकारी दी गई। समाज में अंधविश्वास के विरुद्ध कई बिंदु पर जागरूक की गई। पीएलवी कमला राय गांगुली ने सरस्वती शिशु विद्या मंदिर पाकुड़ के उपस्थित छात्र छात्राओं को छुआछूत, सड़क सुरक्षा के बारे में कई बिंदु पर प्रकाश डाला गया साथ ही कानून के अधिकार के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। वही पाकुड़ के अन्य प्रखंडों में संबंधित पैरा लीगल वॉलिंटियर्स के टीम ने आउटरीच कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए जागरूक किया।

इस दौरान संबंधित विद्यालय के शिक्षक, शिक्षिका, ग्रामीण मौजूद रहे।

कल्याण विभाग की कार्यशाला में डीसी ने दी योजनाओं की जानकारी

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़ (झा०खं०), उपायुक्त की अध्यक्षता में कल्याण विभाग अन्तर्गत संचालित योजना मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, जाहेरस्थान, कब्रिस्तान घेराबंदी योजना, वनाधिकार पट्टा, बिरसा आवास योजना के सफल क्रियान्वयन को लेकर संबंधित पदाधिकारियों एवं लाभुक के साथ कार्यशाला का आयोजन किया गया। उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत बेरोजगार युवाओं को छोटे व्यवसायों, कृषि, कुटीर उद्योग और अन्य स्वरोजगार योजनाओं के लिए ऋण-सह-अनुदान प्रदान किया जाता है तथा दो चरणों में इसका लाभ दिया जाता है। पहला किश्त में 25 हजार एवं द्वितीय किश्त में 25 रुपए ऋण-सह-अनुदान प्रदान दिया जाता है। जिनको दो किश्त का लाभ मिल चुका है वे अपना ऋण चुकता बैंक के माध्यम से करे। उपायुक्त ने कहा कि मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति और पिछड़े वर्ग के लोगों को लाभ मिलेगा, जो विभिन्न बीमारियों और स्वास्थ्य समस्याओं से ग्रसित है। इसके तहत व्यस्क लाभुकों को 3 से 5 हजार तक, अव्यस्क लाभुकों को 1500 से लेकर 2500 रुपये एवं कैंसर पीड़ित लाभुकों को 25 हजार रुपये तक की सहायता राशि प्रदान की जाती है। इसके लिए लाभार्थी वर्ग के लोगों को आवेदन करने के लिए राशन कार्ड, आधार कार्ड, बैंक खाता, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र आदि दस्तावेजों की आवश्यकता होती है। इसके अतिरिक्त उपायुक्त ने वन पट्टा के लिए सभी अंचलाधिकारी को, छात्रवृत्ति योजना के लिए सभी बीईईओ को, बिरसा आवास योजना को लेकर सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी को, सीएम पशुधन योजना को लेकर पशुपालन पदाधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। मौके पर परियोजना निदेशक आईटीडीए अरुण कुमार एक्का, जिला कल्याण पदाधिकारी लक्ष्मण हरिजन समेत अन्य पदाधिकारी, कर्मी एवं लाभुक उपस्थित थे।

पीएम मोदी का वारः 'शाही परिवार ने किया राष्ट्रपति का अपमान कांग्रेस और आप-दा अहंकार की पराकाष्ठा के प्रतीक'

नई दिल्ली। भाजपा दिल्ली को जितना आधुनिक बनाना चाहती है, उसकी एक झलक यहां द्वारका में दिखती है। केंद्र सरकार ने यहां भव्य यशोभूमि का निर्माण करवाया, यशोभूमि की वजह से यहां द्वारका, दिल्ली के हजारों नौजवानों को रोजगार मिला है, यहां लोगों का व्यापार बढ़ा है।

5 फरवरी को होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले सभी पार्टियों ने प्रचार में अपना पूरा जोर लगा दिया है। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने द्वारका में जनसभा को संबोधित किया। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में आम आदमी पार्टी पर जमकर हमले किए। इस दौरान उन्होंने कहा कि वोटिंग में बस पांच दिन बचे हैं। दिल वालों की दिल्ली ने ठान लिया है, आप-दा वालों को भगाना है। इस बार भारी बहुमत से भाजपा की सरकार बनाना है।

दिल्ली को चाहिए डबल इंजन वाली सरकार-भाजपा दिल्ली को जितना आधुनिक बनाना चाहती है, उसकी एक झलक यहां द्वारका में दिखती है। केंद्र सरकार ने यहां भव्य यशोभूमि का निर्माण करवाया, यशोभूमि की वजह से यहां द्वारका, दिल्ली के हजारों नौजवानों को रोजगार मिला है, यहां लोगों का व्यापार बढ़ा है। आने वाले समय में ये पूरा क्षेत्र एक प्रकार से स्मार्ट शहर होगा। दिल्ली को केंद्र और राज्य सरकार की डबल इंजन वाली सरकार चाहिए। आपने पहले कितने ही साल कांग्रेस को देखा, फिर दिल्ली पर आप-दा वालों ने कब्जा कर लिया। आपने मुझे देश की सेवा करने का बार-बार अवसर दिया है, अब आप मुझे डबल इंजन सरकार बनाकर दिल्ली की भी सेवा करने का मौका दें।

आप-दा वालों ने दिल्ली का पैसा निचोड़ा- पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि आप-दा वालों ने दिल्ली को अपनी राजनीति चमकाने का एटीएम बना दिया है। आप-दा वालों ने दिल्ली का पैसा निचोड़ लिया है, लूट लिया है। दिल्ली में घोटाले करके ये आप-दा वाले कालेधन से देश के दूसरे राज्यों में राजनीति चमकाते हैं। दिल्ली में तकरार वाली नहीं, तालमेल वाली सरकार चाहिए, ताकि मिलजुल कर दिल्ली की हर बड़ी समस्या का समाधान हो। हमें मिलकर दिल्ली को लूट और झूठ की आप-दा से मुक्त कराना है।

11 साल से आप-दा कर रही लड़ाई- बीते 11 साल में आप-दा ने सबके साथ लड़ाई-झगड़ा ही किया है। ये केंद्र सरकार से लड़ते हैं, ये हरियाणा वालों के साथ लड़ते हैं, ये यूपी वालों के साथ लड़ते हैं, ये केंद्र सरकार की योजनाओं को लागू नहीं होने देते हैं। अगर दिल्ली में यही आप-दा वाले ही रहे, तो दिल्ली विकास में पीछे रह जाएगी और बर्बाद होती जाएगी।

मेरा सपना हर गरीब का हो पक्का घर

पीएम मोदी ने कहा कि मेरा अपना तो कोई घर नहीं है, लेकिन मेरा सपना है कि मैं हर गरीब को पक्का घर दूं। लेकिन यहां की आप-दा सरकार पूरी ताकत से जुटी हुई है कि आपको पक्के घर न मिल पाएं। ये टीवी पर, अखबारों में, सड़कों के किनारे अपने चेहरे चमकाने के लिए पानी की तरह पैसा बहा रहे हैं, लेकिन आपकी गली, नाली, सीवर, सड़क, पाइपलाइन... इनको बनाने के लिए आप-दा वाले पैसा नहीं देते।

कांग्रेस के शाही परिवार ने किया राष्ट्रपति मुर्मू का अपमान- कांग्रेस के शाही परिवार का अहंकार आज देश ने फिर देखा है। आज हमारी सम्मानीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी ने संसद को संबोधित किया। उन्होंने देशवासियों की उपलब्धियों के बारे में बताया, विकसित भारत के विजन के बारे में बताया। हिंदी उनकी मातृभाषा नहीं है, फिर भी उन्होंने बहुत ही बेहतरीन भाषण दिया, लेकिन कांग्रेस का शाही परिवार उनके अपमान पर उतर आया है। कांग्रेस और आप-दा दोनों अहंकार की पराकाष्ठा के प्रतीक हैं। ये आप-दा वाले खुद को दिल्ली का मालिक बताते हैं। तो वहीं कांग्रेस वाले खुद को देश का मालिक समझते हैं।

परीक्षा नकल करके पास की है... संदीप दीक्षित ने केजरीवाल की शिक्षा पर उठाए सवाल, बहस करने की दी चुनौती

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

नई दिल्ली। संदीप दीक्षित ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मैंने इतना काम किया है; मैंने तो बस इतना कहा है कि जो भी कहो रिकॉर्ड के साथ कहो। आज साफ हो जाएगा कि कांग्रेस या अअढ सच बोल रही है।

नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी संदीप दीक्षित ने शुक्रवार को आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कहा कि एक इंजीनियर होते हुए वह ऐसी बेतुकी बातें कह रहे हैं जो 5वीं या 6वीं कक्षा का छात्र नहीं कह सकता। जैसे ही दिल्ली में 5 फरवरी को होने वाले विधानसभा चुनाव की लड़ाई तेज हुई, कांग्रेस नेता ने अरविंद केजरीवाल पर झूठ बोलने का आरोप लगाया।

संदीप दीक्षित ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मैंने इतना काम किया है; मैंने तो बस इतना कहा है कि

जो भी कहो रिकॉर्ड के साथ कहो। आज साफ हो जाएगा कि कांग्रेस या अअढ सच बोल रही है। भाजपा और आप दोनों वोट पाने के लिए नकदी बांट रहे हैं, मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि वे राजनीति में हैं या बाजार में? आप प्रमुख पर अपना हमला जारी रखते हुए दीक्षित ने कहा कि कभी-कभी मुझे समझ नहीं आता कि उन्होंने (अरविंद केजरीवाल) आईआईटी में क्या पढ़ा। एक इंजीनियर होकर वह ऐसी बेतुकी बातें कह रहे हैं जो 5वीं या 6वीं क्लास का कोई छात्र नहीं कहेगा। उसने क्या किया था?

कांग्रेस नेता ने कहा कि मुझे लगता है कि उसने अपनी परीक्षा नकल करके पास की है। मैं उसे सुझाव दूंगा कि वह अपनी इंजीनियरिंग की किताबें पढ़ ले - उसे पता चल जाएगा कि वह कितना झूठ बोलता है। इसके साथ ही जंतर-मंतर पर संदीप दीक्षित ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को खुले मंच पर कांग्रेस के सवालों का जवाब देने की चुनौती दी। उन्होंने कहा कि चलिए इंतजार करते हैं, अभी समय है, हमने उन्हें (अरविंद केजरीवाल) करीब 2 बजे बुलाया था। ट्रैफिक जाम की वजह से हमें भी थोड़ा समय लगा, इंतजार करते हैं। देखते हैं वह आता है या नहीं। अगर वह नहीं आता है तो हम उसे सवाल भेजेंगे। देखते हैं वह क्या करता है।

शाहदरा विधानसभा भाजपा प्रत्याशी संजय गोयल को, मिल रहा है भरपूर समर्थन

नेशनल प्रेस टाइम्स।
विक्की बागड़ी। संवाददाता।
दिल्ली शाहदरा विधानसभा भाजपा।प्रत्याशी संजय गोयल। को मिल रहा है भरपूर समर्थन। शाहदरा विधानसभा के निवासियों ने ठाना है संजय गोयल को विधायक बनाना है। भाजपा प्रत्याशी संजय गोयल। एक

नाम बन गया है कि। शाहदरा विधानसभा की जनता संजय गोयल को ही पुकार रही है। जब हमारे संवाददाता ने शाहदरा विधानसभा के निवासियों से बात की तो उन्होंने बताया कि संजय गोयल एक ऐसे इंसान है जो हर किसी के सुख-दुख में काम आते हैं और हर किसी के साथ खड़े रहते हैं

हादसा या साजिशः मुंडका से निर्दलीय उम्मीदवार का आरोप, विपक्षी दलों ने कराया हमला; 12वीं का छात्र गिरफ्तार

नई दिल्ली । मुंडका से निर्दलीय चुनाव लड़ रहे और गैंगस्टर नीरज बवानिया के रामवीर शौकीन के कार्यालय में एक कार जा घुसी। शौकीन ने आरोप लगाया है कि विपक्षी दलों ने उनके ऊपर हमला करवाया है।

मुंडका से निर्दलीय चुनाव लड़ रहे और गैंगस्टर नीरज बवानिया के रामवीर शौकीन के कार्यालय में शुक्रवार सुबह एक तेज रफ्तार औरा कार घुस आई। वह अपने कार्यालय में चुनाव तैयारियों में लगे थे। कार की टक्कर से उनके पैर में फ्रैक्चर आया है और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है। वहीं, वारदात के बाद आरोपी चालक मौके से फरार हो गया। वारदात का वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वहीं निर्दलीय उम्मीदवार ने अपने ऊपर जानलेवा हमला करने के आरोप लगाए हैं।

मंदिर के महंत ने वृद्धाश्रम में वृद्धों को कराया भोजन, इंसुलेटेड पानी की बोतलें भी वितरित कीं

नेशनल प्रेस टाइम्स

गाजियाबाद। सिद्धपीठ श्री बालाजी धाम बिल्सी के महंत मटरुमल शर्मा ने शुक्रवार को दुहाई स्थित आवासीय वृद्धाश्रम में रह रहे वृद्धों को भोजन कराया और उसके बाद पानी को गर्म व ठंडा रखने वाली बोतल भी वितरित की। भोजन गृहण करने के बाद वृद्धों ने उन्हें आशीर्वाद दिया।

शुक्रवार को सिद्धपीश्री बालाजी धाम, बिल्सी के महंत मटरूमल शर्मा आवासीय वृद्धाश्रम पहुंचे और वृद्धजनों से मिलकर उनका हाल जाना। मटरूमल शर्मा ने आश्रम में रह रहे सभी वृद्धों को भोजन कराया और उनका आशीर्वाद लिया। इसके बाद उन्होंने वृद्धों को इंसुलेटेड पानी की बोतलें भी वितरित की। मटरूमल शर्मा पिछले 40 वर्षों से लगातार जरूरतमंदों की मदद कर रहे हैं। इस वर्ष भी वह सरकारी अस्पतालों, रेलवे स्टेशनों, वृद्धाश्रमों, गंगा किनारे बने आश्रमों में व सड़क किनारे रहने वाले बेघरों को अभी तक 18 हजार से ज्यादा

कम्बलों का वितरण कर चुके हैं। इसके अलावा प्रत्येक वर्ष गरीब कन्याओं का विवाह भी मटरूमल शर्मा करवाते रहते हैं। वह प्रत्येक मंगलवार भगवान का दरबार बदायूँ जिले की तहसील बिल्सी में व महीने के पहले शनिवार को हापुड़ में तथा महीने के आखिरी शनिवार को चंदौसी में लगाते हैं। इस अवसर पर उनकी पत्नी शांति देवी, मनीषा शर्मा, यश शर्मा, यति शर्मा, यशी शर्मा, बंटी गोस्वामी, आरके गर्ग, राजीव शर्मा, अश्विनी, गौरव बंसल व गिरीश गर्ग आदि सहित वृद्धाश्रम का तमाम स्टाफ मौजूद रहा।

'नेशनल प्रेस टाइम्स'
दैनिक समाचार पत्र में एनसीआर के जनपदों के लिए ब्यूरो चीफ, तहसील ब्यूरो, संवाददाता व मार्केटिंग के लिए इच्छुक लड़के व लड़की सम्पर्क करें।
विज्ञापन, न्यूज, आदि के लिए संपर्क करें।
सुखपाल सिंह (संपादक)
प्रमोद मिश्रा (सह-संपादक)
8448184482
एस.के. राणा (सह-संपादक)
8938805409
पता : 209, द्वितीय तल, दुर्गा चैम्बर, आरडीसी, राजनगर, गाजियाबाद
फोन- 0120-4549844, मो. 9312606107
nationalpresstimes@gmail.com/
www.nationalpresstimes.com

भाजपा शाहदरा विधानसभा प्रत्याशी संजय गोयल द्वारा जनसंपर्क अभियान का शुभारंभ

नेशनल प्रेस टाइम्स

भारतीय जनता पार्टी शाहदरा विधानसभा प्रत्याशी संजय गोयल द्वारा आज शुक्रवार जनसंपर्क अभियान का शुभारंभ माता मंदिर गीता भवन में दर्शन करके किया गया

संजय गोयल द्वारा फ्रेंड्स कॉलोनी इंडस्ट्रियल एरिया में उद्यमियों के साथ भी बैठक की गई तत्पश्चात भाजपा प्रत्याशी द्वारा लोहार समाज, वाल्मीकि समाज और रविदास समाज के साथ अनेकों बैठके सीमापुरी में की गई । श्वेतांबर जैन समाज द्वारा संजय गोयल के समर्थन में एक विशाल जनसभा का आयोजन ओसवाल भवन विवेक विहार में किया गया जिसका संचालन बाबूलाल गोलछा ने किया

आज संजय गोयल के समर्थन में केंद्रीय कैबिनेट मंत्री (सड़क और परिवहन) नितिन गडकरी द्वारा छोटा बाजार परशुराम चौक पर एक विशाल रैली को संबोधित किया गया जिसमें नितिन गडकरी ने कार्यकतार्यो सहित सभी उपस्थित क्षेत्रवासियों को मोदी जी की गारंटी का विश्वास दिलाया । गडकरी के अनुसार हमारा देश आज विकसित भारत के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है और इसमें दिल्ली की बहुत बड़ी भूमिका है भारतीय जनता पार्टी को दिया गया एक-एक वोट विकसित भारत के संकल्प को मजबूत करेगा दिल्ली में डबल इंजन की सरकार ही केंद्र की आयुष्मान योजना , महिला सशक्तिकरण योजना सहित संकल्प पत्रों में मोदी जी की हर गारंटी को लागू कर सकती है।

गडकरी के अनुसार भाजपा दिल्ली को ऐसी राजधानी बनाना चाहती है जो नए वर्क आर्डर के हिसाब से बनने वाली नई वैश्विक व्यवस्थाओं का सेंटर हो, एक ऐसी राजधानी जो अर्बन डेवलपमेंट का आधुनिक मॉडल बने। केंद्र सरकार द्वारा दिल्ली को देश के दूसरे राज्यों से जोड़ने के लिए एक्सप्रेस वे का जाल बिछाया जा रहा है दिल्ली अब इंडस्ट्रियल कॉरिडोर से जुड़ रही है दिल्ली में ट्रैफिक की चुनौतियों से निपटने के लिए अर्बन एक्सटेंशन रोड,द्वारका एक्सप्रेसवे, का काम इसका जीवन उदाहरण है। गडकरी द्वारा उपस्थित विशाल जन समूह से अपील की गई कि दिल्ली में जन सेवा को प्राथमिकता दी जाए अब समय आ गया है कि भारतीय जनता पार्टी को चुना जाए दिल्ली में डबल इंजन की सरकार बनाई जाए

भाजपा के लिए सोने पे सुहागा आज आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल शाहदरा विधानसभा में आए पर उनके आने से पहले बड़ी संख्या में आप पार्टी के शाहदरा मंडल के वरिष्ठ पधादिकारियों ने नितिन गडकरी की उपस्थिति में भाजपा जॉइन का ली

सरदार सतनाम सिंह, संचित आचर्य, सुरेंद्र गुप्ता लोनी वाले,पवन शर्मा, दीपक सिंधु सहित 45 से अधिक आप पार्टी के पधादिकारियों ने सेंकड़ो कार्यकताओं सहित भाजपा का पटका पहना ?

दिल्ली में 1 से 9 फरवरी तक पुस्तक मेला

नई दिल्ली । दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2025 का उद्घाटन मंडपम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू करेंगी। मेले की इस बार की थीम 'रिपब्लिक@75' है। मेले में दुनिया भर से 50 देशों से लोग शामिल होंगे।

प्रगति मैदान के हॉल 2-6 में शनिवार से नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2025 शुरू होगा। इसका उद्घाटन मंडपम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू करेंगी। वैश्विक भागीदारी के साथ मेले की इस बार की थीम 'रिपब्लिक@75' रखी गई है। इस दौरान दुनिया भर के 50 देशों के भाग लेने के साथ लिखित शब्द के प्रति जुनून का जश्न मनाया जाएगा। साथ ही मेले में 2,000 से अधिक प्रकाशक और प्रदर्शक और विभिन्न राष्ट्रीयताओं व भाषाओं के 1,000 से अधिक वक्ता शामिल होंगे। फ्रांस, कतर, स्पेन, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब और कोलंबिया समेत अन्य दूसरे देशों के लेखक व वक्ताओं के इसमें नाम हैं। पुस्तक मेले में रूस को फोकस राष्ट्र के रूप में नामित किया गया है।

नेशनल प्रेस टाइम्स की तरफ से मुफ्त कानूनी सलाह के लिए सम्पर्क कर सकते हैं।
एडवोकेट आदर्श कुमार राय
(इलाहाबाद हाईकोर्ट)
09415624173

स्वामी' प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक सुखपाल सिंह ने 209, द्वितीय तल, दुर्गा चैम्बर, आरडीसी, राजनगर, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश से प्रकाशित एवं पुरराज प्रिंटिंग एंड पैकिंग प्राइवेट लिमिटेड प्रेस ई-19,सेक्टर-6,नोएडा, गौतमबुद्धनगर (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित। RNI No. : UPHIN/2015/64579 मुख्य कार्यालय-209, द्वितीय तल, दुर्गा चैम्बर, आरडीसी, राजनगर, गाजियाबाद। मो. 9312606107, फोन- 0120-4549844, **nationalpresstimes@gmail.com/ www.nationalpresstimes.com** नोटः- समाचार पत्र से संबंधित किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्याय क्षेत्र गाजियाबाद ही होगा। *पीआरबी अधिनियम के अनुसार समाचार चयन और संपादन के लिए उत्तरदायी। समाचार पत्र में छपने वाले विज्ञापन की सत्य/ असत्य की जानकारी स्वयं करें, किसी भी विज्ञापन की असत्यता की जिम्मेदारी समाचार पत्र की नहीं होगी।